नई दिल्ली
रविवार, 12 अक्टूबर, 2025
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष,
षष्ठी वर्ष : 29, अंक : 179
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 30
न्यून. 19

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

एक्स पोस्ट में बोले विदेश मंत्री, सर्जियो गोर के साथ बातचीत में भारत-अमेरिका संबंधों और उनके वैश्विक महत्व पर की चर्चा

टैरिफ संकट के बीच....

अमेरिका के मनोनीत राजदूत की जयशंकर से हुई मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

50 फीसदी टैरिफ से उत्पन्न संकट और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर जारी माथापच्ची के बीच शनिवार को नई दिल्ली में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर ने विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर के साथ मुलाकात की। जिसमें दोनों के बीच भारत-अमेरिका के संबंधों और उनके अंतरराष्ट्रीय महत्व पर चर्चा की गई। गोर के साथ अमेरिका के उप-सचिव (प्रबंधन-संसाधन) माइकल जॉन रिगास भी मौजूद थे। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक ▶▶ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रपति को सौंपेंगे परिचय पत्र

अमेरिका के दूतावास ने बताया कि किसी अन्य तारीख पर सर्जियो गोर भारत में औपचारिक रूप से अपना परिचय पत्र सौंपेंगे। परंपरागत रूप से देश में कोई भी नया राजदूत अपना कार्यभार संभालने के साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना परिचय सौंपते हैं। जिसे ▶▶ शेष पेज 5 पर

विश्व की दो महाशक्तियों के बीच छिड़े इस 'ट्रेड वार' का भारत पर भी पड़ेगा असर

चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात नियमों में की सख्ती तो अमेरिका ने लगाया 100% टैरिफ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तकनीक के रथ पर सवार 21वीं शताब्दी का उभार बहुत हद तक रेयर अर्थ मिनरल्स पर टिका हुआ है। ये सच्चाई हालांकि किसी से छिपी हुई नहीं है।

लेकिन इसमें महारत रखने वाले चीन ने जैसे ही अगले महीने 1 नवंबर से जब इन मिनरल्स के निर्यात नियमों पर और सख्ती लागू की तो जवाब में अमेरिका ने भी समान तारीख से ड्रैगन के सभी उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। चीन-अमेरिका के बीच घटे इस पूरे घटनाक्रम से दुनिया के दो बड़े देशों के बीच व्यापार युद्ध गहराने का खतरा बढ़ गया है। जिसका भारत पर भी प्रभाव पड़ेगा। वहीं, इससे मौजूदा महीने में होने वाली अमेरिका और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात भी अधर में लटक सकती है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

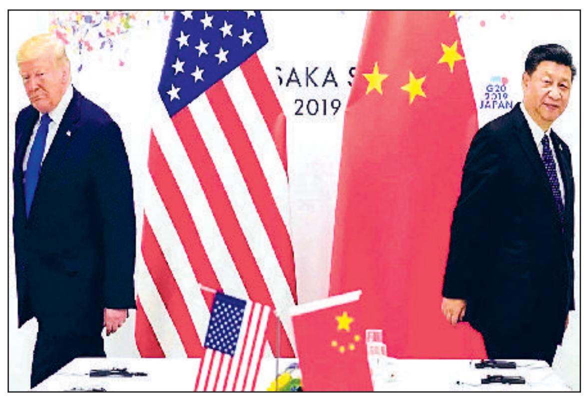

चीन ने भारत से मांगी लिखित गारंटी?

यहां बता दें कि रेयर अर्थ मिनरल्स का सबसे ज्यादा इस्तेमाल स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक कार, सेमीकंडक्टर या चिप से जुड़े उद्योगों, पानी से चलने वाले टरबाइन और जेट इंजन जैसे उत्पादों में किया जाता है। इनका 90 फीसदी उत्पादन और प्रसंस्करण चीन में किया जाता है। भारत ही नहीं बल्कि मामले में दुनियाभर के देशों की चीन पर निर्भरता है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

ट्रंप के 100% टैरिफ का सार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि एक नवंबर से चीन द्वारा व्यापार को लेकर दिखाई जाने वाली अप्रत्याशित सख्ती से अमेरिका भी भली भांति अवगत है। जिसमें वो अपने बनाए तमाम उत्पादों पर निर्यात पाबंदियां लगा रहा है। दुनिया का कोई भी देश इससे अछूता नहीं रहेगा। सभी पर इसका प्रभाव पड़ेगा। जो ▶▶ शेष पेज 5 पर

कृषि क्षेत्र, पशुपालन, मत्स्यपालन, एफपीओ एवं इनोवेशन में मिली 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगात

'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' और 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' का

पीएम मोदी ने किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1,100 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दलहन उत्पादक, एआईएफ और पशुपालन, मत्स्य पालन से जुड़े किसानों से पूसा परिसर में किया सीधा संवाद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के पूसा में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' और 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' का शुभारंभ किया। पीएम ने कृषि क्षेत्र, पशुपालन, मत्स्यपालन, एफपीओ एवं इनोवेशन में मिली 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1,100 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया।

प्रधानमंत्री ने दलहन उत्पादक, एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) और पशुपालन व मत्स्य पालन से जुड़े किसानों के विभिन्न समूहों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं व नवाचारों पर गहन चर्चा की। इस अवसर पर ▶▶ शेष पेज 5 पर

11 मंत्रालयों की 36 उप-योजनाएं लॉन्च

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना देश के आकांक्षी जिलों में कृषि उत्थान के लिए 11 मंत्रालयों की 36 उप-योजनाओं को समन्वित करते हुए लॉन्च की गई है, वहीं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन को दालों के बढ़ते उपभोग को ध्यान में रखते हुए, देश को दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने हेतु शुरू किया गया है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी। प्रधानमंत्री ने कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1,100 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन सब परियोजनाओं के माध्यम से देश को 42,000 करोड़ रुपये से अधिक की निवेश सौगात मिली, जिससे ग्रामीण भारत में अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग यूनिट्स और वेयरहाउस जैसी सुविधाएं स्थापित होंगी।

सोच-समझकर किया 100 जिलों का चयन

मोदी ने कहा कि हम खेती के मामले में पिछड़े देश के सौ जिलों का, जो खेती के क्षेत्र में, बाकी चीजों में आगे होंगे, ऐसे सौ जिलों का हम विकास करना चाहते हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करके काम करना चाहते हैं। पीएम धन-धान्य कृषि योजना की प्रेरणा, वही आकांक्षी जिलों का मॉडल है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का मिशन

उन्होंने कहा कि आज से दलहन आत्मनिर्भरता मिशन भी शुरू हो रहा है। ये सिर्फ दाल उत्पादन बढ़ाने का मिशन नहीं है, बल्कि हमारी भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का भी अभियान है। जैसे मैंने अभी पहले कहा, बीते सालों में भारत के किसानों ने रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन किया है, गेहूं हो, धान हो, आज भारत ▶▶ शेष पेज 5 पर

पहले की सरकारों का कृषि को लेकर कोई विजन नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर के उत्कृष्ट योगदान देने वाले किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों और तकनीकी नवाचारों वाले किसानों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों को सामाजिक मान्यता भी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा रही है। बहुत जरूरी होता है कि बदलते समय के साथ खेती किसानी को सरकार का सहयोग मिलता रहे, लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों ने खेती किसानी को अपने हाल पर ही छोड़ दिया था। सरकार की तरफ से कृषि ▶▶ शेष पेज 5 पर

मुत्ताकी की प्रेस वार्ता से महिला पत्रकारों को दूर रखने पर मचा बवाल...

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दी सफाई, इस आयोजन में दूर-दूर तक हमारी कोई भूमिका नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की पहली भारत यात्रा अपनी शुरुआत के साथ ही विवादों में घिर गई है। मामला बीते शुक्रवार को उनके और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद नई दिल्ली में अफगानिस्तान के दूतावास में आयोजित की गई प्रेस वार्ता से जुड़ा हुआ है। जिसमें महिला पत्रकारों को आमंत्रित न करने को लेकर देश के भीतर राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव गुट) जैसे विपक्षी दलों के नेताओं ने एक्स पर एक के बाद एक पोस्ट कर मामले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार पर निशाना साधा। जिसके बाद शनिवार को विदेश मंत्रालय की आधिकारिक प्रतिक्रिया आई और उसमें कहा गया कि बीते 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित की गई अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं है। बताते ▶▶ शेष पेज 5 पर

ये हैं विपक्षी दलों के तर्क

कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार में वित्त मंत्री रहे पी. चिदंबरम ने एक्स पोस्ट में लिखा, मुझे इस बात पर आश्चर्य है कि अफगानिस्तान के आमिर खान मुत्ताकी द्वारा संबोधित प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया। मेरे निजी विचार में पुरुष पत्रकारों को उस समय बाहर चले जाना चाहिए था। जब उन्हें पता चला कि उनकी महिला सहकर्मियों को बाहर रखा गया है या उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने अपनी एक ऑडियो-वीडियो पोस्ट में कहा कि हमारी सरकार ने तालिबान के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी को महिला पत्रकारों को छोड़कर पूरे प्रोटोकॉल के साथ भारतीय धरती पर केवल पुरुषों के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की इजाजत कैसे दी? डॉ. जयशंकर ने इसकी अनुमति कैसे ▶▶ शेष पेज 5 पर

महिला पत्रकारों ने उठाए गंभीर सवाल

लंबे समय से विदेश मंत्रालय कवर करने वाली कुछ वरिष्ठ महिला पत्रकारों ने अनौपचारिक रूप से तालिबान शासन द्वारा किए गए इस भेदभाव को लेकर सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान द्वारा विदेशी महिला पत्रकारों से लगातार संवाद किया जाता रहा है। ऐसे में भारत की महिला पत्रकारों से हुई परेशानी हमारी समझ से परे है। कुछ ने कहा कि पूर्व में नई दिल्ली में पाकिस्तान, ईरान समेत खाड़ी के कई मुस्लिम देशों के राष्ट्राध्यक्षों व वरिष्ठ प्रतिनिधियों की आधिकारिक यात्राओं के दौरान उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से आमने-सामने ▶▶ शेष पेज 5 पर

सबरीमाला गोल्ड चोरी केस 9 अधिकारियों पर एक्शन

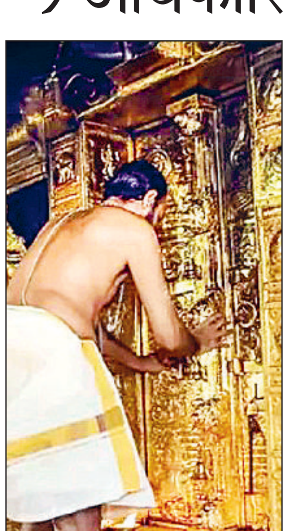

तिरुवनंतपुरम। सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी केस में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) की विजिलेंस विंग ने 9 अफसरों के खिलाफ ऐक्शन लेने का फैसला किया है। टीडीबी अध्यक्ष पीएस प्रसांत ने शनिवार को कहा- डिप्टी देवास्वोम कमिश्नर बी मुरारी बाबू के खिलाफ पहले ही कार्रवाई हो चुकी है। अन्य पर 14 अक्टूबर को बैठक में फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन पर एक्शन लिया जाएगा, उनमें टीडीबी सेक्रेटरी जयश्री, एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सुदीश, प्रशासनिक अधिकारी श्रीकुमार और पूर्व तिरुवभरनम कमिश्नर केएस बैजू शामिल हैं।

पीएम मोदी के साथ 14 अक्तूबर को राजधानी में होगी द्विपक्षीय बैठक

भारत की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे मंगोलिया के राष्ट्रपति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अगले सप्ताह सोमवार से मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना भारत की चार दिवसीय (13 से 16 अक्तूबर तक) यात्रा पर रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आमंत्रण पर उनकी यह यात्रा हो रही है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि राष्ट्राध्यक्ष के रूप में की जा रही मंगोलिया के राष्ट्रपति की यह पहली भारत यात्रा है। जिसमें राष्ट्रपति उखना के साथ कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों, वरिष्ठ अधिकारियों, व्यापारिक- ▶▶ शेष पेज 5 पर

पीएम, उपराष्ट्रपति से होगी मुलाकात

राष्ट्रपति उखना की 14 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजधानी में एक महत्वपूर्ण मुलाकात होगी। जिसमें द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े तमाम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कुछ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे। साथ ही क्षेत्रीय, वैश्विक मामलों पर भी वार्ता के दौरान चर्चा की ▶▶ शेष पेज 5 पर

सोमवार को राजधानी में होगी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ मुलाकात

12 से 14 अक्टूबर तक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें करेंगी

आज से भारत के तीन दिवसीय दौरे पर कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

टैरिफ संकट और बढ़ती खालिस्तानी कट्टरता जैसी चुनौतियों के बीच रविवार से कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद भारत की तीन दिवसीय (12 से 14 अक्टूबर तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगी। जिसमें सोमवार को उनकी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ नई दिल्ली में महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें होंगी। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत से है अनीता का पुराना नाता

अनीता आनंद भारतीय मूल की कनाडा की पहली हिंदू महिला सांसद और मार्क कार्नी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। उनका जन्म भारत में नहीं हुआ है। लेकिन उनके माता-पिता भारत से थे। जिसमें पिता तमिलनाडु से और माता पंजाब से थीं। कनाडा की विदेश मंत्री बनने से पहले ▶▶ शेष पेज 5 पर

मुंबई जाएंगी कनाडा की विदेश मंत्री

मंत्रालय ने कहा कि दोनों वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठकें करने के बाद कनाडा की विदेश मंत्री मुंबई रवाना हो जाएंगी और वहां 14 अक्टूबर को वह कनाडा और भारत में निवेश, रोजगार सृजन के साथ ही आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने वाली कुछ कनाडाई और भारतीय कंपनियों ▶▶ शेष पेज 5 पर

सजा से बचने के लिए खुद को मृत घोषित करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की आईएससी टीम द्वारा एक सराहनीय कार्रवाई के तहत फरार आरोपी वीरेंद्र विमल को गोरखपुर से गिरफ्तार किया गया है। इसने न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के निष्पादन से बचने के लिए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के माध्यम से खुद को मृत घोषित कर दिया था। आरोपी बाहरी दिल्ली के मुंगेशपुर गांव का रहने वाला है। वह बवाना थाना अंतर्गत घर में सेंधमारी, चोरी और अवैध हथियार रखने के कई मामलों में शामिल एक आदतन अपराधी है। पुलिस के अनुसार इसने धोखे से एक जाली मृत्यु प्रमाण पत्र हासिल कर लिया था। पत्र के अनुसार आरोपी की 24 अगस्त 2021 को मृत्यु हो चुकी थी। इस फर्जीवाड़े के कारण लंबित मामलों में अदालती कार्यवाही में बाधा उत्पन्न हुई। लेकिन निरंतर निगरानी और सत्यापन के बाद आरोपी को गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई ने बंद हो चुकी आपराधिक कार्यवाही को पुनर्जीवित किया है और अदालत को गुमराह करने और न्याय से बचने के एक गंभीर प्रयास का पर्दाफाश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मुख्य रूप से रात में औद्योगिक इकाइयों और आवासीय संपत्तियों को निशाना बनाता था।

पत्नी की हत्या में भी 13 साल जेल में रहा बंद

भोगल में 30 लाख की चोरी का आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

निजामुद्दीन थाना अंतर्गत जंगपुरा चौकी की टीम ने 30 लाख की ज्वैलरी चोरी के सनसनीखेज मामले को सुलझा लिया है। इस संबंध में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल बेंगलुरु जेल में बंद रह चुका है। इस पर हाल ही में कोतवाली थाने में आर्म्स एक्ट का मामला भी दर्ज किया गया था। आरोपी के पास से एक सोने का पेंडल बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार पकड़े गये चोर का नाम मोहम्मद नजरान है। वह नालबंदन गली, शाह गंज चौक, अजमेरी गेट, पुरानी दिल्ली का रहने वाला है। 52 वर्षीय इस शख्स के खिलाफ निजामुद्दीन थाने में 30 लाख मूल्य के आभूषण चोरी का केस दर्ज किया गया था। घटना 21 सितंबर को सामने आई थी। जुनैद खान पुत्र जलील खान निवासी मस्जिद लेन, भोगल ने घर में चोरी की शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि वे एक दिन पहले दोपहर लगभग एक बजे अपने घर से निकले थे। 21 सितंबर को सुबह लगभग दो बजे लौटने पर उन्होंने मुख्य द्वार की कुंडी टूटी हुई और घर बिखरा हुआ पाया। उन्होंने सोने के आभूषण और पासपोर्ट चोरी पाया। चोरी हुई ज्वैलरी की कीमत 30 लाख बताई गई थी। अपराध की गंभीरता को देखते हुए एसआई अनिल (प्रभारी पुलिस चौकी जंगपुरा) और अन्य की एक टीम ने जांच शुरू की। भोगल क्षेत्र में लगे कई सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की गई। एक सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध शिकायतकर्ता के परिसर में प्रवेश करते हुए दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज के निशान को दरियागंज क्षेत्र तक फॉलो किया गया, जहां एक संदिग्ध की पहचान की गई। स्थानीय पूछताछ के बाद मोहम्मद नजरान को पकड़ा गया। लगातार पूछताछ करने पर आरोपी ने अपने साथी अरमान निवासी दरियागंज के साथ मिलकर उक्त चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसने आगे बताया कि 2007 में बैंगलोर में पत्नी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। वह अपनी सजा पूरी कर चुका था और 2019 में रिहा होने के बाद उसने अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदातें शुरू की थी। इन्होंने चोरी का सोना गोकलपुरी के सुनार अक्षय (अरमान के साले) को पिघलाने और निपटान के लिए सौंपा था। इसके साथियों को गिरफ्तार करने और चोरी की गई संपत्ति की बरामदगी के लिए आगे की जांच जारी है।

मानसिक रूप से कमजोर युवती 37 दिन बाद परिवार से मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने मध्य प्रदेश की 21 वर्षीय बौद्धिक रूप से अशक्त युवती को 37 दिनों की खोज के बाद उसके परिवार से मिलाया है। सितंबर की शुरुआत से ही मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) में उपचाराधीन युवती को सात अक्टूबर को उसके परिवार को सौंपा गया।

डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम के अनुसार गत माह की शुरुआत में सीमापुरी थाने को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से मानसिक रूप से कमजोर गर्भवती युवती के इलाके में घूमने की सूचना मिली थी। युवती को पुलिस द्वारा मेडिकल जांच के लिए गुरू तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले जाया गया और बाद में स्थानीय अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन और देखभाल के लिए इहबास में भर्ती करने का आदेश दिया था। इहबास में उसे भर्ती किए जाने के बाद उसके परिवार का पता लगाने के लिए एक टीम का गठन किया गया था। पुलिसकर्मी को मध्य प्रदेश भेजा गया था। हालांकि, पुलिस को शुरुआत में कोई सुराग नहीं मिला। अधिकारी ने बताया कि उसके परिवार का पता लगाने में मदद के लिए उसके विवरण और तस्वीर को दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया। डीसीपी ने बताया कि इहबास में उपचार के दौरान युवती ने सात सितंबर को समय से पहले एक बच्ची को जन्म दिया, जिसकी एसडीएन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को उसके परिवार से मिलाने के लिए नए सिरे से प्रयास करते हुए पुलिसकर्मी अंकुश और राज सहित सीमापुरी थाने की टीम फिर मध्य प्रदेश पहुंची। डीसीपी ने बताया कि इस बार बागेश्वर धाम इलाके के स्थानीय लोगों ने युवती को पहचान लिया। पुलिस ने युवती के पोस्टर लगाए और आखिरकार उसके परिवार वालों का पता लगाने में सफल रही। अधिकारियों ने बताया कि परिवार के सदस्यों को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जिसने मामले को 'संवेदनशीलता' और 'सफलतापूर्वक' सुलझाने के लिए पुलिस की प्रशंसा की।

मुरादनगर का हिस्ट्रीशीटर बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ हौज काजी के केस में हथियार सप्लाई करने का आरोप

मध्य जिले की हौज काजी पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में हथियार मुहैया करवाने वाले शातिर अपराधी नदीम उर्फ घोंडा को गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक सेमी ऑटोमैटिक पिस्तौल, एक मैगजीन और छह कारतूस बरामद हुए है। आरोपी मुरादनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ में हत्या, डकैती, लूट, हत्या के प्रयास, दंगों और गैंगस्टर एक्ट के 15 से ज्यादा मामलों में वह शामिल रहा है।

पुलिस के अनुसार 29 सितंबर को शाम लगभग छह बजे हौज काजी थानाक्षेत्र में हत्या के प्रयास की एक घटना दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि अमन और जीशान ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके मोहल्ले में एक पुराने आर्थिक विवाद को लेकर उस पर हमला किया। मारपीट व धारदार हथियार से वार के बाद अमन ने पिस्तौल से उस पर गोली भी चलाई थी। हालांकि गोली चूक गई और वह बच गया। पीसीआर कॉल प्राप्त होने पर पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे। शिकायतकर्ता को घायल हालत में इलाज के लिए एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती करवाया। घटनास्थल से एक फायर किया हुआ कारतूस का खोल भी बरामद किया गया था। जांच के दौरान आरोपी रमीस उर्फ रमीज उर्फ छोटा नवाब को 2 अक्टूबर को स्पेशल स्टाफ और हौज काजी थाने की संयुक्त टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया था। रमीस से पूछताछ में पता चला कि नदीम ने हथियार मुहैया करवाया था। पता चला कि नदीम उर्फ घोड़ा मूलरूप से मुरादनगर का रहने वाला है और सीलमपुर क्षेत्र के पास गौतमपुरी में कहीं रहता है। इसके बाद नदीम को भी दबोच लिया गया। नदीम यमुना पार क्षेत्र के स्थानीय अपराधियों को हथियार कारतूस की आपूर्ति भी करता है। पूछताछ के दौरान आरोपी नदीम ने बताया कि कुछ दिन पहले जूही, अयान, मेहंदी और सोनू उसके पास आए थे और हौज काजी इलाके के कुछ प्रॉपर्टी डीलरों से दुश्मनी होने के कारण उससे एक पिस्तौल मांगी थी। वे उन्हें सबक सिखाना चाहते थे। इसके बाद उसने उन्हें एक अत्याधुनिक अर्ध स्वचालित पिस्तौल और सात कारतूस उपलब्ध कराए थे। अमन ने उससे उक्त पिस्तौल प्राप्त करने के बाद 29 सितंबर को शाम लगभग 6:30 बजे शिकायतकर्ता फैजुद्दीन पर हमला किया था। हमले के बाद उसने पिस्तौल और शेष छह कारतूस उसे सौंप दिए थे।

चोरी के वाहनों को पुर्जे पुर्जे कर कबाड़ियों को बेचने वाले दो

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

द्वारका जिले के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने चोरी के वाहनों के पुर्जो को कबाड़ में बेचने वाले दो आरोपियों को एक चोरी की मोटरसाइकिल और दो स्कूटरों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम चेतन उर्फ लकी और सुबोध बताये गये हैं। आरोपी चोरी के वाहनों को पुर्जे पुर्जे कर फेरीवाले कबाड़ियों को बेचते थे। इनकी गिरफ्तारी से द्वारका जिले के तीन वाहन चोरी के मामले सुलझाए गये हैं।

पुलिस के अनुसार जिला पुलिस उपायुक्त के निर्देशानुसार द्वारका जिले के वाहन चोरी निरोधक दस्ते को नियमित रूप से स्ट्रीट क्राइम यानी वाहन चोरी, झपटमारी और डकैती की घटनाओं पर नियंत्रण रखने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

इस कार्य के अनुसरण में स्थानीय मुखबिरों के माध्यम से आपराधिक खुफिया जानकारी विकसित की गई। टीम द्वारा विभिन्न घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए गए। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और वाहनों की चोरी रोकने के लिए स्थानीय सूत्रों को तैनात किया गया।

इसी कड़ी में हवलदार राजेश कुमार को द्वारका सेक्टर 14 मेट्रो स्टेशन के पास एक मुखबिर से विशेष सूचना मिली कि दो व्यक्ति चेतन और सुबोध जिनके पास एक चोरी की मोटरसाइकिल है ककरोला गांव में आने वाले हैं। त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने ककरोला पिकेट के पास जाल बिछाया और लाल रंग की पैशन प्रो मोटरसाइकिल पर सवार दोनों आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

मोटर साइकिल बिंदापुर से चोरी की निकली। पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि उन्होंने मेट्रो यार्ड लाइन, द्वारका के पास दो और चोरी की स्कूटियां छिपाई हैं। निशानदेही पर दो चोरी की स्कूटियां भी बरामद की गई हैं।

आरोपियों ने खुलासा किया कि वे अपने अन्य साथियों के साथ दोपहिया वाहन चोरी में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वे चोरी के वाहनों के कबाड़ को फेरीवाले कबाड़ियों को बेचकर आसानी से पैसा कमाते थे।

पूर्वोत्तर रेलवे

निम्नलिखित कार्य के लिए 'खली' ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है जो उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:–

निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण: 12–2025–कालोनी, कार्य का नाम: गोरखपुर–उप मुख्य विद्युत अभियंता/कॉलोनी क्षेत्राधिकार में विभिन्न उपकेंद्रों के जीर्ण–शीर्ण, क्षतिग्रस्त, पुराने एच.टी. पैनलों और संबद्ध उपकरणों के प्रतिस्थापन/नए प्रावधान द्वारा विद्युत आपूर्ति से संबन्धित कार्य। अनुमानित लागत ₹ 1,34,56,049.00, बयाने की राशि: ₹ 2,17,300.00, ई–निविदा फार्म का मूल्य–शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि से – 9 माह।

ऑनलाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि 31.10.2025 समय 15.00 बजे तक, इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नही किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कालोनी
मुजाधि/विद्युत–159 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कांग्रेस के सिपाहियों को अपनी कॉलोनी के वोट चोरी होने से बचाने की जिम्मेदारी लेनी होगी: देवेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं से आहवान किया है कि कांग्रेस के सिपाहियों आपको अपने वोट की चौकीदारी सुनिश्चित करने के साथ साथ अपने आस पड़ोस, ब्लाक, बूथ व पूरी कॉलोनी के वोट चोरी होने से बचाने की जिम्मेदारी लेनी ही होगी। यादव ने कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के तहत भाजपा के देश को कमजोर करने के षड्यंत्र को पूरे देश के सामने सार्वजनिक तौर पर उजागर कर दिया है। सिस्टम को छोड़िए हमें खुद आगे आकर वोट चोरी को रोकने के लिए मेहनत करनी होगी। यह बातें यादव ने शनिवार आदर्श नगर जिला कांग्रेस कमेटी में आयोजित हस्ताक्षर अभियान में कही। इस अवसर पर यादव के अलावा पूर्व विधायक हरिशंकर गुप्ता, संयोजक जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ राव आदि मौजूद थे। यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता में बने रहने के लिए वोट षड्यंत्र करके देश को कमजोर करने का षड्यंत्र रचा, राहुल गांधी ने उसे पूरे देश के सामने उजागर कर दिया। उन्होंने खुले मंच पर मीडिया के सामने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हुई वोट चोरी का खुलासा किया। राहुल ने उजागर किया कि एक ही घर में 140-160 वोट है। एक ही नागरिक की एक विधानसभा में चार-चार वोट है, यही नहीं दूसरी विधानसभा में भी उसका वोट हैं। भाजपा की कूटनीति की यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक देश के संविधान के अस्तित्व के लिए खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर अभियान के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता हर घर तक पहुंचकर दिल्ली की जनता को उनकी वोट को चोरी होने से बचाने के लिए जागरूक करने का काम कर रहे है। यादव ने कहा कि 18 वर्ष आयु के महिला, पुरुष, ट्रांसजेंडर, किसी जाति या धर्म के व्यक्ति को संविधान में वोट का अधिकार दिया गया लेकिन पिछले 11 वर्षों से जब किसी राज्य में चुनाव आते है, लोकसभा चुनाव में चुनाव आते है

कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में किसानों ने सुना पीएम मादी का संबोधन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नजफगढ़ क्षेत्र के उजवा में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' एवं 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' के शुभारंभ का सीधा प्रसारण (वर्चुअल) किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र अध्यक्ष डॉ राकेश राणा ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने यहां वर्चुअल रूप से देश के किसानों को संबोधित करते हुए विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण किया एवं आगामी कृषि क्रांति के प्रभावों, नवाचारों तथा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कृषि क्षेत्र की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में दिल्ली देहात के प्रगतिशील किसान, महिला किसान एवं कृषि अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने योजनाओं की उपयोगिता और संभावनाओं पर चर्चा की और अपने अनुभव साझा किए। इस आयोजन का उद्देश्य किसानों को नवीनतम योजनाओं, कृषि तकनीकों से अवगत कराना एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रोत्साहित करना रहा।

विशेष कार्यशाला का भी किया गया आयोजन

इस अवसर पर यहां एक विशेष कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों जैसे आगामी रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती के तरीके, नवीनतम कृषि यंत्रों द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन, प्राकृतिक खेती के सिद्धांत और व्यवहार, बागवानी की उन्नत तकनीक, पशुपालन में आहार प्रबंधन और रखरखाव एवं मृदा एवं जल परीक्षण की प्रक्रिया और लाभ आदि पर जानकारी प्रदान की गई।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	42-SRDEE-G-DLI-2025-26 दिल्ली मंडल के स्टेशनों, सेवा भवनों, आवासीय भवनों और एलसी गेट पर रूफटॉप प्रकार के सौर संयंत्रों के प्रावधान के साथ अन्य संबद्ध कार्यों के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रू0 180849825.00
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रू0 1054300.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	04.11.2025, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	04.11.2025, 16.00 बजे
वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3152/2025

उत्तर रेलवे

पहला शुद्धिपत्र

कार्य का नाम: "दिल्ली मंडल के स्टेशनों, सेवा भवनों, आवासीय भवनों और एलसी गेट पर रूफटॉप प्रकार के सौर संयंत्रों के प्रावधान के साथ अन्य संबद्ध कार्यों के संबंध में विद्युत कार्य।"

टेंडर नं: 33-SRDEE-G-DLI-2025-26

	पहले प्रकाशित	संशोधन
कार्य का नाम	33-SRDEE-G-DLI-2025-26 "दिल्ली मंडल के स्टेशनों, सेवा भवनों, आवासीय भवनों और एलसी गेट पर रूफटॉप प्रकार के सौर संयंत्रों के प्रावधान के साथ अन्य संबद्ध कार्यों के संबंध में विद्युत कार्य।"	प्रशासनिक आधार पर रद्द कर दिया गया
निविदा की अनुमानित लागत	रू0 180863696.00	
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी उत्तर रेलवे, नई दिल्ली	
बयाना राशि	रू0 1054300.00	
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	21.10.2025, 16.00 बजे	
निविदा खोलने की दिनांक व समय	21.10.2025, 16.00 बजे	

उपर्युक्त निविदा के निविदा दस्तावेज को संशोधित किया गया है, कृपया **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध संशोधित दस्तावेजों को देखें और तदनुसार अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करें। **टेंडर नं.: 33-SRDEE-G-DLI-2025-26** **3151/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राज्य निर्वाचन आयोग ने तेज की प्रक्रिया, चुनाव तिथियां जल्द होंगी घोषित

दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों में उपचुनाव की तैयारियां शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राज्य निर्वाचन आयुक्त विजय कुमार देव और दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा के बीच शनिवार को निगम उपचुनाव को लेकर कानून व्यवस्था पर चर्चा हुई।

दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों में उपचुनाव कराने की दिशा में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मतदान केंद्रों का निर्धारण कल, 13 अक्टूबर 2025 तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए। आयोग ने शनिवार को उक्त जानकारी देते हुए बताया कि ये उपचुनाव उन वार्डों में होंगे, जहां विभिन्न कारणों से पद रिक्त हैं। उपचुनाव के लिए निर्वाचन सूचियां संबंधित विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची से ली जाएंगी, जिनकी योग्यता तिथि 1 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि उपचुनाव की तिथियां तभी घोषित की जाएंगी जब त्योहारों, परीक्षाओं और स्थानीय परिस्थितियों की समीक्षा पूरी हो जाएगी। आयोग का उद्देश्य है कि उपचुनाव शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निर्बाध रूप से आयोजित किए जाएं।

इन 12 वार्डों में होंगे उपचुनाव

मुंडका (35), शालीमार बाग-बी (56), अशोक विहार (65), चांदनी चौक (74), चांदनी महल (76), द्वारका बी (120), दिचाऊं कलां (128), नारायणा (139), संगम विहार-ए (163), दक्षिणपुरी (164), ग्रेटर कैलाश (173) और विनोद नगर (198)।

आयोग ने की समीक्षा बैठकें

राज्य निर्वाचन आयुक्त विजय कुमार देव ने उपचुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए कई दौर की बैठकें की हैं। शनिवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा के साथ हुई बैठक में विजय कुमार देव ने कानून व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन की रूपरेखा पर चर्चा की, वहीं मुख्य सचिव के साथ होने वाली आगामी बैठक में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को अंतिम रूप दिया जाएगा।

तकनीक और पारदर्शिता पर जोर

आयोग ने बताया कि उपचुनावों में तकनीक आधारित सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए "निगम चुनाव दिल्ली" मोबाइल ऐप के माध्यम से व्हीलचेयर, सहायता, पिक-अप और ड्रॉप जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, चुनाव से संबंधित सभी अनुमति कार्यों को आसान बनाने के लिए एक सिंगल विंडो परमिशन पोर्टल भी लॉन्च किया जा रहा है, जो शिकायतों के समाधान का भी माध्यम बनेगा।

अधिकारियों की नियुक्ति और प्रशिक्षण जारी

राज्य निर्वाचन आयोग ने दिल्ली सरकार और एमसीडी के अधिकारियों को जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), रिटर्निंग अधिकारी (आरओ), सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एआरओ), और सामान्य प्रेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। उपचुनावों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए व्यय प्रेक्षक (ईओ) भी तैनात किए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारियों, विशेषकर आईटी कर्मियों के लिए प्रशिक्षण सत्र लगातार जारी हैं, ताकि उपचुनाव सुचारू और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सकें।

उत्तर रेलवे

(गति शक्ति इकाई) निविदा सूचना

उप. मुख्य विद्युत अभियंता/गति शक्ति इकाई/दिल्ली, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली–110055 निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करती है:

1.	कार्य और स्थान का नाम	एमयूट (मेरठ कैंट) और टपरी रेलवे स्टेशन पर अन्य संबद्ध कार्यों के साथ प्रकाश व्यवस्था में सुधार का शेष विद्युत कार्य।
2.	निविदा सूचना संख्या	26-DyCEE-GSU-DLI-25-26
3.	बयाना राशि (ऑनलाइन जमा की जाएगी)	₹1,44,900.00
4.	अनुमानित लागत	₹72,43,250.20/-
5.	ई–निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	दिनांक 10.10.2025 को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर निविदाएं अपलोड की हैं। निविदादाता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा 03.11.2025 को 11:30 बजे खोली जाएगी।
6.	विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज	विस्तृत ई–निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट यानी www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज़ www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर 20.10.2025 से 03.11.2025 को 11:30 बजे तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध रहेगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।

सं. 26-DyCEE-GSU-DLI-25-26 दिनांक : 10.10.2025 3149/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सीएम ने अस्पतालों में दवा, उपकरण व ढांचागत सुविधाओं को लेकर की समीक्षा बैठक

अस्पतालों की कमियों को हमारे संज्ञान में लाएं, हम तुरंत करेंगे कार्रवाई : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के अस्पतालों में जो भी कमियां है, उनको तुरंत हमारे संज्ञान में लाया जाए, हम उन पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। यह निर्देश शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में सभी अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों को दिए। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, अस्पतालों के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौजूद थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि राजधानी के सरकारी अस्पतालों को मरीजों के लिए बेहतर बनाना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। दिल्ली सरकार हर अस्पताल में दवाएं, उपकरण और सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि अस्पतालों में दवाई की 90 प्रतिशत दवाएं उपलब्ध हैं और विभिन्न असपतालों में वेंटिलेटर बेड के लिए वेंटिलेटर की भी कमी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के पास दिल्ली की चिकित्सा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। बैठक का उद्देश्य अस्पतालों में दवाओं, उपकरणों, स्टाफ और ढांचागत समस्याओं से संबंधित मुद्दों की विस्तृत समीक्षा करना और इसको लेकर आने वाली अड़चनों को दूर करना था।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग व पीडब्ल्यूडी के बीच बेहतर तालमेल से निर्माण व रिपेयर से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में मरम्मत, निर्माण या नवीनीकरण से जुड़े कार्य चल रहे हैं, वहां गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित की जाएं। बैठक में सभी चिकित्सा अधीक्षकों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने अस्पतालों में आवश्यक मरम्मत, उपकरणों की सेवा, दवाओं की आपूर्ति और स्टाफ से संबंधित सभी समस्याओं की समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि आगामी समीक्षा बैठक में उनके परिणामों का मूल्यांकन किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल अस्पतालों की इमारतों को आधुनिक बनाना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जन-केंद्रित, सुलभ और पूर्णतः विश्वसनीय बनाना है।

कई अस्पतालों में वर्षों पुरानी मशीनें आज लायी जा रहीं काम में : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने बताया कि कई अस्पतालों में वर्षों पुरानी मशीनें आज भी काम में ली जा रही हैं, जो तकनीकी रूप से निष्प्रभावी हो चुकी हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंता का विषय है। अब सरकार पीपीपी मॉडल (पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप) और सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) योगदान के माध्यम से भी एमआरआइ, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे सहित अनेक अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था कर रही है, जिससे मरीजों को तुरंत और गुणवत्तापूर्ण जांच-सुविधाएं मिल सकें।

'किसी भी अस्पताल में वेंटिलेटर की नहीं है कमी'

मुख्यमंत्री ने कहा कि मांग के आधार पर मुख्यमंत्री विकास फंड के जरिए भी अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली के किसी भी सरकारी अस्पताल में वेंटिलेटर की कोई कमी नहीं है। सभी अस्पतालों में जितने वेंटिलेटर बेड हैं, वे 100 प्रतिशत कार्यशील हैं। कोविड काल में जो अतिरिक्त वेंटिलेटर प्राप्त हुए थे, वे भी अस्पतालों में उपलब्ध हैं, जिससे आपात स्थिति में अतिरिक्त सहूलियत बनी हुई है।

सीएम ने 11 कोरोना योद्धाओं के परिजनों को सौंपी सहायता राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ यह केवल चेक नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और समर्पण के प्रति दिल्ली सरकार की कृतज्ञता का है प्रतीक : रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में एक सादे कार्यक्रम में कोरोना महामारी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जीवन गंवाने वाले 11 सरकारी कर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी गहरी कृतज्ञता और विनम्र श्रद्धांजलि है।

इन कर्मवीरों का साहस और निस्वार्थ सेवा सदा हमारे दिलों में अमर रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्य, करुणा और समर्पण की प्रेरणा देती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी व्यक्ति की जान का मूल्य कोई सरकार नहीं चुका सकती, लेकिन सरकार का कर्तव्य है कि ऐसे परिवारों को हर संभव सहायता मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिल्ली सरकार के लिए गर्व की बात है कि कोविड काल में अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा दिखाने वाले इन कर्मवीरों के परिवारों को अब सम्मानपूर्वक उनका हक मिला है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह भी उपस्थित थेमुख्यमंत्री ने कहा कि जब पूरा देश महामारी के भय और अनिश्चितता से जूझ रहा था, तब सरकार के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मियों, शिक्षकों और अग्रिम पंक्ति के अन्य कर्मचारियों ने अपने जीवन को जोखिम में डालकर जनता की सेवा की। इन कर्मवीरों ने न केवल अपने कर्तव्य को निभाया, बल्कि मानवता और समर्पण की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इन कर्मवीरों के योगदान को सदा सम्मानपूर्वक याद रखेगी।

एमटीएस हड़ताली कर्मियों ने सीएम से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के जन स्वास्थ्य विभाग के डीबीसी/सीएफडब्ल्यु (एमटीएस) कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शनिवार को 13वें दिन भी लगातार जारी रही। इसी बीच शनिवार को यूनियन पदाधिकारियों ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यूनियन पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर इस मसले का जल्द से जल्द समाधान निकालेंगी। मलेरिया एकता कर्मचारी यूनियन (रजि) के महासचिव देवानंद शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात से कर्मियों में नई उम्मीद जगी है कि उनकी लंबित मांगों पर अब सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। बता दें कि 29 सितंबर 2025 से आरंभ हुई यह हड़ताल दिन-रात जारी है, लेकिन निगम प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है।

शिक्षण संस्थानों के लंबित विषयों के समाधान के लिए गठित होगी कोर कमेटी : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सरकार विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लंबित विषयों के समाधान के लिए एक कोर कमेटी गठित करेगी जो समयबद्ध तरीके से समस्याओं का निस्तारण करेगी। यह जानकारी शनिवार को दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू) के 6वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के शिक्षा सचिव, विश्वविद्यालय के चांसलर के साथ-साथ शिक्षक और छात्र भी उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री ने कहा हमारा दायित्व है कि हम डीएसईयू और इसके विद्यार्थियों की पहुंच और प्रभाव को दिल्ली से आगे तक विस्तृत करें। डीएसईयू वास्तव में स्किल इंडिया के विजन का जीवंत मॉडल है जहां शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता एक साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि 'स्किल इंडिया' केवल एक मिशन नहीं बल्कि एक आंदोलन है जो युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को 'स्किल कैपिटल ऑफ इंडिया' बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।सूद ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार युवाओं को केवल डिग्री नहीं बल्कि कौशल, आत्मनिर्भरता से सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। डीएसईयू इसी दृष्टि का परिणाम है जो युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण और उद्यमिता की दिशा में सक्षम बना रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि डीएसईयू ने अल्प समय में अपने पाठ्यक्रमों, उद्योग-साझेदारी और रोजगार उन्मुख शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

अब से हर वर्ष दिल्ली में 12 जनवरी को मनाया जाएगा राष्ट्रीय युवा दिवस

सूद ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) को अब से हर वर्ष दिल्ली में विशेष रूप से मनाया जाएगा। वर्ष 2026 से यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर होगा जिसमें देशभर के विद्यार्थी, नवोन्मेषक और युवा उद्यमी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की शक्ति में बदलने का आंदोलन है। दिल्ली के विद्यार्थी भारत के भविष्य निर्माता बने यही हमारे प्रयासों का लक्ष्य है।

भाजपा सरकार किसानों को बाजार मूल्य के बराबर जमीन का दे मुआवजा : भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को दिल्ली देहात के किसानों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा देने की मांग की है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को प्रैसवार्ता में कहा कि दो साल के लंबे संघर्ष के बाद भी किसानों की जमीन का तय मुआवजा बाजार मूल्य से काफी कम है, जबकि पावर ग्रिड के टावर लगने से जमीन की कीमत आधी से भी कम रह गई है। इसके लिए किसान उचित मुआवजा की मांग कर रहे हैं। लिहाजा सरकार को बाजार मूल्य के बराबर जमीन का मुआवजा देना चाहिए। दूसरी तरफ, भाजपा सरकार ने किसानों की एकता तोड़ने के लिए आपस में सटे गांवों का अलग-अलग मुआवजा तय किया है।

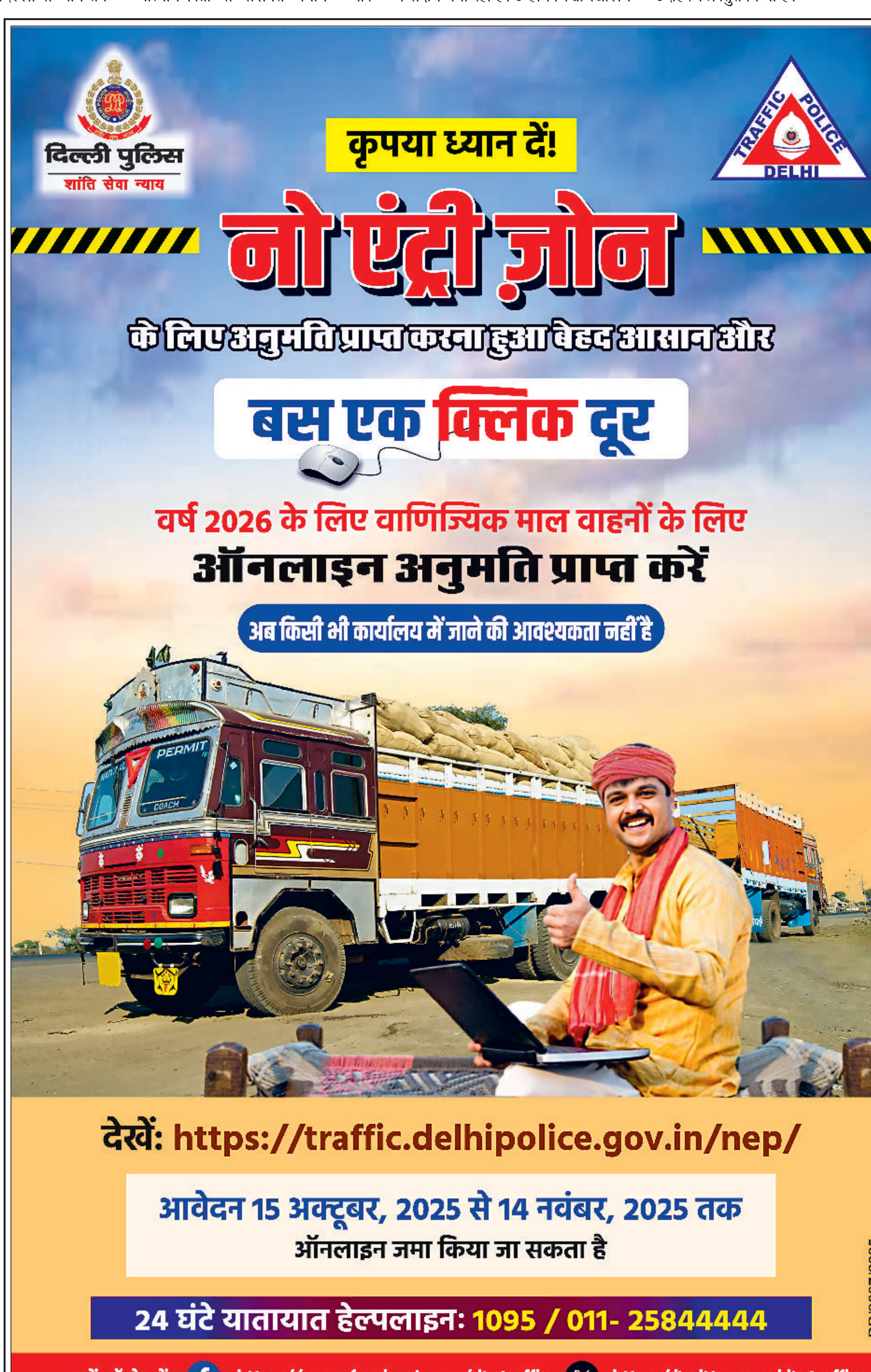

सच्ची दीपावली वही है जब हर घर हो रोशन : महापौर

नई दिल्ली। 'सच्ची दीपावली वही है जब हर घर रोशन हो, हर कर्मचारी मुस्कुराए और हर नागरिक स्वच्छता का दूत बने।' दिल्ली नगर निगम के महापौर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम एवं जल बोर्ड के कर्मियों के लिए आयोजित दीवाली मिलन समारोह के दौरान कर्मियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कर्मियों और अन्य नागरिकों से अपील की कि वे इस बार दीपावली को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित तरीके से मनाएं। पटाखों से परहेज़ करें, पर्यावरण की रक्षा करें और अपने आसपास की सफाई बनाए रखें। महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि कहा कि दीपावली केवल उत्सव नहीं, बल्कि कर्मठ कर्मियों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करने का अवसर है। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज और मोती नगर से विधायक हरीश खुराना भी उपस्थित रहे।

दिल्ली का एक्यूआई बढ़कर पहुंचा 200 पार

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार तीसरे दिन शनिवार को हवा और जहरीली हो गई। दिल्ली का एक्यूआई बढ़कर 200 पार पहुंचाया जो खराब श्रेणी में आता है। अगर ऐसे ही लगातार हवा जहरीली होती रही तो आने वाले दिनों में लोगों को सांस लेना मुश्किल हो जाएगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार शनिवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स खराब श्रेणी यानी की 201 से अधिक दर्ज हुआ, जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। दिल्ली के अधिकतर इलाकों का एक्यूआई 200 का आंकड़ा पार कर चुका है।

खबर संक्षेप

चोरी करने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अनाज मण्डी मोहना से धान चोरी करने के मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि चरण सिंह निवासी अनाज मण्डी मोहना ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 8-9 अक्टूबर की रात को अनाज मंडी से 2-3 व्यक्ति धान की बोरियां चोरी कर चार दीवारी से बाहर डाल रहे थे। शिकायत पर थाना छांयसा में धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामलें में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम थाना छांयसा ने रामपाल व काला निवासी गांव नंगला मोठूका फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

मिक्सर ग्राइंडर खरीदने के नाम पर 75 हजार की ठगी

फरीदाबाद। सेना का जवान बताकर ओएलएक्स पर मिक्सर ग्राइंडर खरीदने के नाम पर 75500 रुपए की ठगी के मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने खाताधारक सहित 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसने अपना मिक्सर ग्राइंडर बेचने के लिए ओएलएक्स पर डाला था। एक अंजान नंबर से उसको फोन किया फोन पर आर्मी पोर्टल से 10 रुपए क्रेडिट होने का मेसेज आया जिसको क्लिक करते ही खाते से 10 रुपए कट गए। सेना के जवान के खाते में 75500 रुपए ट्रांसफर कर दिए।

चोरी करने के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा चोरों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी कड़ी में छांयसा थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्टार वायर कंपनी से कॉपर का सामान चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को थाना छांयसा की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मुखत्यार सिंह निवासी दादरी ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह स्टार वायर कंपनी फरीदाबाद में सिक्योरीटी ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। उनकी कंपनी से प्रकाश नाम के व्यक्ति ने 10 से 12 कॉपर बुश बार चोरी कर लिए।

एआई के युग में मीडिया की जिम्मेदारी और भी बढ़ीः डॉ. कौशिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आयोजित चौथा राष्ट्रीय मीडिया संवाद कार्यक्रम उत्साह, ऊर्जा और वैचारिक समृद्धि के साथ सम्पन्न हुआ। यह दो दिवसीय शैक्षणिक आयोजन एआई के युग में गलत सूचना और दुष्प्रचार की चुनौतियां विषय पर पर केंद्रित रहा। जिसमें देशभर से आए वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल युग में तेजी से फैल रही फेक न्यूज़, दुष्प्रचार और उसके समाज, लोकतंत्र तथा पत्रकारिता पर पड़ने वाले प्रभावों पर गंभीर चर्चा करना रहा। समापन सत्र को यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. संजय कौशिक, दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य, वरिष्ठ पत्रकार शालिनी कपूर, धर्मेंद्र सिंह, कुलसचिव डॉ. संजय अरोड़ा, प्रसार भारती के पूर्व सीईओ, शशि शेखर, ने संबोधित किया। यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. संजय कौशिक ने कहा कि एआई के दौर में मीडिया की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है। तकनीकी उपकरणों के साथ-साथ नैतिकता, तथ्य-जांच और पारदर्शिता को प्राथमिकता देना समय की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि युवा पीढ़ी को डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल थिंकिंग की शिक्षा देकर ही गलत सूचना और दुष्प्रचार की चुनौती का समाधान किया जा सकता है।

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और ऐसे संवाद कार्यक्रम छात्रों को विचारशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक होते हैं। उन्होंने गुरुग्राम यूनिवर्सिटी द्वारा उठाए गए इस शैक्षणिक पहल की सराहना की, उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने जीवन के अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। वहीं दूसरी और वरिष्ठ पत्रकार शालिनी कपूर, धर्मेंद्र सिंह ने फेक न्यूज़, एआई युग में दुष्प्रचार, पत्रकारिता की नैतिकता, और जनहित में मीडिया की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे।

कृषि विज्ञान केंद्र भूपानी में योजनाओं का केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने ऑनलाइन शुभारंभ देखा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धियांः मंत्री गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तथा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कृषि मंत्रालय ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आज शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री धन-धान्य किसान योजना, दलहन मिशन तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के शुभारंभ कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यह कार्यक्रम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार कृषि विज्ञान केंद्र, गांव भूपानी में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण के साथ हुई। कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं एवं किसानों ने मुख्यातिथि केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का फूल-मालाओं से गर्मजोशीपूर्वक स्वागत किया।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक दर्शन का मूल मंत्र अन्योन्ददय है। प्रधानमंत्री के हर निर्णय के केंद्र में वंचित, गरीब, मजदूर और अन्नदाता किसान रहते हैं। अन्नदाता सुखी भवः उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारे किसान अथक परिश्रम से देश को खाद्य सुरक्षा प्रदान करते हैं और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं किसानों को सम्मानए समृद्धि और नई ताकत प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति की है। लाखों छोटे किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है, जिससे उन्हें बाजारों तक पहुंच आसान हुई है, खेती की लागत घटी है और उनकी आय में वृद्धि हुई है। आज देश अपने अन्नदाताओं पर गर्व करता है।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24000 करोड़ रुपए की बजट राशि से प्रधानमंत्री धन.धान्य कृषि योजना का शुभारंभ किया है। यह योजना 100 आकांक्षी कृषि जिलों के समग्र विकास के लिए छह वर्षों (2025.26 से 2030.31) तक लागू रहेगी। इसका उद्धेश्य उन जिलों को सशक्त बनाना है जहां कृषि उत्पादकता अपेक्षाकृत कम है, फसल योग्य भूमि सीमित है और ऋण वितरण औसत से कम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना केवल किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने और आधुनिक कृषि पद्धतियों के विस्तार की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में किसानों और गांव की महिलाओं ने भाग लिया

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र फरीदाबाद के डॉ. अशोक कुमार देशवाल, डॉ. वर्षा रानी, डॉ विनोद कुमार, डॉ. जग नारायण यादव, नंदकिशोर, रवि, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व पशु व डेयरिंग विभाग के डॉ. सत्येंद्र धनखड़ सहित विभिन्न अधिकारीगण, रविन्दर बांकुरा सरपंच बहादुरपुर, सूरजपाल भूरा, प्रधान सरपंच संगठन, सुभाष अरूआ, सूरज नंबरदार बहादुरपुर, अजय नंबरदार चिरसी, सुभाष अध्यक्ष, सतपाल नरवत, बलजीत सिंह, रणवीर सिंह खेड़ी कला सहित विभिन्न गांव चीरसी, मोहना, बहादुरपुर, अलीपुर, अरूआ, नाचोली, भोपानी गांव से किसानों और गांव की महिलाओं ने भाग लिया।

आत्महत्या के लिए उकसायाः मामले में महिला सहित 2 आरोपी गिरफ्तार, क्राईम ब्रांच की टीम ने की कार्रवाई

फरीदाबाद। आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में क्राईम ब्रांच सैक्टर-48 की टीम ने महिला सहित 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

विगत 3 अक्टूबर की सुबह थाना धौज क्षेत्र के अंतर्गत गांव नेकपुर निवासी एक व्यक्ति ने अपने 3 बच्चों का गला घोट दिया तथा खुद आत्महत्या कर ली, इस घटना में उस व्यक्ति की दो बेटियों की भी मृत्यु हो गई थी। मामले के संबंध में मृतक के भाई ने बताया कि रिश्तेदारों द्वारा प्रताडित करने व झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई थी। जिससे तंग आकर उसके भाई कर्मवीर ने यह कदम उठा लिया। जिस शिकायत पर थाना धौज में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मामले की गंभीरता के मद्देनजर अपराध शाखा सेक्टर 48 को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया, जिस पर अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने एक आरोपी मंजीत निवासी महेंद्रगढ व साली मीनाक्षी (काल्पनिक नाम) निवासी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया लिया है।

पूछताछ में सामने आया कि 26-27 सितंबर को मृतक कर्मवीर के साथ उसकी पत्नी व अन्य ससुराल पक्ष ने झगडा किया था। आरोपी पक्ष मृतक से पैसे ऐंठना चाहता था, जिस पर कर्मवीर को झुठे केस में फंसाकर पैसे ऐंठने के लिए पुलिस को छेड़छाड़ की झूठी शिकायत की।

दोनों आरोपियों को माननीय न्यायलय में पेश कर महिला को जेल भेजा गया है वहीं मंजीत को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

ब्रह्मदत्त ब्लू बेल्स स्कूल में मनाया बुजुर्ग अभिभावक दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-10 स्थित ब्रहमदत्त ब्लू बैल्स पब्लिक स्कूल में शनिवार को बुजुर्ग अभिभावक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्राथमिक विंग प्रभारी मीनाक्षी मल्होत्रा के स्वागत भाषण से हुआ। कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के छात्रों ने दादा-दादी और नाना-नानी के स्वागत के लिए कविता पाठ, नृत्य-नाटक, हास्य-योग, नृत्य गतिविधि, मनोरंजक खेलों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बच्चों की प्रेम भावना व स्नेह को देखकर दादा-दादी और नाना-नानी के हृदय से आशीर्वाद, मन में खुशी, चेहरे पर उत्साह झलक उठा। इस अवसर पर दादा-दादी ने भी कई मजेदार खेलों एवं गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान उनका उत्साह सराहनीय रहा। अपने प्रेरक संदेश में विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाचार्या रूपाली कुदेसिया ने बुजुर्ग अभिभावकों को वृक्ष की जड़ों के समान बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक समाज में बच्चों के अंदर बेहतर मूल्यों के विकास में बुजुर्ग अभिभावकों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। अकेलेपन के कारण मानसिक अवसाद व गलत आदतों में पड़कर बच्चे अपने उद्देश्यों से भटक सकते हैं। ऐसे में, दादा-दादी या नाना-नानी के सानिध्य में बच्चों का उत्तम पोषण संभव है।

कार्यशाला आयोजित कर किया जागरूक

सिविल डिफेंस ने छात्रों को साइबर अपराध के खतरों से अवगत कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

सिविल डिफेंस ने शनिवार को हाइटेक इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग में आयोजित किया गया साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका उद्घाटन चीफ वार्डन ललित जायसवाल व हाइटेक इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग के अध्यक्ष आनंद प्रकाश गोयल,सहायक नागरिक सुरक्षा गुलाम नबी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन करके किया । जिसमें साइबर से होने वाले खतरों को ध्यान में रखते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं वॉलिंटियर्स/ वार्डनों को केस स्टडी के साथ जानकारी प्रदान की गई तथा बचाव के उपाय भी बताए गए। सरकार द्वारा जारी साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल, संचार-साथी पोर्टल सहित अन्य सुविधाओं एवं सेवाओं के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम नागरिक सुरक्षा गाजियाबाद एवं हाइटेक इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ से 366 प्रतिभागियों के द्वारा कार्यशाला में प्रतिभा किया गया। स्टाफ अधिकारी टू चीफ वार्डन (फायर) राजेंद्र कुमार शर्मा, डिवीजनल वार्डन दीपक अग्रवाल सुधीर कुमार डिप्टी डिवीजनल वार्डन संजय गोयल, राजकुमार तोमर, स्टाफ अधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव, नवनीत चौधरी रमन सक्सेना सुनील कुमार गोयल घटना नियंत्रण अधिकारी संजय शर्मा उमेश बाबू गुप्ता दिव्यांशु सिंगल पोस्ट वार्डन आरक्षित, अनिल सांवरिया आदि बड़ी संख्या में वार्डन उपस्थित रहे।

ठेकेदारों को गुणवत्ता पर ध्यान रखने की चेतावनी दी

अधिकारियों ने इंदिरापुरम की सफाई व्यवस्था व निर्माण कार्यों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक व जीडीए अधिकारियों ने शनिवार को इंदिरापुरम की सफाई व्यवस्था व निर्माण कार्यों का लिया जायजा लिया। इस दौरान नगर आयुक्त ने निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर पार्षद संजय सिंह वार्ड संख्या 100, पार्षद धीरज अग्रवाल वार्ड संख्या 81 भी उपस्थित रहे। साथ ही मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने नाला निर्माण के कार्यों की जानकारी मौके पर दी, कैलाश मानसरोवर रोड, सीआईएसफ रोड, नीति खंड एक में दो मार्ग, विधायक कॉलोनी अहिंसा खंड व अन्य क्षेत्र में चल रहे नाला निर्माण की जानकारी दी गई। नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ ठेकेदारों को भी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की चेतावनी दी, तथा समय सीमा का भी ध्यान रखने के लिए कहा। उन्होंने इंदिरापुरम क्षेत्र वासियों से भी चल रहे निर्माण कार्यों में सहयोग की अपील भी नगर आयुक्त ने मौके पर की गई।

खाताधारक सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

ऊंचे ब्याज पर पैसे निवेश के नाम पर 19 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ऊंचे ब्याज पर टेलीग्राम ग्रुप में पैसे निवेश करने के नाम पर 195000 रुपए की ठगी करने में खाताधारक सहित 3 आरोपियों को साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर 15 निवासी एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पास टेलीग्राम ग्रुप पर एक लिंक आया जिस पर क्लिक करते ही वह एक टेलीग्राम गुरप में जुड गई, जहां हाई इंटरेस्ट रेट पर निवेश कर मोटा मुनाफा दिया जाता था। जिस पर उसने अलग-अलग ट्रॉजेक्सन के जरिए कुल 1,95,000 रुपए निवेश किए। जिसके बाद उसे कोई पैसा वापस नहीं मिला।

जिस शिकायत पर साइबर थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने साहिल, अभिषेक व कार्तिक निवासी दुर्गा कालोनी हिसार को गिरफ्तार किया है।

ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व विधायक नीरज शर्मा सहित कई नेता उपस्थित थे

मुख्य न्यायाधीश गवई एवं आईपीएस वाई पूरन कुमार मामले पर

फरीदाबाद कांग्रेसियों द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाल ही में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई के साथ हुई असंवैधानिक घटना और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की संदिग्ध आत्महत्या के संदर्भ में जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

अध्यक्षता सुंदर सिंह नेता जी चेयरमैन एससी विभाग द्वारा की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि जस्टिस गवई के साथ अनुचित व्यवहार किया गया और पूरन कुमार ने इस दबाव में आत्महत्या की, जो समाज के लिए गहरा चिंता का विषय है।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक नीरज शर्मा, तिगांव कांग्रेस पूर्व प्रत्याशी रोहित नागर, शील रिंकू चंदीला, प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़ एवं प्रदेश प्रवक्ता नितिन सिंगला, हरियाणा विचार विभाग के चेयरमैन विनोद कौशिक, शालिनी चोपड़ा, बिजेंद्र मावी, विकास फागना, गौरव धींगरा, बंटी चौधरी, विजय पाल, राजकुमार, सुखबीर नंबरदार, अजय कुमार, विजय कुमार, सतीश, नरेंद्र, लखन, कमरुद्दीन, सूरज गिरी, पंकज कश्यप, युवराज और एडवोकेट विष्णु आदि मौजूद रहे। ज्ञापन

15 अक्टूबर 2025 को आयोजित होगी, स्कूल कॉलेज के विद्यार्थी ले सकेंगे भाग

फरीदाबाद में इंटर स्कूल सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 25-26 के सफल आयोजन हेतु ट्रैफिक कार्यालय में बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पुलिस महानिदेशक हरियाणा तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, हाईवे करनाल के आदेशानुसार पुलिस आयुक्त सत्येंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं डीसीपी ट्रैफिक जयवीर राठी के निर्देशन में 11 अक्टूबर 2025 को डीसीपी ट्रैफिक कार्यालय फरीदाबाद में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सुरक्षित यातायात के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करेगी

इस गोष्ठी का आयोजन एसीपी ट्रैफिक शैलेन्द्र सिंह, रोड सेफ्टी सेल इंचार्ज इंस्पेक्टर राजेश तथा डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिस के नोडल अधिकारी सतीश चौधरी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। गोष्ठी में फरीदाबाद पुलिस के अधिकारियों को वर्ष 2025.26 की इंटर स्कूल सडक सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। यह प्रतियोगिता 15 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी, जिसमें तीसरी से पांचवीं, छठी से आठवीं, नवीं से बारहवीं कक्षा तथा कॉलेज, शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी भाग लेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा सुरक्षित यातायात नियमों के पालन के प्रति समझ विकसित करना है। यह पहल विद्यार्थियों में न केवल सड़क सुरक्षा के ज्ञान को सुदृढ़ करेगी, बल्कि उन्हें सुरक्षित यातायात के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **चरण सिंह पुत्र मोमराज सिंह पता सी–1/111 सेक्टर–11, राजापुर कांला, रोहिणी, दिल्ली ने सीसी संख्या 868/20 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थानाः भजनपुरा, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **चरण सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **चरण सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी संख्या 868/20 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थाना भजनपुरा, दिल्ली के उक्त चरण सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 73, पाँचवा तल, उ0पू0 जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13552/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **रईस अहमद प्रो. रईस चिकन सप्लायर, पताः** 14A, डी.डी.ए फ्लैट गाजीपुर, दिल्ली **CC No. 14501/19; U/s: 138 NI ACT, पुलिस थानाः शालीमार बाग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रईस अहमद प्रो. रईस चिकन सप्लायर,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रईस अहमद प्रो. रईस चिकन सप्लायर,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **रईस अहमद प्रो. रईस चिकन सप्लायर, CC No. 14501/19; U/s: 138 NI ACT, पुलिस थानाः शालीमार बाग, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.11.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
गौरव कटारिया
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07
उत्तर–पश्चिम कोर्ट नं. 208, द्वितीय तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/13685/NW/2025
(Court Matter)

सियासत अपनी जगह, आदर-संस्कार अपनी जगह

■ पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु गाड़ी से उतरकर दादा गौतम से कुछ इस तरह मिले

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

कहते हैं- सियासत अपनी जगह बुजुर्गों का मान सम्मान अपनी जगह..। कुछ इसी तरह का नजारा था शनिवार को पंचकूला भाजपा मुख्यालय पंचकमल के मुख्य दरवाजे के पास देखने को मिला। प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु पार्टी की अहम बैठक में शामिल होने के लिए पंचकूला पहुंचे थे। पूर्व वित्तमंत्री मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा भाजपा मामलों के प्रभारी सतीश पूनिया सहित अन्य अहम नेताओं के साथ में बैठक के बाद जैसे ही बाहर की तरफ निकलकर गाड़ी में बैठे, तो रामकुमार गौतम विधायक पहुंचे। अचानक ही दृश्य बदला और पूर्व वित्त मंत्री वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु ने गाड़ी से उतरकर अपने अंदाज में दादा गौतम का अभिवादन किया, तो दादा गौतम ने भी उन्हें गले से लगा लिया। काफी देर तक हास्य विनोद के बाद में पूर्व वित्तमंत्री अपने व्यस्त कार्यक्रमों के कारण दिल्ली के लिए रवाना हुए।

रामकुमार गौतम और पूर्व वित्तमंत्री कई बार आमने-सामने चुनाव लड़ चुके

यहां पर बता दे कि रामकुमार गौतम और पूर्व वित्तमंत्री कई बार आमने-सामने चुनाव लड़ चुके हैं। सियासत भले ही आमने-सामने की रही हो लेकिन कैप्टन अभिमन्यु ने अपने संस्कार और अंदाज नहीं बदला। यही कारण है कि इन दिनों दादा गौतम भी कप्तान के मुरीद है। सार्वजनिक तौर पर भी वे स्वीकार कर लेते हैं, कि कप्तान साहब ने नारनौंद में जमकर विकास का काम कराया था, जितना वे खुद नहीं करा सके। उनसे गलती हुई थी, अब दादा गौतम कप्तान साहब की तारीफ करते हुए नहीं थकते, लेकिन कप्तान साहब भी निश्चिंत होकर गाना गाते हुए आगे बढ़ लिए बोले-सब कुछ सीखा हमने ना सीखी होशियारी...

योगी ने किया 49वें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले का उद्घाटन, पराली जलाने पर जुर्माना लगाने का निर्देश

सीएम ने शनिवार को भदोही में 49वें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले और चौथे कारपेट एक्सपो का शुभारंभ किया। उधर, पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पराली जलाने की घटनाओं को शून्य किया जाए।

एजेंसी ▶▶ भदोही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब चुनौतियां आती हैं तो वे अपने साथ अवसर भी लाती हैं। जब एक देश टैरिफ लगाएगा तो हम 10 नए देशों के लिए अपने रास्ते खोलेंगे। यही आत्मनिर्भर भारत की भावना है। हम यूएई, यूके और अन्य देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आने वाले समय में ये समझौते हमारे उद्योगों के लिए नए बाजार खोलेंगे। सरकार ने इस विषय पर हाई लेवल कमेटी का गठन किया है जो टैरिफ से उत्पन्न स्थिति पर लगातार काम कर रही है। हमारा लक्ष्य केवल उद्योग को बचाना नहीं, बल्कि इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है।

वर्ष 2025-26 में पराली जलाने की घटनाओं को 'शून्य' किया जाने के निर्देश

उधर उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पराली जलाने की घटनाओं को 'शून्य' किया जाए। इस संबंध में शासनादेश के तहत विस्तृत दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और जनस्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। इसलिए किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। सभी जिलाधिकारियों से अपेक्षा की गई है वो सेटेलाइट के माध्यम से पराली जलाने की घटनाओं की लगातार निगरानी करें और संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

खबर संक्षेप

रांची में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम से नोंकझोंक

रांची। यहां अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के साथ लोगों की नोंकझोंक हो गई। इस दौरान कई महिलाएं सड़क पर लेटकर टीम का विरोध करने लगी। खबर लिखे जाने तक रांची नगर निगम की टीम मौके पर मौजूद थी। झारखंड में रांची नगर निगम की ओर से शनिवार को रातू रोड के मधुकम रुगड़ीगढ़ा में सरकारी आवास पर अवैध कब्जा को हटाने गई टीम के साथ लोगों की नोंकझोंक हुई। इस क्रम में मकान पर कब्जा किए लोगों ने हल्ला हंगामा किया और मुख्य प्रवेश द्वार को बंद कर सड़क पर लेट गए।

जाति आधारित रैली हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने नाराजगी जताई कि पूर्व आदेश के बावजूद राज्य

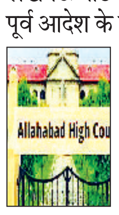

सरकार ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि अगर राजनीतिक दल जाति आधारित रैली आयोजित करता है तो वह क्या करेगी। अगली सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान नाराजगी प्रकट की।

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक-17 की सोनीपत रैली को लेकर चर्चा

पीएम मोदी की जन विकास-जन विश्वास रैली की रूपरेखा तैयार

सीएम बोले- एक वर्ष में भाजपा सरकार ने 48 संकल्पों को पूरा किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 17 अक्टूबर को सोनीपत में होने वाली जन विकास-जन विश्वास रैली की तैयारियों को लेकर शनिवार को पंचकूला में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा ने मंथन किया। पीएम मोदी की रैली को ऐतिहासिक बनाने की रूपरेखा तैयार की गई। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कार्यकारिणी की बैठक में सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियां गिनवाई। वहीं प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कार्यकर्ताओं से नायब सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने की बात कही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर रैली का न्योता देने के लिए कहा। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहै।

11 वर्षों में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने जनहित में बड़े-बड़े निर्णय लेकर जनसेवा की

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि 17 अक्टूबर को सोनीपत में होने वाली प्रधानमंत्री की जन विकास-जन विश्वास रैली भव्य और ऐतिहासिक होगी। हमारे 11 वर्ष गौरवशाली वर्ष है। 11 वर्षों में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने जनहित में बड़े-बड़े निर्णय लेकर जनसेवा की है। नायब सैनी ने कहा कि एक बार भाजपा, बार-बार भाजपा के नारे को हम बोलते थे उसे हरियाणा की जनता ने चरितार्थ करके दिखाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुए कहा कि पीएम मोदी की रैली भव्य बनाने के लिए अभी से जुट जाएं।

जापान से बड़ा निवेश हरियाणा आ रहा

अपने जापान विजिट के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा में जापान से बड़ा निवेश आ रहा है। जापान में मिलने वाले हर व्यक्ति व नेता ने लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की। पीएम मोदी के नाम का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। उन्होंने कहा कि जापान से कई एमओयू साइन हुए हैं। मल्टीनेशनल कंपनियां हरियाणा में आ रही है।

सेवा पखवाड़ा में कार्यकर्ताओं को अच्छा काम किया

पीएम मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में हरियाणा में चलाए गए सेवा पखवाड़ा के दौरान कार्यकर्ताओं ने अच्छा काम किया है। सरकारी विभागों ने भी अपने कार्यक्रमों को धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान अलग-अलग उद्घाटन और शिलान्यास भी हुए। सेवा पखवाड़ा के दौरान लोगों तक सेवाएं और सुविधाएं पहुंची है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस बार भारी बरसात के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बनी, लेकिन मुसीबत की इस घडी में हमारे मंत्री, विधायक और तमाम कार्यकर्ता लोगों के साथ खड़े रहे। श्री सैनी ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रभावित लोगों को मुआवजा देने का काम किया है। फसलों के खराबें का पैसा भी किसानों तक पहुंचाने की तैयारी कर ली गई है। सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए सरकार ने लगभग 4500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इससे पहले बैठक में सबसे पहले आईपीएस अधिकारी वाई पूरन सिंह के निधन पर शोक जताया गया और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

नीतीश कुमार का साथ देने आया 'पुराना दोस्त'

लालू के 'भूमिहार बिग्रेड' को टक्कर देंगे डॉ. अरुण कुमार

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव के बीच सीएम नीतीश कुमार की ताकत में बढ़ोतरी हुई है। लंबे समय के बाद उनके पुराने साथी एक बार फिर से उनकी पार्टी जदयू में शामिल हो गए। दरअसल जहानाबाद के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ नेता डॉ अरुण कुमार ने आज अपने बेटे ऋतुराज कुमार सहित कई समर्थकों के साथ जदयू परिवार में घर-वापसी की। डॉ. अरुण कुमार को जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह तथा राज्यसभा सांसद संजय झा ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। ऐसा माना जा रहा है कि ऋतुराज घोसी सीट से जेडीयू के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं।

पटना में ली पार्टी की सदस्यता

प्रदेश कार्यालय, पटना में पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह माननीय राज्यसभा सांसद संजय झा ने उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। इस दौरान सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से कलेन्द्र राम, जगनारायण पासवान (मुखिया) एवं सत्येंद्र पासवान, वासुदेव कुशवाहा सहित सैकड़ों समर्थक शामिल रहे।

भूमिहार बिग्रेड का काट

मालूम हो कि डॉ. अरुण कुमार की गिनती बिहार के बड़े भूमिहार नेताओं में होती है। ऐसे में पहले चरण के नामांकन के दौरान अरुण कुमार की वापसी बताती है कि नीतीश कुमार राजद के छलके भूमिहार प्रेम का काट निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता हैं।

पेज एक का शेष

चीन ने रेयर....

क्योंकि उससे ठीक पहले दोनों देश रेयर अर्थ मिनरल्स और टैरिफ को लेकर आपस में उलझ गए हैं। भारत के संदर्भ में टैरिफ को देखें तो अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से जारी तेल खरीद पर नाराजगी के चलते भारत पर सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। जिसका भारत ने साफ शब्दों में विरोध करते हुए उसे पूरी तरह से अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है। साथ ही नई दिल्ली ने ये भी कहा है कि ऐसे समय में जब अमेरिका स्वयं रूस के साथ व्यापार जारी रखे हुए है तो फिर भारत से उसे कैसी नाराजगी? प्रधानमंत्री मोदी का भी कहना है कि भारत की सरकार अपने देश के घरेलू ऊर्जा हितों की पूर्ति के लिए चल रही तेल की खरीद प्रक्रिया को जस का तस बनाए रखेगी।

चीन ने भारत....

अपने इसी दबदबे के बीच चीन ने हाल ही में इन मिनरल्स से जुड़े निर्यात नियमों में 1 नवंबर से सख्ती लागू की है। जिसके बाद चीन की कोई भी कंपनी बिना सरकार की अनुमति के किसी विदेशी कंपनी के साथ रेयर अर्थ मिनरल्स को लेकर कोई काम नहीं कर सकती है। जिनपिंग सरकार का निर्णय ये भी कहता है कि उपकरणों को जोड़ना, रखरखाव, मरम्मत और अपग्रेडिंग के लिए बिना सरकारी मंजूरी के निर्यात संभव नहीं होगा। ड्रैगन ने अपने इस फैसले के पीछे हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भारत से भी चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के मामले में लिखित गारंटी मांगी है। जिसका आधार ये रखा गया है कि नई दिल्ली चीन से ऐसा कोई उत्पाद या तत्व लेने के बाद उसे आगे अमेरिका को नहीं भेजेगा। मौजूदा साल की शुरुआत में चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स से जुड़ी हुई कई चीजों को निर्यात नियंत्रण सूची में शामिल किया था। जिसके बाद इनकी वैश्विक आपूर्ति में जटिलता आई थी।

ट्रंप के 100%....

चीन की सालों पुरानी योजना का हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हमने ऐसा कभी नहीं देखा है। जिसमें कोई देश नैतिकता में गिरावट लेकर बाकी के साथ व्यवहार कर रहा है। यहां ध्यान देने वाली बात ये भी है कि मामले में चीन ने केवल अमेरिका का उल्लेख किया है। बाकी देशों का नहीं। जिसे देखते हुए अमेरिका ने भी 1 नवंबर से चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है। जो कि वर्तमान में चीन पर लगाए गए किसी भी अन्य टैरिफ के ऊपर होगा। साथ ही 1 नवंबर से अमेरिका चीन से आने वाले किसी भी और सभी जटिल सॉफ्टवेयर पर निर्यात नियंत्रण लागू करेगा। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि चीन ने ऐसा कोई निर्णय लिया है। लेकिन उन्होंने ऐसा किया है। बाकी सब इतिहास है।

अमेरिका के मनोनीत ....

पोस्ट में यह जानकारी देते हुए बताया कि आज (11 अक्टूबर) राजधानी में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमारी बातचीत के दौरान नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी के संबंधों और इनके वैश्विक महत्व को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मैंने गोर को भारत में उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

एक पखवाड़े बाद हुई मुलाकात: गौरतलब है कि अपनी साप्ताहिक यात्रा के तहत सर्जियो गोर बीते गुरुवार को भारत पहुंचे थे। जिसका समापन 14 अक्टूबर को होगा। सीनेट ने हाल ही में भारतीय राजदूत के रूप में उनके नामांकन को मंजूरी प्रदान की थी। अमेरिकी संसद के उच्च-सदन की विदेश मामलों की समिति के समक्ष उन्होंने कहा था कि भारत, अमेरिका का एक सामरिक भागीदार है। जिसकी गतिशीलता क्षेत्र को आकार देगी। भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमता क्षेत्रीय स्थिरता की आधारशिला भी बनेगी। यहां जटिल भाग समृद्धि को बढ़ावा देना है। जिससे दोनों देशों को अपने साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने गोर की इस यात्रा के बारे में कहा था कि वो नई दिल्ली में वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात करेंगे। करीब 15 दिन बाद दोनों की यह दूसरी मुलाकात हुई है। इससे पहले जयशंकर और गोर पिछले महीने 24 सितंबर को अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र से इतर भी मिले थे।

गोर से मिले विदेश सचिव मिस्री: विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। दोनों के बीच भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और उसकी साझा प्राथमिकताओं पर उपयोगी चर्चा हुई। मिस्री ने मनोनीत राजदूत गोर को उनके कार्यभार संभालने की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति को सौंपेंगे....

स्वीकार करने के साथ ही उनकी नियुक्ति को औपचारिक रूप से स्वीकृति मिल जाती है।

पीएम मोदी ने ....

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी भी प्रधानमंत्री के साथ मंच पर उपस्थित रहे। उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की जयंती पर उनका स्मरण भी किया गया।

सोच-समझकर किया .....

इस योजना के लिए 100 जिलों का चयन बहुत सोच-समझकर किया गया है।

भावी पीढ़ी को .....

दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। लेकिन साथियों, हमें आटे और चावल से भी आगे बढ़कर सोचना ही होगा, हम अपने घर में भी आटे और चावल से गुजारा नहीं करते, और भी चीजें जरूरत पड़ती है। आटा-चावल से भूख तो मिट सकती है, लेकिन पर्याप्त पोषण के लिए हमें और चीजों की जरूरत होती है, उसके लिए हमें योजना करनी होती है। आज भारत को, और खासकर के जो वेजिटेरियन आदि प्रकृति के लोग हैं, उनके पोषण के लिए प्रोटीन बहुत महत्वपूर्ण है।

पहले की सरकारों ....

को लेकर कोई विजन ही नहीं था, कोई सोच ही नहीं थी। खेती से जुड़े अलग-अलग सरकारी विभाग भी अपने-अपने तरीके से काम करते थे और इस वजह से भारत की कृषि व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही थी। इसकी शुरूआत हुई 2014 के बाद से, हमने खेती को लेकर पुरानी सरकारों के लापरवाह रवैये को बदल दिया, हमने आप सभी किसानों के लिए उनकी हित में, बीज से लेकर बाजार तक अनगिनत रिफार्म किए, सुधार किए।

विदेश मंत्रालय ने...

चलें कि आमिर खान मुत्ताकी 9 से 16 अक्टूबर तक भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर हैं। अफगानिस्तान के दूतावास द्वारा आयोजित की गई प्रेस वार्ता में कुल करीब 20 पुरुष पत्रकारों को ही बुलाया गया था। मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने उन्हें हाल ही में मंजूरी प्रदान की थी। वर्ष 2021 में काबुल की सत्ता पर तालिबान के शासन के काबिज होने के बाद ये पहला मौका है। जब कोई वरिष्ठ अफगानी मंत्री भारत की यात्रा पर है।

ये हैं विपक्षी ....

दी? और हमारे कमजोर, बिना रीढ़ वाले पुरुष पत्रकार कमरे में क्यों रुके रहे? इसके अलावा शिवसेना (उद्धव गुट) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी एक्स पोस्ट में एक प्रमुख दैनिक अंग्रेजी अखबार का एक लेख साझा करते हुए अफगानी मंत्री की प्रेस वार्ता के आयोजन पर सवाल उठाए।

महिला पत्रकारों ने ....

की मुद्रा में उनसे तमाम मुद्दों पर खुलकर बातचीत की है। लेकिन अफगानिस्तान द्वारा ऐसा किया जाना किसी लिहाज से उचित नहीं है। कुछ ने इस प्रेस वार्ता के आयोजन के लिए दी गई मंजूरी पर सवालिया निशान खड़े किए। जिसे हालांकि विदेश मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण के साथ खारिज कर दिया है। करीब दो से तीन महिला पत्रकारों ने प्रेस वार्ता में स्वतः भाग लेने के लिए अफगानिस्तान के दूतावास के गेट से अंदर जाने की अनुमति न मिलने की बात भी कही है।

भारत की चार...

सांस्कृतिक प्रतिनिधियों का एक व्यापक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा।

पीएम, उपराष्ट्रपति से ...

जाएगी। इसके अलावा वह उप राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री से भी मुलाकात कर सकते हैं. भारत- मंगोलिया के बीच 1955 से राजनयिक संबंध हैं।

आज से भारत...

जानकारी दी है। जिसमें बताया कि अपनी भारत यात्रा के तहत 12 अक्टूबर की रात करीब सवा आठ बजे कनाडा की विदेश मंत्री राष्ट्रीय राजधानी पहुंचेंगी। जिसके ठीक अगले दिन 13 तारीख को उनकी हैदराबाद हाउस में सवा बारह बजे विदेश मंत्री जयशंकर के साथ एक बैठक होगी। फिर दोपहर करीब तीन बजे अनीता आनंद केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ वाणिज्य भवन में वार्ता करेंगी। दोनों उच्च-स्तरीय बैठकों में मुख्य रूप से भारत-कनाडा के द्विपक्षीय संबंधों, रणनीतिक सहयोग (व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा) के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है।

भारत से है...

वह रक्षा मंत्री के साथ ही कई अन्य पदों पर अहम जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। कनाडा की राजनीति में एक दौर ऐसा भी आया कि जब अनीता को पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह पर कमान संभालने वाली नेता के रूप में भी देखा जा रहा था। लेकिन परिस्थितियों ने यूं करवट ली कि वो कनाडा की प्रधानमंत्री बनते-बनते चूक गईं। लेकिन फिर उन्हें विदेश मंत्री की अहम जिम्मेदारी मिली। जिसका वह बखूबी निर्वहन कर रही हैं।

मुंबई जाएंगी कनाडा ...

के प्रमुखों से मुलाकात करेंगी। फिलहाल अनीता आनंद तीन देशों भारत, चीन और सिंगापुर की यात्रा पर हैं। जिसका पहला पड़ाव भारत है। यहां बता दें कि बीते दिनों भारत की जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई के गैंग को कनाडा सरकार द्वारा आतंकी संगठन घोषित किए जाने के बाद हो रही किसी कनाडाई मंत्री की ये पहली भारत यात्रा है। पूर्व में हालांकि दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) के बीच भी देश में मुलाकात हो चुकी है। कनाडा के बयान के मुताबिक, अनीता आनंद का ये दौरा एक ऐसे समय में हो रहा है। जब दोनों देश व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा जैसे मामलों पर अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए रूपरेखा तय करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

एमबीबीएस परीक्षा घोटाले में प्रशासनिक कार्रवाई की मांग

डीएमए ने रोहतक डीसी को सौंपा मुख्यमंत्री ने नाम ज्ञापन

चंडीगढ़। डेमोक्रेटिक मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने यूएचएस विश्वविद्यालय से संबंधित हालिया एमबीबीएस परीक्षा घोटाले पर गहरी चिंता व्यक्त की है।इसके लिए डीएमए के प्रतिनिधित्व ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अमित व्यास की अध्यक्षता में जिला उपायुक्त रोहतक और परीक्षा नियंत्रक(यूएचएस रोहतक) को ज्ञापन सौंपा।

■ **एमबीबीएस परीक्षा घोटाले के आरोपितो पर कड़ी कार्रवाई की जाए : डॉ व्यास**

ये ज्ञापन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम सौंपा गया। राष्ट्रीय आरटीआई सेल हेड दीपक राठी, मेडिकल स्टूडेंट्स सचिव तरुण एवं सन्नी ने बताया कि यह मामला न केवल चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है, बल्कि ईमानदारी से अध्ययन करने वाले हजारों छात्रों के भविष्य को भी प्रभावित कर रहा है। डीएमए के अनुसार, मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि परीक्षा के प्रश्नपत्र परीक्षा से पूर्व कुछ छात्रों तक पहुँचे और उत्तर पुस्तिकाओं को हरियाणा तक पहुँचाने में अवैध रूप से धन का लेनदेन हुआ। यह घटना परीक्षा प्रक्रिया की गरिमा को ठेस पहुँचाने के साथ-साथ शिक्षा तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार की गंभीरता को दर्शाती है। उन्होंने मांग कि की एफआईआर दर्ज होने के बाद सम्मिलित छात्रों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अब तक की गई अनुशासनात्मक और प्रशासनिक कार्यवाही की सार्वजनिक जानकारी दी जाए।

शव उठाने गई पुलिस से धक्का-मुक्की एएसपी की गाड़ी में तोड़फोड़ का प्रयास

एजेंसी ▶▶ बागपत

यूपी के बागपत में मस्जिद में मौलाना की पत्नी और दो मासूम की हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया। मस्जिद के अंदर लहूलुहान शव मिलने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने हंगाम शुरू कर दिया। शव लेने पहुंची पुलिस को ग्रामीणों के गुस्से का सामना भी करना पड़ गया। गुस्साए लोगों ने मस्जिद का गेट खोलने से इनकार कर दिया। पुलिस ने जबरदस्ती मस्जिद का गेट खुलवाया तो नाराज लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। इधर घटना की सूचना पर पहुंची एएसपी की गाड़ी का ग्रामीणों ने घेराव कर लिया। गाड़ी में तोड़फोड़ का प्रयास किया गया। हालांकि बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।बागपत के गांगनोली गांव की मस्जिद में मौलाना इब्राहिम की पत्नी और दो मासूम बेटियों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मौलाना इसी मस्जिद में पढ़ाते थे। वह मस्जिद के ऊपर बने कमरे में परिवार के साथ रहते थे। बीवी व बच्चियों की हत्या की जानकारी जब मौलाना को लगी तो शाम सवा पांच बजे मौलाना भागे-भागे मस्जिद पहुंचे।

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

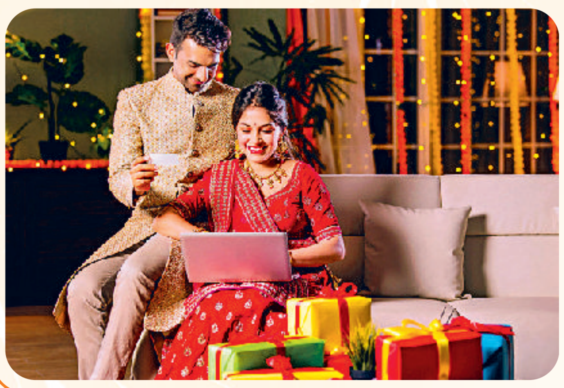

आवरण कथा

शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस में, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेचिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

आज के दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

एक समय तक दीपावली के मौके पर परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों के साथ खेल के तौर पर जुआ खेलने की परंपरा रही। लेकिन हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए गैंबलिंग की लत ने बड़ा सामाजिक-आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। इस बारे में अवेयर रहने की जरूरत है।

भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

अवेयरनेस

एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग: यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग: दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में: पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढ़नी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

गंवा देते हैं हजारों करोड़: हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

कानूनी स्थिति: हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

दूर रहने का लें संकल्प: दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

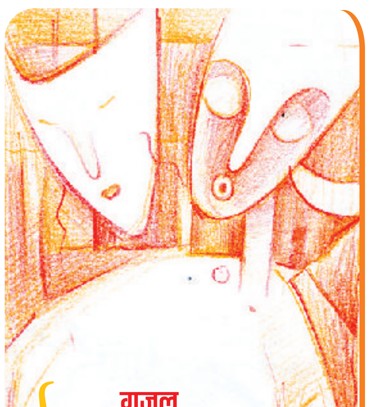

गजल

अब्दुल कलाम

मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सच का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की जद में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखे बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

लघुकथाएं

अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

पुस्तक: जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
लेखक: गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
प्रकाशक: सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

पीएम कीर स्टार्मर बोले

एआई और फिनटेक में ब्रिटिश निवेश से भारत में पैदा होंगी हजारों नौकरियां

ब्रिटेन की फिनटेक कंपनी टाइड भारत में 2026 से पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड का निवेश करेगी और अगले 12 महीनों में 800 पेशेवरों को जोड़कर अपने भारतीय कार्यबल को 2,300 तक बढ़ाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत यात्रा से लौटे ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और फिनटेक के क्षेत्रों में ब्रिटेन के बड़े निवेश से भविष्य में हजारों नौकरियां पैदा होंगी। ब्रिटेन की कई कंपनियों ने एआई और फिनटेक क्षेत्रों में 3.6 अरब पाउंड के निवेश की पुष्टि की है। बता दें, कीर स्टार्मर ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ कई मुद्दों पर विस्तृत बातचीत की थी। साथ ही उन्होंने पीएम मोदी के साथ कई कार्यक्रमों में भी शिरकत की थी। देर शाम वह लंदन के लिए रवाना हुए थे।

कई फिनटेक कंपनियां अगले पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड खर्च करने की योजना बना रही

फाइल फोटो

भारत और ब्रिटेन के बीच समझौते

भारत और ब्रिटेन के बीच टेक्नोलॉजी और इनोवेशन सेक्टर में चार प्रमुख समझौते हुए हैं। शिक्षा क्षेत्र में दो, क्लाइमेट टेक्नोलॉजी स्टार्टअप फंड में एक ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट समझौता हुआ है। इसके अलावा, क्लाइमेट, हेल्थ और रिसर्च सेक्टर में भी तीन महत्वपूर्ण पहलें हुईं, जिनमें बायो-मेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम के फेज-थर्ड का शुभारंभ और ऑफशोर विंड टास्कफोर्स की स्थापना शामिल है। भारत के आईसीएमआर और ब्रिटेन के एनआईएचआर के बीच हेल्थ रिसर्च पर 'लेटर ऑफ इंटेंट' पर हस्ताक्षर शामिल हैं।

व्यापार साझेदारी मजबूत कर रहे

स्टार्मर ने अपनी भारत यात्रा के समापन पर एक बयान में कहा कि हमने भारत के साथ हुए व्यापार सौदे से उत्पन्न अवसरों का पूरा लाभ उठाया है। हमने ब्रिटेन में नए निवेश सुनिश्चित किए हैं और देशभर में 10,600 नई नौकरियां बनाई हैं, जो हमारे सबसे प्रमुख उद्योगों में हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत में ब्रिटिश व्यापार की अपनी साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं।

एफटीए से दोनों देशों को मिलेगा लाभ

पीएम स्टार्मर ने कहा कि भारत यात्रा ने ब्रिटेन को जुलाई में हुए व्यापक व्यापार और आर्थिक समझौते (सीईटीए) से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने में मदद की है। उन्होंने यह भी वादा किया कि वह भारत में ब्रिटिश व्यवसायों के लिए अधिक दरवाजे खोलेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) होने के बाद से दोनों देशों के बीच शुल्कों घटेगें जो व्यापार को तेज, सस्ता और सुगम बनाएंगे।

बेंगलुरु में एक अरब पाउंड तक का निवेश

स्टार्मर ने बताया कि सॉफ्टबैंक ग्रुप का हिस्सा ग्राफकोर बेंगलुरु में एक नई एआई इंजीनियरिंग कैंपस में 1 अरब पाउंड तक का निवेश करेगा। इससे भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग में 500 उच्च-स्किल्ड नौकरियां बनेंगी। ब्रिटेन की फिनटेक कंपनी टाइड भारत में 2026 से पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड का निवेश करेगी और अगले 12 महीनों में 800 पेशेवरों को जोड़कर अपने भारतीय कार्यबल को 2,300 तक बढ़ाएगी।

भारतीय बैंकों के साथ पेमेंट गेटवे सुविधा

रेवोल्ट भारत में अगले पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड खर्च करने की योजना बना रही है। वहीं ब्रिटेन स्थित पेमेंट्स ऑर्केस्ट्रेशन कंपनी पेसेक्योर ने कहा कि उसने भारत में शीर्ष भारतीय बैंकों और पेमेंट गेटवे के साथ एकीकरण के जरिये स्मूथ पेमेंट्स सक्षम कर ब्रिटिश व्यापारों के लिए 370 मिलियन पाउंड के निर्यात को पांच वर्षों में बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

खबर संक्षेप

4 दिन बाद फ्रांस में लेकोर्नू फिर से पीएम

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार शाम सेबेस्टियन लेकोर्नू को फिर से पीएम बनाया। यह उनके इस्तीफे के चार दिन बाद हुआ। एलिसी पैलेस ने बताया कि लेकोर्नू को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। दोबारा नियुक्ति के बाद लेकोर्नू ने सोशल मीडिया पर कहा कि जनता का गुस्सा और राजनीतिक संकट फ्रांस की छवि और फायदे के लिए नुकसानदेह है, इसका समाधान होना चाहिए। फ्रांस का बजट तैयार करने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। लेकोर्नू ने मैक्रों द्वारा नियुक्त किए जाने के एक महीने से भी कम समय में इस्तीफा दे दिया था।

इजराइल का लेबनान पर हमला, 1 की मौत

बेरूत। इजराइल ने शनिवार तड़के दक्षिणी लेबनान पर भीषण हवाई हमले किए, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, सात अन्य घायल हो गए। इन हमलों के चलते बेरूत को दक्षिणी लेबनान से जोड़ने वाला एक राजमार्ग कुछ समय के लिए बाधित हो गया। यह हमला लेबनान के मसायलेह गांव पर शनिवार तड़के किया गया। इन हवाई हमलों में भारी मशीनरी बेचने वाली एक जगह पर हमला किया गया, जिससे बड़ी संख्या में वाहन नष्ट हो गए। मारा गया व्यक्ति एक सीरियाई नागरिक था, जबकि घायलों में एक सीरियाई नागरिक और दो महिलाओं सहित छह लेबनानी शामिल हैं।

दक्षिणी नेपाल में भूस्खलन से 2 की मौत, 6 घायल

काठमांडू। नेपाल के मधेश प्रांत में शनिवार को भूस्खलन में दबकर दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह भूस्खलन सुबह 8:30 बजे बारा जिले के सिमरौनगढ़ नगरपालिका में हुआ। पुलिस ने बताया कि घरेलू कामों के लिए मिट्टी निकालने के लिए तालाब के पास खुदाई के दौरान यह हादसा हुआ। जिसमें 70 वर्षीय एक महिला और 15 वर्षीय एक किशोर भूस्खलन में जिंदा दब गए। इस घटना में छह अन्य लोग घायल हो गए। नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के जवानों की मदद से उन्हें बचाया।

जापान में फ्लू, 4000 से अधिक लोग पीड़ित

टोक्यो। जापान की बड़ी आबादी फ्लू की चपेट में है। देशभर में 4,030 से अधिक लोग इससे पीड़ित हैं। देश भर के लगभग 3,000 अस्पतालों ने कुल 4,030 मरीजों के फ्लू पीड़ित होने की सूचना दी है। ओकिनावा प्रांत में प्रति अस्पताल सबसे ज्यादा मरीजों की सूचना मिली। बच्चों में संक्रमण फैलने के कारण 100 से ज्यादा स्कूल, किंडरगार्टन और चाइल्डकेअर सेंटर बंद कर दिए गए हैं। यह 20 सालों में दूसरा मौका है जब समय से पहले मौसम बदला और लोग इसकी चपेट में आ गए।

अत्यधिक भीड़ के कारण दारुल उलूम से बिना संबोधन लौटे मुत्ताकी, कहा

अफगानिस्तान से कोई आतंकी भारत नहीं आएगा, रिश्ते भविष्य में और मजबूत होंगे

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री मौलाना अमीर खान मुत्ताकी शनिवार को भारत के सबसे प्रतिष्ठित इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद पहुंचे। संस्था प्रशासन ने उनकी अगवानी के लिए 15 प्रमुख उलमा लगाए। मुत्ताकी का काफिला दिल्ली से सुबह साढ़े आठ बजे रवाना हुआ और वे तकरीबन 12 बजे देवबंद पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में कड़े इंतजाम किए हुए थे। मुत्ताकी का स्वागत दारुल उलूम की विशालकाय गोलाकार लाइब्रेरी में किया गया। मौलाना अमीर खान मुत्ताकी अफगानिस्तान में तालिबान शासन के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं।

वर्ष 2021 में सत्ता संभालने के बाद यह उनकी भारत की पहली यात्रा है। वे छह दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं और शुक्रवार को दिल्ली में कई अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। दारुल उलूम देवबंद में उनका स्वागत कार्यक्रम संस्था के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी की देखरेख में तैयार किया गया। मुत्ताकी का काफिला देवबंद पहुंचा। 2 बजकर 30 मिनट पर उन्हें लाइब्रेरी में छात्रों को संबोधित करना था लेकिन अत्यधिक भीड़ के कारण उन्होंने संबोधन का फैसला निरस्त कर दिया और दिल्ली के लिए वापस लौट गए।

नाम के आगे मौलाना और कासमी लिख सकेंगे मुत्ताकी

नए राजनयिक भेजेंगे मुत्ताकी काबुल आने का दिया न्यौता

दिल्ली ने अच्छा स्वागत किया

वहीं, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने शनिवार को कहा कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते भविष्य में और मजबूत होंगे। उन्होंने दारुल उलूम देवबंद में मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए भारत के लोगों का आभार जताया। सहारनपुर पहुंचे मुत्तकी ने कहा कि हम यहां नए राजनयिक भेजेंगे और उम्मीद है कि आप लोग भी काबुल आएंगे। दिल्ली में मुझे जिस तरह का स्वागत मिला, उससे मुझे भरोसा है कि आने वाले समय में भारत-अफगानिस्तान संबंध और घनिष्ठ होंगे।

विदेशी सेना को स्वीकार नहीं करेंगे

अफगानिस्तान के महत्वपूर्ण बगराम एयरबेस को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फिर से अपने अधिकार क्षेत्र में लेने की घोषणा को लेकर आमिर खान मुत्ताकी ने कहा, अफगानिस्तान के लोग विदेशी सेना को कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे। अगर कोई हमारे साथ संबंध रखना चाहता है तो उसे कूटनीतिक मिशन के जरिए ही हमारे पास आना पड़ेगा।

हदीस का सबक पढ़ा और पढ़ाने की इजाजत ली

इस दौरान मुत्तकी ने संस्था के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी से हदीस का सबक पढ़ा और उसे पढ़ाने की इजाजत ली, मोहतमिम ने उन्हें हदीस-ए-सनद दी। हदीस की इजाजत मिलने के बाद अब मुत्तकी के नाम के आगे कासमी जुड़ गया है। जिसके बाद वह अपना पूरा नाम 'मौलाना आमिर खान मुत्ताकी कासमी' लिख सकेंगे।

स्वागत के लिए उमड़ी भीड़

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के दारुल उलूम पहुंचने पर रास्ते में भारी संख्या में मदरसे के छात्रों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया। संस्था में पहुंचने पर भी छात्र उनके स्वागत के लिए उमड़ पड़े। संस्था में पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। वहीं मुत्ताकी के काफिले संग सेल्फी लेने की भी छात्रों में होड़ लगी रही। उनकी झलक पाने के लिए मदरसा छात्रों की भीड़ उमड पड़ी। इसके चलते पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। मदरसा छात्रों को हटाने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

वियतनाम में बोले सीजेआई गवई

कानूनी प्रणाली हर नागरिक के लिए सुलभ हो, यह सुनिश्चित करना वकीलों-जजों की जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ हनोई

चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि वकीलों और जजों की यह जिम्मेदारी है कि वह न्याय व्यवस्था को मजबूत करें और यह सुनिश्चित करें कि कानूनी प्रक्रिया केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के सबसे दूरदराज के हिस्सों में रहने वाले लोगों तक भी पहुंचे। यह बात उन्होंने वियतनाम की राजधानी हनोई में लावासिया सम्मेलन के दौरान कही, जिसका विषय 'विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने में वकीलों और अदालतों की भूमिका' रखा गया था।

सीजेआई ने कहा कि यह जरूरी है कि जज अपने फैसलों में जो सिद्धांत व्यक्त करते हैं, वे अदालत की प्रशासनिक नीतियों में भी दिखाई दें। उन्होंने कहा कि जब मैंने मई में भारत के चीफ जस्टिस का पद संभाला, तो मेरी प्राथमिकता यह थी कि अदालत में प्रशासनिक पदों की भर्ती में सकारात्मक पहल केवल कागज पर ही नहीं, बल्कि व्यवहार में भी लागू हो। मैंने निर्देश दिया कि हाशिए पर पड़े समुदायों को सभी प्रशासनिक नियुक्तियों में उनका उचित हिस्सा दिया जाए और यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से लागू की जाए।

भारत के संविधान में समानता

जस्टिस गवई ने कहा कि गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और भीमराव आंबेडकर का संजोया समानता का सपना 1950 में भारत के संविधान में साकार हुआ, जिससे उन लाखों लोगों की किस्मत बदली, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखा गया था। उन्होंने कहा, मैं एक निम्न जाति में जन्मा था, इसका मतलब यह था कि मैं अब अछूत नहीं हूं। संविधान ने मेरी गरिमा को हर दूसरे नागरिक के बराबर माना। इसने मुझे केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि अवसर, स्वतंत्रता और समाज में पहचान पाने का भी वादा दिया। सीजेआई ने वकीलों से कहा कि वे महिलाओं को सिर्फ इसलिए नौकरी पर रखने में संकोच न करें कि उन्हें मातृत्व अवकाश लेना पड़ सकता है। समय की पाबंदियां हो सकती हैं या प्रतिबद्धता को लेकर गलत धारणाएं हैं। उन्होंने कहा, ऐसे पूर्वाग्रह अनुचित और प्रतिकूल होते हैं। वकीलों की यह जिम्मेदारी है कि वे जिन सिद्धांतों की पैरवी अदालत और सार्वजनिक जीवन में करते हैं, उन्हें अपने कार्यस्थलों और पेशेवर आचरण में भी लागू करें।

सिंधु जल संधि निलंबन के बीच केंद्र का महत्वपूर्ण फैसला

चार दशक से रुकी हुई सावलकोट जलविद्युत परियोजना को मंजूरी, 31380 करोड़ की लागत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर 1,856 मेगावाट की सावलकोट जलविद्युत परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी दे दी है।

चार दशकों से रुकी हुई यह परियोजना चिनाब बेसिन में भारत की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य भारत को 1960 की संधि के तहत पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब से अपने हिस्से का पूरा जल उपयोग करने में सक्षम बनाना है।

चिनाब नदी की भंडारण क्षमता बढ़ाएगी

सावलकोट परियोजना क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बढ़ाने के अलावा, भारत की चिनाब नदी के जल का प्रबंधन और भंडारण करने की क्षमता को भी बढ़ाएगी। इस योजना में जलग्रहण क्षेत्र उपचार, मलबा निपटान, जैव विविधता संरक्षण और वायु, जल, मृदा एवं जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की दीर्घकालिक निगरानी शामिल है।

दो चरणों में बनेगी परियोजना

यह एक नदी-आधारित परियोजना है, जो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के रामबन, रियासी और उधमपुर जिलों में चिनाब नदी के पानी का उपयोग करेगी। इसका निर्माण दो चरणों में (चरण 1 के लिए 6×225 मेगावाट और 1×56 मेगावाट, और चरण 2 के लिए 2×225 मेगावाट) 1,401 हेक्टेयर क्षेत्र में 31,380 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जाएगा। इस परियोजना में 192.5 मीटर ऊँचा कंक्रीट का बाँध, एक अपस्ट्रीम छोटा जलमार्ग, एक भूमिगत बिजलीघर होगा।

एपल के सीओओ जेफ विलियम्स होंगे रिटायर

नई दिल्ली। टेक दिग्गज एपल में इस साल एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन होने जा रहा है। कंपनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) जेफ विलियम्स 2025 के अंत तक रिटायर होंगे। एपल के सर्विसेज हेड एडी क्यू अब कंपनी के हेल्थ और फिटनेस डिविजन की कमान संभालेंगे। उनके नेतृत्व में अब सुंबुल देसाई (हेल्थ) और जे ब्लाहनिक (फिटनेस) की टीमें काम करेंगी। एपल के सॉफ्टवेयर प्रमुख क्रेग फेडेरिघी अब वॉच ओएस की देखरेख भी करेंगे। हार्डवेयर डिवीजन में जॉन टर्नस अब एपल वॉच इंजीनियरिंग टीम के पूरे संचालन के प्रभारी होंगे।

मैक्सिको में भारी बारिश से तबाही, 28 की मौत

मेक्सिको सिटी। मैक्सिको में भारी बारिश ने कहर बपाया हुआ है। मध्य और दक्षिण-पूर्वी मैक्सिको में भयानक बारिश के कारण आई बाढ़ से भूस्खलन हुआ है। जिससे घरों और सड़क मार्ग को नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते कम से कम 28 लोगों की जान चली गई। प्रभावित क्षेत्रों के विभिन्न हिस्सों में वाहन और घर लगभग पूरी तरह से पानी में डूब चुके हैं। लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। मैक्सिको ने लोगों की सहायता के लिए 8700 सैन्य कर्मियों को तैनात किया गया है।

पीएम मोदी ने क्वालकॉम के सीईओ के साथ भारत की प्रगति पर की चर्चा

एआई, सेमीकंडक्टर मिशन और 6जी क्षेत्र में सहयोग करेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिका स्थित चिप दिग्गज क्वालकॉम के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टियानो आर. अमोन से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इनोवेशन और कौशल में भारत की प्रगति पर चर्चा की। पीएम मोदी ने भारत के सेमीकंडक्टर और एआई मिशनों के प्रति क्वालकॉम की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी तकनीकों के निर्माण के लिए खास प्रतिभा और पैमाने प्रदान करता है।

कंपनी एआई स्मार्टफोन, पीसी, स्मार्ट ग्लास विकसित करेगी ऑटो, इंडस्ट्रियल और अन्य क्षेत्रों में भी अपनी सेवाएं देगी

भारत के डिजिटल भविष्य में अग्रणी भूमिका

इससे पहले क्वालकॉम इंडिया ने बताया कि कंपनी भारत के डिजिटल भविष्य को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। साथ ही, इंक्लूसिव, सस्टेनेबल और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी तकनीकी समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दे रही है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में क्वालकॉम ने एज एआई और 6जी से लेकर स्मार्ट होम, कनेक्टेड डिवाइस और एडवांस कंप्यूट प्लेटफॉर्म तक अलग-अलग तरह के इनोवेशन को पेश किया। साथ ही बताया गया कि कंपनी की तकनीकें भारत के डिजिटल परिवर्तन को किस प्रकार गति देने का काम करेंगी।

नवाचार और कौशल की प्रगति पर की चर्चा

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर क्रिस्टियानो के एक पोस्ट को रिपोस्ट कर लिखा कि क्रिस्टियानो आर। अमोन से मुलाकात बेहद खास औएर अच्छी रही। हमने एआई, इनोवेशन और स्किल को लेकर भारत की प्रगति पर चर्चा की। भारत के सेमीकंडक्टर और एआई मिशनों को लेकर क्वालकॉम की प्रतिबद्धता को देखकर खुशी हुई। देश ऐसी तकनीकों के निर्माण के लिए अनमैच्ड टैलेंट और पैमाने प्रदान करता है।

सोनिया गांधी ने पूरन की पत्नी को लिखी चिट्ठी

सत्ता में बैठे लोग पक्षपातीः कांग्रेस दोषी कोई भी हो बख्शेंगे नहीं: सैनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी नौकरशाह अमनीत पी कुमार को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा है कहा कि आपके पति और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, वाई पूरन कुमार की दुखद मृत्यु की खबर चौंकाने वाली और बेहद दुखद है। इस कठिन समय में आपको और आपके पूरे परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। वाई. पूरन कुमार का निधन हमें याद दिलाता है कि आज भी सत्ता में बैठे लोगों का पूर्वाग्रही और पक्षपातपूर्ण रवैया, वरिष्ठतम अधिकारियों को भी सामाजिक न्याय से वंचित रखता है। मैं और देश के लाखों लोग न्याय के इस मार्ग पर आपके साथ खड़े हैं। ईश्वर आपको इस कठिन परिस्थिति में धैर्य, साहस और शक्ति प्रदान करे। वहीं, सीएम सैनी ने इसे 'बहुत दुखद हादसा' बताते हुए कहा कि सरकार इसकी गहन जांच कराएगी।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे ने पड़ोसी पाकिस्तान को जोर का झटका दिया है। भारत की इस रणनीति से पाकिस्तान इतना बौखलाया कि उसने विदेश मंत्री के भारत दौरे के बीच ही अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक को अंजाम दे दिया। हालांकि पाक दावा कर रहा है कि उसने टीटीपी के आतंकियों पर हवाई प्रहार किया है, लेकिन सच यही है कि पाक सरकार अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे से इतनी घबराई है कि उसने अफगानिस्तान को चेताने के इरादे से ही हवाई हमले को अंजाम दिया है। भारत और अफगानिस्तान के कूटनीतिक तौर पर अत्यंत निकट आ जाने के पीछे विशिष्ट कारण रहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ताल्लुकात बेहद खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रति शत्रुता पूर्ण रुख अख्तियार करके पाकिस्तान के प्रति अपनी मोहब्बत और दोस्ती का इजहार कर दिया है। अब सवाल यह है कि भारत ने कट्टर इस्लामी मुल्क अफगानिस्तान के साथ आखिरकार दोस्ती का हाथ क्यों बढ़ा दिया है? इसके पीछे रणनीति क्या है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अफगानिस्तान-हिंदुस्तान के नए रिश्ते

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

अफगानिस्तान में अगस्त वर्ष 2021 में तालिबान हुकूमत के सत्तासीन होने के पश्चात वहां के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने पहली दफा जिस मुल्क का कूटनीतिक दौरा अंजाम दिया है, वह मुल्क है हिंदुस्तान। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी पर किसी भी विदेशी मुल्क की यात्रा करने पर प्रतिबंध आयद किया हुआ है, क्योंकि मुत्तकी संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल द्वारा घोषित और प्रतिबंधित किए गए वैश्विक आतंकवादियों की लिस्ट में अभी तक शुमार हैं। भारत की कूटनीतिक पहल पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक आमिर खान मुत्तकी को भारत का कूटनीतिक दौरा करने की विशेष अनुमति प्रदान की गई। हालांकि भारत द्वारा अभी तक अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत को बाकायदा मान्यता प्रदान नहीं की गई। विश्व पटल पर बॉयकाट मुल्क करार कर दिए गए अफगानिस्तान को भारत सरकार ने आखिरकार अपने गले से क्यों और कैसे लगा लिया है। वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का मूल मंत्र रहा है कि दुश्मन का दुश्मन सदैव ही दोस्त हुआ करता है। वैश्विक कूटनीति के इसी मंत्र का जाप करते हुए भारतीय विदेश नीति ने अपनी करवट बदल ली है और अब अफगानिस्तान से प्रबल दोस्ती करने की ठान ली है।

भारत की कूटनीतिक पहल पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक आमिर खान मुत्तकी को भारत का कूटनीतिक दौरा करने की विशेष अनुमति प्रदान की गई। हालांकि भारत द्वारा अभी तक अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत को बाकायदा मान्यता प्रदान नहीं की गई। अब तो अफगानिस्तान वस्तुतः भारत का प्रबल दोस्त बन जाने के कगार पर खड़ा है। भारत यकीनन दुनिया में किसी भी मुल्क से दुश्मनी नहीं चाहता। उम्मीद जगी है कि भारत और अफगानिस्तान की दोस्ती भारतीय महाद्वीप में संभवतः एक नया रंग ला पाएगी।

आतंक का गढ़ अफगानिस्तान

भारत और अफगानिस्तान के कूटनीतिक तौर पर अत्यंत निकट आ जाने के पीछे विशिष्ट कारण रहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ताल्लुकात बेहद खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। इधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रति शत्रुता पूर्ण रुख अख्तियार करके पाकिस्तान के प्रति अपनी जबरदस्त मोहब्बत और दोस्ती का इजहार कर दिया गया है। वैश्विक जेहादी आतंकवाद का पाकिस्तान के बाद सबसे बड़ा गढ़ करार दिए जाने वाले कट्टर इस्लामी मुल्क अफगानिस्तान से आखिरकार जनतांत्रिक भारत ने दोस्ती का हाथ क्यों बढ़ा दिया है? यक्ष प्रश्न है? जोकि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के अनेक जाने-माने जानकारों के दिलों दिमाग में कौंध रहा है? अगस्त वर्ष 2021 में तालिबान के दुर्दांत जेहादी लड़ाकों ने अमेरिकन हुकूमत द्वारा सैन्य रूप से समर्थित और पोषित अफगानिस्तान की अशरफ गनी और अब्दुल्ला सरकार को सत्ता से उखाड़ कर संपूर्ण अफगानिस्तान पर अपना सैन्य आधिपत्य स्थापित कर लिया। अफगानिस्तान से अमेरिकन सैनिकों को अपने आधुनिकतम हथियारों को छोड़कर उसी तरह से पलायन कर जाने पर विवश हो जाना पड़ा, जिस तरह से कभी वियतनाम से अमेरिकी सैनिक मैदान ए जंग को छोड़कर भाग खड़े हुए थे। तालिबान हुकूमत को दुनिया के किसी भी मुल्क ने उस वक्त मान्यता प्रदान नहीं की, यहां तक कि पाकिस्तान ने भी नहीं दी। भारत ने भी वर्ष 2021 में काबुल स्थित अपना दूतावास बंद कर दिया था।

रूस ने दी सबसे पहले मान्यता

4 जुलाई 2025 को सबसे पहले तालिबान हुकूमत को मान्यता प्रदान करने वाला मुल्क बना प्रेसिडेंट पुतिन का रूस। जबकि अफ़गानिस्तान में वर्ष 1980 से 1990 तक अफगान मुजाहिद और रुस के सैनिक भीषण तौर पर युद्धरत रहे। कूटनीति के मैदान में कोई भी मुल्क सदैव के लिए दुश्मन और दोस्त नहीं हुआ करते हैं। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित आतंकवादियों के नृशंस बर्बर आक्रमण के तत्पश्चात तालीबान हुकूमत ने जिस तरह की हार्दिक सहानुभूति और संवेदनशीलता भारत के प्रति प्रकट की थी, उसी के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार का कूटनीतिक दृष्टिकोण अफगानिस्तान के प्रति परिवर्तित होना प्रारंभ हो गया था। कूटनीटिक परिवर्तन के तत्पश्चात दोनों देशों की कूटनीतिज्ञों के मध्य घनिष्ठ वार्ताएं प्रारंभ हुई। वर्ष 2021 के बाद समाप्त हो गए पारस्परिक व्यापारिक रिश्ते फिर से कायम हो गए। तालिबान हुकूमत के सत्ताशीन होने से पहले भारत ने मुखतलिफ प्रोजेक्टस में दस हजार करोड़ का आर्थिक सहायता निवेश अफगानिस्तान में अंजाम दिया था।

खनन कंपनियों को न्योता

सर्वविदित है कि अफगानिस्तान में खनिजों का एक बड़ा खजाना विद्यमान है। भारत की खनन कंपनियों को तालिबान हुकूमत ने अफगानिस्तान में खनन करने के लिए आमंत्रित किया है। वस्तुतः भारत भी रूस की तरह से ही अफगानिस्तान को कूटनीतिक मान्यता प्रदान करने की प्रक्रिया में संलग्न है। नई दिल्ली में 9 अक्टूबर को तालिबान हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऐलान कर दिया है कि भारत अपने टेक्निकल मिशन को अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास के स्तर पर ले जाने का फैसला कर चुका है। औपचारिक तौर पर तो कदाचित नहीं, वरन् अनौपचारिक तौर से भारत ने अफगानिस्तान को मान्यता प्रदान कर ही दी है। आमिर खान मुत्तकी का दिनांक 9 अक्टूबर कूटनीतिक दौरा भारत में प्रारंभ हुआ, उसी रोज पाकिस्तान वायुसेना के बमवर्षक विमानों ने काबुल पर बमबारी अंजाम दी है। भारत की सरजमीं से अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को सीधी सैन्य चुनौती देते हुए फरमाया कि पाकिस्तान हमारी कुव्वत और हिम्मत को परखने की कोशिश कदापि ना करें तथा किसी तरह से हिमाकत करने से पहले अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो देशों से हमारी लड़ाकू शक्ति बारे में जाकर समुचित जानकारी तो ले ले। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने विशिष्ट ऐलान किया अफगानिस्तान में अब कोई आतंकवादी गिरोह शेष नहीं बचा है। हमारी अफ़गान सरजमीं का एक भी इंच टुकड़ा भी आतंकवादियों के नियंत्रण में नहीं है। वर्ष 2021 में जिस अमेरिका परस्त अशरफ गनी हुकूमत के खिलाफ हमने मिलिटेंट ऑपरेशन अंजाम दिया था, तालिबान हुकूमत के तहत वो अफगानिस्तान अब पूरी तरह से परिवर्तित हो चुका है। उन्होंने साफ तौर पर बयान किया कि पाकिस्तान और अन्य देश भी आतंकवादियों के खिलाफ वैसा ही जबरदस्त कदम उठाएं जैसा कठोर कदम अफगानिस्तान ने शांति और अमन स्थापित करने के लिए उठाया है।

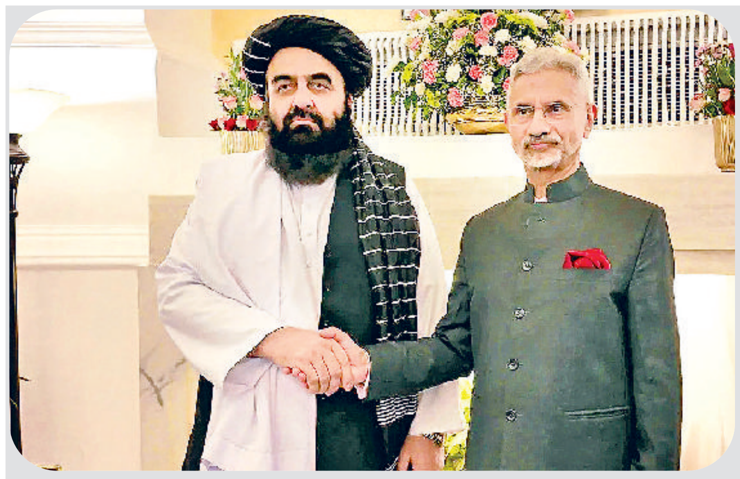

दोस्ती के रास्ते खुले

भारत यकीनन दुनिया में किसी भी मुल्क से दुश्मनी नहीं चाहता। भारत ने तो पाकिस्तान से भी दोस्ती करने के अनेक दफा गंभीर प्रयास किए, लेकिन कोई भी नतीजा नहीं निकला। अब तो अफगानिस्तान वस्तुतः भारत का प्रबल दोस्त बन जाने के कगार पर खड़ा है। उम्मीद जगी है कि भारत और अफगानिस्तान की दोस्ती भारतीय महाद्वीप में संभवतः एक नया रंग ला पाएगी।

बहुत गहरी हैं भारत-अफगान संबंधों की ऐतिहासिक जड़ें

उम्मीद

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्तकी की भारत यात्रा ने पुरानी दोस्ती में नई जान फूंक दी है। मुत्तकी बीते गुरुवार को राजधानी दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से विस्तृत चर्चा की। यह 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के किसी वरिष्ठ नेता की पहली भारत यात्रा है। इस मुलाकात में भारत ने काबुल में अपने पूर्ण दूतावास को फिर से सक्रिय करने की घोषणा की, जो चार वर्षों के अंतराल के बाद एक बड़ा कूटनीतिक कदम है। मुत्तकी की यात्रा से एक उम्मीद बंधी है। विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान को 'साझा खतरा' बताया, जबकि तालिबान ने 2025 के पहलगाम हमले की निंदा की। भारत-अफगानिस्तान संबंध शताब्दियों की परीक्षा से गुजरे हैं। प्राचीन बौद्ध विरासत से आधुनिक बुनियादी ढांचे तक, ये बंधन लचीले साबित हुए। मुत्तकी की यात्रा मानवतावादी सहायता को कूटनीतिक संवाद में बदलने का अवसर है। जैसे अशोक के शिलालेख आज भी बोलते हैं। दोनों देशों को आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास जैसे साझा मुद्दों पर एकजुट होना होगा। यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए जरूरी है, बल्कि साझा इतिहास की मांग भी। लेकिन मुत्तकी की यह यात्रा केवल वर्तमान की राजनीति नहीं, बल्कि भारत-अफगानिस्तान के गहन ऐतिहासिक बंधनों की याद दिलाती है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक विकास परियोजनाओं तक, ये संबंध सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक धागों से बुने गए हैं। भारत और अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे। सिंधु घाटी सभ्यता (लगभग 3300-1300 ईसा पूर्व) के अवशेष अफगानिस्तान के उत्तरी भागों में भी मिलते हैं, जो व्यापारिक मार्गों के माध्यम से जुड़े हुए थे। चंद्रगुप्त मौर्य के समय (305 ईसा पूर्व) यह संबंध औपचारिक रूप ले चुके थे। सेल्यूकस निकेटर ने अफगान क्षेत्र मौर्य साम्राज्य को सौंप दिया, बदले में 500 हाथी और वैवाहिक संबंध प्राप्त किए। सम्राट अशोक (268-232 ईसा पूर्व) ने अफगानिस्तान को बौद्ध धर्म का केंद्र बनाया। कंधार में उनके शिलालेख आज भी मौजूद हैं, जो धम्म के प्रचार की गवाही देते हैं। मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद भी, इंडो-ग्रीक और कुशान साम्राज्यों ने इस क्षेत्र को भारतीय उपमहाद्वीप से जोड़े रखा। कुषाण शासक कनिष्क (मध्य पहली शताब्दी) ने बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित किया, जिसका प्रभाव गंधार कला में दिखता है। ये प्राचीन संबंध केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक थे। अफगानिस्तान के बामियान बुद्ध (जो 2001 में तालिबान द्वारा नष्ट किए गए) भारतीय बौद्ध विरासत के प्रतीक थे। व्यापार मार्गों ने मसाले, रत्न और विचारों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया, जो आज भी दोनों देशों की साझा विरासत को दर्शाता है। मध्यकाल में अफगानिस्तान भारत के लिए अवसर और चुनौती दोनों रहा। 10वीं शताब्दी से गजनवी, गौरी, खिलजी, लोदी और मुगल जैसे अफगान मूल के वंशों ने उत्तरी भारत पर आक्रमण किए, जो राजनीतिक उथल-पुथल लाए लेकिन सांस्कृतिक समन्वय भी। महमूद गजनवी (998-1030) के आक्रमणों ने सोमनाथ मंदिर को लूटा, लेकिन इन्होंने फारसी साहित्य और वास्तुकला को भारत में रोपा। गौरी वंश (12वीं शताब्दी) ने दिल्ली सल्तनत की नींव रखी, जो अफगान शासकों द्वारा संचालित थी। मुगल काल (1526-1858) में यह संबंध और गहरा हुआ। बाबर, अफगान मूल का था। 18वीं शताब्दी में अहमद शाह दुर्रानी ने अफगान साम्राज्य स्थापित किया, जिसने पंजाब तक विस्तार किया, लेकिन महाराजा रणजीत सिंह के सिख साम्राज्य ने इसे रोका। इस काल में आर्थिक लेन-देन फला-फूला। अफगानिस्तान के सूखे मेवे, घोड़े और ऊनी वस्त्र भारत पहुंचे, जबकि भारतीय वस्त्र और मसाले अफगान बाजारों में बिके। सांस्कृतिक रूप से, सूफी संतों जैसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर) ने दोनों क्षेत्रों को जोड़ा। हालांकि आक्रमणों ने तनाव पैदा किया, लेकिन ये संबंध विनाशकारी नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी साबित हुए। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने इन संबंधों को नया मोड़ दिया। अफगानिस्तान और ब्रिटिश भारत पड़ोसी थे, लेकिन 'ग्रेट गेम' में रूस के साथ ब्रिटेन की होड़ ने अफगानिस्तान को बफर राज्य बना दिया। भारत ने अफगानिस्तान के साथ 1950 में 'मैत्री संधि' पर हस्ताक्षर किए, जो शांति और राजनयिक संबंधों की गारंटी थी। 1973 में मोहम्मद दाऊद खान के गणतंत्र को मान्यता दी गई, लेकिन 1979 के सोवियत आक्रमण ने संबंधों को जटिल कर दिया।

इस मुलाकात में भारत ने काबुल में अपने पूर्ण दूतावास को फिर से सक्रिय करने की घोषणा की, जो चार वर्षों के अंतराल के बाद एक बड़ा कूटनीतिक कदम है। मुत्तकी की यात्रा से एक उम्मीद बंधी है।

अमेरिका समेत चीन व पाकिस्तान को संदेश

कूटनीति

डॉ. एन.के. सोमानी

स्वतंत्र पत्रकार

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी इन दिनों भारत के दौरे पर है। साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार आने के बाद यह पहला अवसर है जब तालिबान सरकार का कोई बड़ा मंत्री भारत के दौरे पर आया है। यात्रा के दौरान मुत्ताकी ने जिस तरह से भारत-अफगानिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की पहल की है, उससे अमेरिका, चीन और पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ती दिख रही है। खासतौर से भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ वार्ता के दौरान मुत्ताकी ने भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देने व भारत में दुतावास शुरू करने की बात कही है, उससे पाकिस्तान सकते में आ गया है। मुत्ताकी ने कहा कि भारत ने हमेशा मुश्किल समय में अफगानिस्तान का साथ दिया है। हमारे संबंध केवल व्यापार तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि सुरक्षा, संस्कृति, खेल और अन्य संबंधों से भी जुड़े हैं। मुत्ताकी अमेरिका द्वारा बगराम एयरबेस की मांग की पृष्ठभूमि के बीच भारत के दौरे पर आए हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि तालिबान सरकार द्वारा अमेरिका को बगराम एयरबेस देने से इनकार के बाद उपजे हालातों के दृष्टिगत अफगानिस्तान के विदेशमंत्री किसी कूटनीतिक लक्ष्य को साधने के लिए भारत से संबंध सुधारने की पहल कर रहे हैं। यह आशंका इसलिए उठ रही है क्योंकि मुत्ताकी भारत आने से पहले रूस गए थे। रूस यात्रा के दौरान भी उन्होंने बगराम एयरबेस का मुद्दा उठाया था। रणनीतिक दृष्टि से बगराम एयरबेस ईरान, पाकिस्तान, चीन और मध्य एशिया के समीप होने के कारण अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण ठिकाना है। 2021 में अमेरिका ने इसी खाली कर दिया था। अब ट्रंप दोबारा सत्ता में आने के बाद इस पर फिर से कब्जा करना चाहते हैं। सत्ता में आने के बाद तालिबान ने पाकिस्तान को दरकिनार कर भारत के साथ संबंध बढाने षुरू कर दिए। भारत ने मुत्ताकी के दौरे को औपचारिक मान्यता नहीं बल्कि रणनीतिक संवाद का माध्यम बताया है। भारत यात्रा के दौरान मुत्ताकी ने विदेशमंत्री व अन्य अधिकारियों से राजनयिक, व्यापारिक और आर्थिक साझेदारियों को लेकर बात कर है, उससे जाहिर है कि अफगानिस्तान की राजनीति में भारत के लिए दरवाजे खुले हुए हैं।

मुत्ताकी ने जिस तरह से भारत-अफगानिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की पहल की है, उससे चीन अमेरिका और पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ती दिख रही है

भारत की रणनीति ने पाकिस्तान को दिया जोर का झटका

रणनीति

महेंद्र पंडित

वरिष्ठ पत्रकार

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे ने पड़ोसी पाकिस्तान को जोर का झटका दिया है। भारत की इस रणनीति से पाकिस्तान इतना बौखलाया कि उसने विदेश मंत्री के भारत दौरे के बीच ही अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक को अंजाम दे दिया। हालांकि पाक दावा कर रहा है कि उसने टीटीपी के आतंकियों पर हवाई प्रहार किया है, लेकिन सच यही है कि पाक सरकार अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे से इतनी घबराई है कि उसने अफगानिस्तान को चेताने के इरादे से ही हवाई हमले को अंजाम दिया है। असल में जब अफगान में हामिद करजई की सरकार थी, उसके बारे में यही कहा जाता था कि वो काबुल के चेयरमैन हैं, उससे ज्यादा कुछ नहीं। वो पूरी तरह से विदेशी सहायता पर निर्भर थे। इसी के चलते पाकिस्तान को अफगान में दखल का मौका मिल रहा था। अब तालिबान सरकार पूरी तरह से एकजुट दिख रही है। इसके चलते पाक को दखल का मौका मिलना तो दूर अफगान से सीधा मुकाबला भी मिल रहा है। वो पहले से ही अफगान सरकार के तेवर से बेहद परेशान था। अब अगर तालिबान सरकार को भारत का भी साथ मिलता है तो पहले से ही कंगाली की हालत में पहुंचे पाकिस्तान को जोर का झटका लगना तय है। भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को ऑफिशियली मान्यता भी नहीं दी है। हालांकि भारत लंबे वक्त से अफगानिस्तान के साथ बैकडोर डिप्लोमेसी करता रहा है। यही कारण रहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अफगानिस्तान भारत के पक्ष में खड़ा नजर आया। अब आमिर खान मुत्तकी की भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर से मुलाकात के दौरान दोनों ओर से कमाल की गर्मजोशी दिखी। एस. जयशंकर ने मुत्तकी को न सिर्फ गर्मजोशी से गले लगाया, बल्कि काबुल में भारत के तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास का दर्जा देने की घोषणा भी कर दी। भारत ने उसे सद्भावना के नाम पर पांच एम्बुलेंस सौंप दी हैं। भारत का अफगानिस्तान के प्रति प्यार नया नहीं है। दशकों से हमने स्वास्थ्य, शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर में करोड़ों रुपये झोंके हैं। कोविड वैक्सीन से लेकर गेहूं तक अफगानिस्तान को जब भी किसी सहायता की जरूरत महसूस हुई, भारत ने दी है।

आतंक का पोषक पाकिस्तान उम्मीद लगाए हुए था कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार भारत के खिलाफ उसके समर्थन में खड़ी होगी, लेकिन भारत की रणनीति ने उसे चारों खाने चित कर दिया। यही कारण है कि वह महज चार साल पहले अमेरिकी सेना के शिकंजे से आजाद हुए अफगानिस्तान पर हवाई हमले कर रहा है।

अफगानिस्तान पर कूटनीतिक जागरूकता और सजगता जरूरी

चौकसी

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक राजनीति एवं कूटनीति को अपने-अपने देशों के हित में साधने के लिए भारत व अफगानिस्तान विशेष प्रयास कर रहे हैं। इसी उद्देश्य के साथ अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी गत 9 अक्टूबर को छह दिवसीय भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंचे और अगले ही दिन दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इसमें भारतीय मंत्री ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पुनः दूतावास खोलने की बड़ी घोषणा की तथा अफगानिस्तानी मंत्री ने कहा कि उनका शासन अपनी भूमि से भारत विरोधी किसी भी आतंकी षड्यंत्र व गतिविधि को नहीं होने देगा।

इसी के साथ दोनों देशों के मंत्रियों ने पारस्परिक संप्रभुता एवं स्वायत्तता की सुरक्षा और द्विपक्षीय कूटनीतिक व व्यापारिक संबंधों की दृढ़ता के लिए भी महत्वपूर्ण संवाद किया है। अपनी यात्रावधि में अफगानी विदेश मंत्री भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परामर्शक अजीत डोभाल के साथ भी भेंटवार्ता करेंगे। विश्व के प्रमुख देशों की भांति ही भारत ने भी तालिबानी शासन को आधिकारिक मान्यता तो नहीं दी है, किंतु अफगानिस्तान के साथ भारत सहित सभी देशों के व्यापारिक-आर्थिक संबंध पहले जैसे ही हैं। नब्बे के दशक से लेकर 2014 तक अफगानिस्तान, रूस व अमेरिका की पारस्परिक शत्रुता का प्रायोगिक क्षेत्र बना रहा। कभी वहां रूसी सेना तैनात हुई थी। उस समयावधि के बाद से लेकर 2021 तक अमेरिकी सेना की तैनाती ने उस देश में तालिबान आतंकवाद को फलने-फूलने का अवसर दिया। हालांकि तालिबानी गतिविधियों को आतंकी गतिविधियां भी अमेरिका ने ही बताया था, जबकि अफगानिस्तान की अधि जनसंख्या अशरफ गनी के शासनकाल में भी तालिबानगामी शासन की पक्षधर थी। पूरे एक दशक तक तालिबानी लड़ाकों एवं अमेरिकी सेना के मध्य सशस्त्र संघर्ष होता रहा। इस अवधि में संपूर्ण अफगानिस्तान बुरी तरह अस्थिर रहा। अमेरिका, रूस, पाकिस्तान, अफगानिस्तानी शासन व तालिबान समूह की कूटनीतियों के कारण यह देश निरंतर गृहयुद्ध व आत्मघात की स्थितियों-परिस्थितियों में पिसता रहा। इस स्थिति में भी भारत ने वहां के तत्कालीन शासन के सहयोग से उस देश में मूलभूत अवसंरचना के निर्माण सहित अनेक विकासपरक कार्य संपन्न किए, जिनका महत्व अब का तालिबानी शासन भी भलीभांति जानता-समझता है। वास्तव में अफगानिस्तान के तालिबानी शासन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा का मुख्य उद्देश्य बगराम हवाई क्षेत्र पर अमेरिका की गिद्धदृष्टि के प्रतिरोध में वैश्विक दक्षिण के प्रमुख व शक्तिशाली देशों का प्रतिरोधपरक समर्थन प्राप्त करना है। चूंकि इस संदर्भ में रूस के मास्को में आमिर खान मुत्तकी को रूस, चीन, पाकिस्तान, ईरान इत्यादि देशों ने अपना-अपना समर्थन दे दिया है, अतः अब तालिबानी नेता की मंशा है कि भारत भी बगराम हवाई स्थल पर अमेरिकी कब्जे की इच्छा का दृढ़ विरोध करे। अमेरिका के संदर्भ में यह अतिविडंबना ही मानी जाएगी कि अपने प्रथम कार्यकाल में जहां ट्रंप ने अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती का विरोध किया, इसे धन-संसाधन की बर्बादी कहा, कार्यकाल के अंतिम दिनों में अमेरिकी सैनिकों की वापसी भी करवा दी तथा डेमोक्रेट्स के शासन में राष्ट्रपति जो. बाइडेन ने बगराम हवाई क्षेत्र में विद्यमान अंतिम अमेरिकी अवसंरचना हटा अफगानिस्तान को पूरी तरह अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप से मुक्त कर दिया था, वहां अब ट्रंप पुनः बगराम में एक प्रतीकात्मक अमेरिकी सैन्य शिविर की स्थापना करने को व्याकुल हैं। परिणामस्वरूप लोकतांत्रिक रूप में अस्थिर अनेक देशों में अमेरिका की ओर से सैन्य तैनातियां हुईं, सैन्य हस्तक्षेप बढ़ा, सामरिक संघर्ष हुआ तथा शासन विस्थापित हुए। दक्षिण एशिया में सन् 2014 तक अमेरिका ने जहां चीन एवं रूस के प्रतिरोध के लिए अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत का उपयोग किया, वहीं अब चीन व रूस के अतिरिक्त भारत के प्रतिरोध हेतु भी वह अफगानिस्तान, पाकिस्तान सहित मध्य पूर्व के मुसलिम देशों का भी अपने सैन्य शिविरों के रूप में प्रयोग करना चाहता है।

भारत ने अफगानिस्तान में पुनः दूतावास खोलने की घोषणा की व अफगानिस्तानी मंत्री ने कहा कि उनका शासन अपनी भूमि से भारत विरोधी किसी भी आतंकी षड्यंत्र व गतिविधि को नहीं होने देगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के माध्यम से अमेरिका ने तालिबानी शासन पर अनेक स्तरीय प्रतिबंध आरोपित कर रखे हैं। इन्हीं प्रतिबंधों के कारण अब तक तालिबानी नेता विदेश यात्रा नहीं कर पा रहे थे। किंतु ज्यों ही सुरक्षा परिषद् ने प्रतिबंधों को सीमित किया, त्यों ही तालिबानी नेतृत्व अमेरिकी प्रयोग में फंसने से बचने हेतु प्रमुख रूप से रूस, भारत व चीन को साधने का प्रयास करने लगा है।

हमें तालिबानी शासन की मूल प्रवृत्ति को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से मुक्त शासन के अनुरूप देखना होगा, तब ही हम अफगानिस्तान के संदर्भ में एक सुरक्षित कूटनीतिक वातावरण निर्मित कर पाएंगे। अन्य देशों की भांति भारत के लिए भी वैश्विक कूटनीतियों के हल ढूंढना सुगम नहीं है। जब हम अमेरिका एवं चीन सहित विश्व के अधिसंख्य देशों पर आंख बंद करके विश्वास नहीं कर सकते हैं, तो फिर अफगानिस्तान के तालिबानी शासन के प्रति भी हमें कूटनीतिक रूप में अति जागरूक व सतर्क रहने की आवश्यकता है।

एनडीए में सीट बंटवारे का काम 95 फीसदी पूरा, भाजपा-जदयू 100 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बातचीत का दौर अब अंतिम चरण है। भाजपा और जदयू ने अपने कई पुराने चेहरों को हरी झंडी भी दे दी है। लेकिन, अब तक औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। जल्द सूची जारी होने की बात कही जा रही है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बातचीत का दौर अब अंतिम चरण है। भाजपा और जदयू ने अपने कई पुराने चेहरों को हरी झंडी भी दे दी है। लेकिन, अब तक औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। यह घोषणा जल्द संभावित है। लेकिन, इससे पहले भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी के सदस्य दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर जुटे हैं। गृह मंत्री अमित शाह, बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता सीट शेयरिंग समेत कई मुद्दों पर बातचीत की। एनडीए में सीट बंटवारे का काम 95 फीसदी तक हो चुका है। भाजपा और जदयू दोनों 100 से अधिक पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

दिल्ली में भाजपा की महाबैठक, दिग्गजों ने किया विचार विमर्श

शाह, बिहार चुनाव प्रभारी प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे शामिल

चिराग, मांझी और कुशवाहा की मांगों पर हो रही देरी

नड्डा के घर पर जुटे भाजपा के नेतागण

केंद्रीय चिराग पासवान की पार्टी को 28, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को 8 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को करीब 5सीटें भाजपा और जदयू देना चाहती है। लेकिन, चिराग और मांझी मानने को तैयार नहीं। चिराग 35 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। मांझी का तर्क है कि राज्य स्तर की पार्टी बनने के लिए 8 विधायक चाहिए। 15 सीटों से कम पर चुनाव हम लोग नहीं लड़ कसते हैं। कुशवाहा ने 24 सीटों की मांग की है। तीनों पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर अपनी-अपनी बात रख दी है।

भाजपा की 41 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम लगभग तय

एनडीए में अब तक सीट बंटवारे का एलान नहीं हुआ है। लेकिन, सोशल मीडिया पर भाजपा के कई संभावित उम्मीदवारों की सूची सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान की ओर से करीब 41 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम मुहर लगा दी गई है। इस सूची में भाजपा मौजूदा विधायक, मंत्री और संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेता शामिल हैं। आलाकमान ने इन्हें सर्वे और समीकरण में फिट पाया है। हालांकि, भाजपा ने इस सूची की पुष्टि नहीं की है। सूची में शामिल कई नाम मौजूदा भाजपा विधायकों के हैं जिन्हें पार्टी ने दोबारा मौका देने का फैसला किया है।

जेडीयू से 31 प्रत्याशियों के नाम आए

नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अपने उम्मीदवारों की संभावित सूची लगभग तैयार कर ली है। जदयू ने 31 से ज्यादा सीटों पर नाम लगभग तय कर दिए हैं। इसमें कई मौजूदा विधायक, कुछ नए चेहरे और परिवारिक राजनीतिक विरासत वाले नाम शामिल हैं। पार्टी की रणनीति 'ग्राउंड कनेक्शन' और 'विनिंग फैक्टर' पर आधारित मानी जा रही है। सूची में कई बड़े नामों के अलावा युवा चेहरों को भी मौका दिया जा रहा है।

पवन ने पार्टी का सच्चा सिपाही बताया

भोजपुरी सुपरस्टार और हाल में भाजपा में शामिल हुए पवन सिंह ने स्पष्ट कहा है कि मैं इस बार का चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि मैं अपने भोजपुरीया समाज से कहना चाहता हूं कि मैंने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी ज्वाइन नहीं किया था मैं पार्टी का एक सच्चा सिपाही हूं और हमेशा रहूंगा।

महागठबंधन में भी बैठकों का दौर

कांग्रेस - आरजेडी में आखिरी वक्त में 5 सीटों पर मामला फंस गया

महागठबंधन में सीटों के समझौते को लेकर लगातार बैठकें हो रही हैं। नेता लोग माथापच्ची में लगे हैंष फिर भी कुछ सीटों पर मामला फंसा हुआ है। खासकर बायसी, बहादुरगंज, रानीगंज, कहलगांव और सहरसा।

सहरसा में पिछली बार भौजपा के आलोक रंजन ने आरजेडी के लवली आनंद को 20 हजार मतों से हराया था। उसी तरह कहलगांव की सीट पर कांग्रेस का दावा है, क्योंकि यह सीट परंपरागत रूप से कांग्रेस की है और लगातार सदानंद सिंह ये सीट जीतते रहे हैं। पिछली बार यहां से भाजपा जीती थी। अब आरजेडी इस सीट पर दावा कर रही है, मगर कांग्रेस इस सीट को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। पिछली बार भी ये सीट कांग्रेस ने ही लड़ी थी. सीमांचल की बायसी और बहादुरगंज भी कांग्रेस लड़ना चाहती है, क्योंकि कांग्रेस का कहना है कि सीमांचल में कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

रोहतास में ग्रामीणों ने राजद विधायक का किया विरोध, धक्कामुक्की की

यहां कई जगहों पर आरजेडी विधायकों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि विधायक 5 साल तक गायब रहे और अब चुनाव के समय उनके बीच पहुंच रहे हैं। रोहतास में जनसंपर्क के दौरान राजद विधायक फतेह बहादुर का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। इस दौरान विधायक समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। डेहरी व के चिलबिला गांव में राजद विधायक फतेह बहादुर की जनसंपर्क यात्रा के दौरान हड़कंप मच गया। विधायक गांव में पहुंचे ही थे कि ग्रामीणों ने उनका जमकर विरोध शुरू कर दिया।

मैं लड़ा तो राहुल की तरह तेजस्वी को दो सीट से लड़ना होगा: पीके

राघोपुर सीट चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र बन गई है। जन सुराज के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने इस सीट को लेकर बड़ा संकेत दे दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर वे राघोपुर से चुनाव लड़ते हैं तो तेजस्वी यादव को दो सीटों से मैदान में उतरना ही पड़ेगा। अब तेजस्वी को दूसरी सीट तलाशनी पड़ेगी। उनका हाल भी वही होगा जो राहुल गांधी का अमेठी में हुआ था। जब उन्हें वायनाड जाना पड़ा।

तेज प्रताप बोले- मैं महुआ से चुनाव लड़ूंगा

जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने कहा कि आप देख सकते हैं कि मेरी पार्टी को किस तरह का समर्थन मिल रहा है। इतने सारे लोग बिना बुलाए भी आ रहे है। मैं जल्द उम्मीदवारों की घोषणा करूंगा। मैं महुआ से चुनाव लड़ूंगा।

विधायक मिश्रीलाल ने भाजपा से किया किनारा

दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अब पिछड़ों का सम्मान नहीं करती। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व घमंड में चूर हो गया है। इस बात जनता उनको जान चुकी है।

खबर संक्षेप

गुजरात पहुंचीं राष्ट्रपति द्वारकाधीश के किए दर्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने द्वारका का भ्रमण किया। राष्ट्रपति ने द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के चरणों में शीश नवाया और इस दिव्य दर्शन से धन्य महसूस किया। राष्ट्रपति ने शास्त्रीय विधि-विधान से भक्तिपूर्वक भगवान के चरणों की पूजा करके अपनी संतुष्टि भी व्यक्त की। राष्ट्रपति ने देशवासियों की सुख, शांति,समृद्धि की कामना की।

दिल्ली में ग्रीन पटाखों पर 5 दिन की छूट

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा में दिवाली के दौरान फिर पटाखों की आवाज गूंजने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने 5 दिनों के लिए पटाखे फोड़ने और बेचने की सशर्त अनुमति दे दी है। ये फैसला कई सालों बाद दिल्ली में पटाखों वाली दिवाली की वापसी का संकेत है। अदालत ने कहा कि ये सिर्फ एक ट्रायल बेसिस छूट दी गई है।

दिवाली पर हिंदू दुकानों से करें खरीदी, नोटिस

मुंबई। दिवाली की खरीदारी को लेकर एनसीपी विधायक संग्राम जगताप की तरफ से दिए गए बयान पर सियासी घमासान तेज हो गया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस संज्ञान लेते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजने की बात कही। जगताप पर सिर्फ हिंदू दुकानदारों से खरीदारी की अपील करने का आरोप है। इस पर अजित ने कार्रवाई की बात कही है।

रामभद्राचार्य के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो हटाएं

इलाहाबाद। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जगतगुरु स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ यूट्यूब चैनल और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों पर कथित आपत्तिजनक वीडियो को 48 घंटे में हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और गूगल एलएलसी को निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 11 नवंबर को नियत की है।

दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ गैंगरेप

बंगाल में ओडिशा की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म फोन छीना, जंगल ले गए आरोपी, पीड़िता अस्पताल में भर्ती

वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा महिला सांसद पर अज्ञात लोगों ने हमला करते हुए घायल कर दिया था। वहीं अब एक बार फिर बंगाल से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है।

इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि पश्चिम बर्धमान जिले में ओडिशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई। बताया जा रहा है कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी।

आरजेकर मामले की फिर आई याद

अस्पताल में चल रहा पीड़िता का इलाज

छात्रा के साथ रात के अंधेरे में कॉलेज के पास सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रा के परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

3 अज्ञात लोग आए तो सहेली उसे अकेला छोड़कर भागी

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि छात्रा शुक्रवार रात करीब 8 से 8.30 बजे अपनी सहेली के साथ कैंपस से बाहर गई थी। अधिकारी ने कहा कि जब तीन अज्ञात लोग वहां पहुंचे तो उसकी सहेली उसे अकेला छोड़कर भाग गई। उन लोगों ने उसका फोन छीन लिया और उसे कैंपस के बाहर सुनसान इलाके में ले गए, जहां उसके साथ ज्यादती की। उसे धमकी दी गई कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने छात्रा से उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। पुलिस ने छात्रा के बयान दर्ज कर लिए हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने कल रात पीड़िता की सहेली से बात की। हम सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी।

बेटी की खबर सुन, दुर्गापुर पहुंचे माता-पिता

छात्रा के माता-पिता ने कहा कि वे शनिवार सुबह दुर्गापुर पहुंचे। छात्रा के पिता ने कहा हमें उसके दोस्तों का फोन आया और हमने घटना के बारे में बताया। हम शनिवार सुबह यहां आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात लगभग 10 बजे उनकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, जब वह अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर गई थी।

एनसीडब्ल्यू की टीम भी करेगी जांच

इधर, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की एक टीम पीड़िता और उसके माता-पिता से मिलने दुर्गापुर जाकर जांच करेगी। एनसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा कि बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस ऐसे मामलों में कोई सक्रिय कदम नहीं उठा रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगी कि वे आगे आएं और ऐसे अपराधों में वृद्धि को रोकने के लिए मिलकर काम करें।

विभाग ने कॉलेज से तुरंत रिपोर्ट मांगी

इस बीच एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने आगे कहा कि हमने इस संबंध में कॉलेज प्रशासन से तुरंत रिपोर्ट मांगी है। उसके अनुसार हम कदम उठाएंगे।

कहा, यह सरकार खुद कटघरे में खड़ी है और इसे देश के सामने जवाब देना ही होगा

सैलजा ने सरकार से पूछा: क्यों बार-बार चेतावनी देने के बावजूद किसी ने वाई पूरन कुमार की बात नहीं सुनी?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार को आरईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले में जवाब देना होगा आखिर ऐसा क्यों हुआ, क्यों बार-बार चेतावनी देने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी? यह सरकार खुद कठघरे में खड़ी है और इसे देश के सामने जवाब देना ही होगा।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि यह कोई एक दिन की बात नहीं है जिन अफसर के नाम इस पत्र में लिये गए हैं, यह वही बातें हैं जो वह पहले भी बार-बार उठाते रहे, लेकिन अफसोस की बात है कि न सरकार ने, न पूरे सिस्टम ने उनकी पीड़ा पर ध्यान दिया। उल्टा, उन्हें ही बार-बार प्रताड़ित किया गया, उनके खिलाफ कार्रवाई होती रही। आप सोचिए, एक सीनियर अफसर, जिसने पूरी ईमानदारी से अपनी सेवा दी, उसे इस हद तक मानसिक रूप से तोड़ दिया गया कि उसे लगा कि अब कोई रास्ता नहीं बचा। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं है यह पूरे तंत्र की संवेदनहीनता का उदाहरण है। उनके परिवार पर जो बीती है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनकी पत्नी अमनीत, जो खुद एक सीनियर आईएएस अधिकारी हैं, उनके बच्चे, पूरा परिवार आज सदमे में है।

सांसद ने कहा कि पीडित परिवार ने सुरक्षा की मांग की है, परिवार ने एफआईआर भी दर्ज कराई है। सवाल यह है कि क्या इस देश में एक सीनियर ब्यूरोक्रेट और एक आम नागरिक की आवाज का कोई मूल्य नहीं रह गया? क्या किसी अधिकारी को इंसाफ मांगने के बदले प्रताड़ना ही मिलेगी? यह बेहद शर्मनाक है कि कार्रवाई तब हुई जब परिवार ने अंतिम संस्कार से इंकार किया। भाजपा सरकार को इस पर जवाब देना होगा। आखिर ऐसा क्यों हुआ, क्यों बार-बार चेतावनी देने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी? यह सरकार खुद कटघरे में खड़ी है और इसे देश के सामने जवाब देना ही होगा।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के संविधान में न्याय और समानता का अधिकार हर नागरिक को है, लेकिन भाजपा सरकार में आज हालात ऐसे हैं कि न्याय भी वर्ग के आधार पर बांटा जा रहा है। क्या किसी को केवल इसलिए न्याय से वंचित किया जा सकता है क्योंकि वह कमजोर वर्ग से आता है, भले ही वह अपनी मेहनत, प्रतिभा और संविधान प्रदत्त अधिकारों के बल पर ऊंचे पद तक पहुंचा हो? सीजेआई तक को निशाना बनाया गया और वाई पूरन कुमार जैसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को इतनी प्रताड़ना झेलनी पड़ी कि उन्हें आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा।

डीके शिवकुमार का फिर छलका दर्द

मुझे सीएम बनने की जल्दी नहीं, मैं 'नियति' जानता हूं

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने की कोई जल्दी नहीं है और वेजानते हैं कि उनकी किस्मत में क्या लिखा है? वे मीडिया के एक वर्ग की उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने शनिवार सुबह शहर के लालबाग गार्डन में लोगों से बातचीत के दौरान यह बयान दिया था कि सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री के रूप में बदलने का समय निकट आ रहा है। डीके ने कहा कि उन्होंने यह नहीं कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने का समय नजदीक आ रहा है लेकिन मीडिया का एक वर्ग तथ्यों को तोड़-

मरोड़ कर पेश कर लोगों को गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि लालबाग में मैं जिन लोगों से मिला, उनमें से एक ने मुझे मुख्यमंत्री के रूप में देखने की इच्छा व्यक्त की। मैंने जवाब में कुछ नहीं कहा, कुछ चैनल यह खबर चला रहे हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक यात्री सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया

देशभर के अन्य स्टेशनों पर भी इस तरह के यात्री सुविधा केंद्र विकसित किए जाएंगे: अश्विनी वैष्णव

सुविधा केंद्र को प्री-टिकटिंग, टिकटिंग और पोस्ट-टिकटिंग ज़ोन में बांटा

यात्री सुविधा केंद्र में 22 टिकट काउंटर, 25 एटीवीएम, उन्नत सुरक्षा प्रणालियां और बैठने, शीतलता, स्वच्छता और सूचना सुविधाओं सहित व्यापक यात्री सुविधाएं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश के सबसे व्यस्ततम टर्मिनलों में से एक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (एनडीएलएस) पर यात्रियों के अनुभव को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाने के लिए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नवनिर्मित यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया। यह केंद्र लगभग 7,000 यात्रियों की क्षमता के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है, जिससे बोर्डिंग से पहले सुविधा और आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वैष्णव ने कहा कि नए विकसित अत्याधुनिक यात्री सुविधा केंद्र त्योहारों के मौसम में यात्रियों को सुविधा प्रदान करेंगे क्योंकि इस समय यात्रियों की संख्या में वृद्धि

होती है। इस प्रकार के यात्री सुविधा केंद्र देश के अन्य स्टेशनों पर भी बनाए जाएंगे। नए यात्री सुविधा केंद्र को यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रणनीतिक रूप से तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: 2,860 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग क्षेत्र, 1,150 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग के बाद का क्षेत्र और 1,218 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग से पहले का क्षेत्र। यह स्थान संबंधी विभाजन टर्मिनल के मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ को कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

साथ ही, फुट ओवर ब्रिज 1 (एफओबी 1) के विस्तार के साथ एक आवश्यक बुनियादी ढांचे को पूरा किया गया। इस विस्तार से यह सुनिश्चित होता है कि नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन से उतरने वाले यात्री अब सीधे मेट्रो स्टेशन की ओर जा सकें, जिससे मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और प्लेटफ़ॉर्म पर भीड़ कम होगी।

केंद्रीय मंत्री के साथ रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने इस सुविधा की योजना और कार्यान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी। इस निरीक्षण ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए रेल मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

स्टेप अप एसआईपी : बच्चे की पूरी पढ़ाई फ्री, फिर भी 50 लाख बचेंगे

भविष्य | बिजनेस डेस्क

अगर आपको भी बच्चे की पढ़ाई और अन्य खर्च से समय रहते मुक्ति पानी है तो आपके लिए स्टेप अप एसआईपी एक अहम निवेश का विकल्प साबित हो सकती है। इसके जरिये निवेश करने से आपको बड़ी राहत मिलेगी। स्कूल की बढ़ती फीस और हायर एजुकेशन की चिंता अक्सर अभिभावकों को सताती हैं। निवेश के जानकारों का कहना है कि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस टेंशन को 'बाय-बाय' कहा जा सकता है। इसके लिए आपको एसआईपी के जरिये निवेश करना होगा और इसे बढ़ाते जाना होगा। यह योजना आपके बच्चे की शिक्षा का खर्च उठा सकती है। साथ ही, बच्चे के 22 साल का होने तक आपके पास 50 लाख रुपये से ज्यादा बच सकते हैं। इसके लिए आपको बच्चे के जन्म से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी। इसे 10 साल तक हर साल 10% बढ़ाना होगा। 10 साल बाद कॉन्ट्रिब्यूशन बंद कर देना है। फिर बच्चे की 10 से 22 साल की उम्र तक हर महीने 25,000 रुपये निकालने हैं। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के संभव है।

यह दिया सुझाव

99% माता-पिता बिना किसी स्कीम के स्कूल फीस पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। 'क्या हो अगर 10 साल की एसआईपी आपके बच्चे की शिक्षा को लगभग मुफ्त में फंड कर सके... और फिर भी उनके सपनों के लिए लाखों छोड़ जाए?' उन्होंने एक स्टेप-अप एसआईपी स्ट्रैटेजी का सुझाव दिया है। यह स्ट्रैटेजी महंगे एजुकेशन लोन की जगह ले सकती है। यह लंबी अवधि की वित्तीय योजना है।

कैसे काम करती है स्कीम?

यह योजना इस तरह काम करती है। जब आपका बच्चा पैदा हो तब हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करें। अगले 10 सालों तक हर साल एसआईपी की राशि को 10% बढ़ाएं। 10 साल पूरे होने के बाद एसआईपी में पैसा डालना बंद कर दें। जब बच्चा 10 साल का हो जाए तब से 22 साल का होने तक हर महीने 25,000 रुपये निकालें। यह पैसा बच्चे की फीस के लिए होगा। इस योजना में 12% सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मानी गई है।

क्या है पूरा गणित?

निवेश के गणित के अनुसार, आप 10 साल में कुल 19.12 लाख रुपये का निवेश करेंगे। तब तक यह राशि बढ़कर 32.69 लाख रुपये हो जाएगी। अगले 12 सालों में आप एजुकेशन के लिए कुल 36 लाख रुपये निकालेंगे। इसके बावजूद आपके खाते में 51 लाख रुपये बचे रहेंगे। उन्होंने कहा, 'पैसे निकालते समय भी कंपाउंडिंग काम करती है।' इसका मतलब है कि बचा हुआ पैसा बढ़ता रहता है। इससे भुगतान के दौरान भी धन बढ़ता रहेगा।

दंग कर देने वाले रिजल्ट

इस योजना की तुलना एजुकेशन लोन से करें। 36 लाख रुपये के एजुकेशन लोन पर 11% ब्याज दर से 10 साल के लिए ईएमआई लगभग 50,000 रुपये प्रति माह होगी। यह एसआईपी से निकाली गई राशि से दोगुना है। इसमें ब्याज का भारी बोझ भी होता है। कौशिक ने कहा कि यह रणनीति आपकी आय वृद्धि से मेल खाती है। उन्होंने बताया, '10 हजार रुपये महीने से शुरू करें और 10वें साल तक आप सालाना 2.8 लाख रुपये का निवेश कर रहे होंगे जो प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अनुरूप है।' उनके कुछ सुझाव भी हैं। कम लागत वाले इंडेक्स फंड का उपयोग करें। आपात स्थितियों के लिए हमेशा कुछ लिक्विडिटी बनाए रखें। अपनी प्रगति की सालाना समीक्षा करते रहें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, '10 साल के लिए एक अनुशासित, स्टेप-अप एसआईपी एक दशक के ओवरटाइम से कहीं ज्यादा कर सकती है।' यह तनाव-मुक्त और स्मार्ट कंपाउंडिंग का तरीका है।

---

100 रुपये प्रॉफिट कमाने के बाद 100 रुपये गंवाने पर भी चुकाने होंगे 30 रुपये

क्रिप्टो नहीं, टैक्स का मायाजाल पैसे गंवाए तो भी देना होगा कर

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- सीए ने निवेशकों को बताया क्रिप्टोकरेंसी से होने वाले नफे-नुकसान का गणित
- क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं तो इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में भी जान लें

अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कीम बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता है इसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रेजरी में लगाया जाता है।

देश में कई सालों से लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं। कई तो इससे मोटा मुनाफा भी कमा चुके हैं और कई अपनी जमापूंजी गंवा चुके हैं। लेकिन अब सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नियम कड़े कर दिए हैं। क्रिप्टोकरेंसी में होने वाली कमाई पर 30 फीसदी का टैक्स लगता है। खास बात यह है कि आपने क्रिप्टोकरेंसी में 100 रपये का प्रोफिट कमाया और बाद में उसे इसी एसेट्स में गंवा दिया तो भी आपको 30 रुपये टैक्स देना होगा। पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वहीं पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। तब से क्रिप्टो में और तेजी देखने को मिली है। इसे देखते हुए अब काफी भारतीय बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनेंस, डॉगकॉइन आदि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने लगे हैं। चूंकि क्रिप्टोकरेंसी पर किसी भी सरकार का केंद्रीय बैंक का कंट्रोल नहीं है, ऐसे में इसमें होने वाले प्रॉफिट पर भारत में टैक्स से जुड़े नियम काफी सख्त हैं। दरअसल, क्रिप्टोकरेंसी में टैक्स का नियम कुछ ऐसा है कि इसमें पैसे कमाने पर ही नहीं बल्कि पैसे गंवाने पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ सकता है। फिर चाहे आपका पूरा पोर्टफोलियो घाटे में ही क्यों ना चल रहा हो। भारत के सख्त क्रिप्टो टैक्स नियमों के तहत, निवेशकों को हर रुपये के मुनाफे पर फ्लैट 30% टैक्स देना होता है, भले ही कुल मिलाकर नुकसान हुआ हो। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे कठोर नियमों में से एक है, जिससे भारतीय क्रिप्टो निवेशकों को राहत मिलने की गुंजाइश बहुत कम है। इस टैक्स सिस्टम को लेकर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी राय रखी और क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को अगाह किया है कि इसमें सोच समझकर ही निवेश करें, वरना यह घाटे का सौदा हो सकता है।

क्रिप्टो टैक्सेशन की बताई सच्चाई

एक सीए ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो टैक्सेशन की सच्चाई बताई है। उन्होंने पोस्ट के जरिए मैसेज दिया है कि भले ही आपने क्रिप्टो में 100 रुपये गंवाए हों, आपको 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। उन्होंने समझाया कि मान लीजिए कि आपने एक ही वित्तीय वर्ष में बिटकॉइन पर 100 रुपये का मुनाफा कमाया, लेकिन इथेरियम पर 200 रुपये का नुकसान उठाया। किसी भी दूसरे निवेश में आपको कुल 100 रुपये का नुकसान होता। लेकिन क्रिप्टो में ऐसा नहीं है। बिटकॉइन से हुई 100 रुपये की कमाई पर आपको 30% यानी 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इथेरियम या किसी दूसरी क्रिप्टो से आपको कितना नुकसान हुआ है। ऐसे में आपको कुल 130 रुपये की चपत लगेगी।

क्या है क्रिप्टो से जुड़े नियम

- आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।
- नुकसान की भरपाई नहीं (आप एक क्रिप्टो नुकसान को दूसरे मुनाफे से नहीं काट सकते)।
- नुकसान आगे नहीं ले जा सकते (इसे समायोजित नहीं कर सकते)।
- अधिग्रहण की लागत को छोड़कर कोई कटौती नहीं।
- ट्रेडिंग फीस जैसे चार्ज भी नहीं घटाए जाते
- इथेरियम पर 200 रुपये के नुकसान को अनदेखा कर दिया जाएगा और बिटकॉइन पर हुए 100 रुपये के मुनाफे पर 30% यानी 30 रुपये टैक्स देना होगा।
- कुल मिलाकर 130 रुपये का नुकसान होगा। यहां तक कि ट्रेडिंग फीस, गैस चार्ज, माइनिंग की लागत, या एक्सचेंज कमीशन जैसी चीजें आपके टैक्सेबल मुनाफे से नहीं घटाई जा सकतीं।

क्या है क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तरीके से काम करती है। यह पारंपरिक मुद्राओं की तरह नहीं है, जो सरकारों द्वारा नियंत्रित और जारी की जाती हैं।

विशेषताएं

1. विकेंद्रीकृत : क्रिप्टोकरेंसी किसी एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नहीं होती है।
2. डिजिटल : यह पूरी तरह से डिजिटल रूप में मौजूद होती है।
3. क्रिप्टोग्राफी : सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
4. ब्लॉकचेन : अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होती हैं।
5. सीमित आपूर्ति : कई क्रिप्टोकरेंसी की आपूर्ति सीमित होती है।

प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी

1. बिटकॉइन : पहली और सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकरेंसी।
2. एथेरियम : स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए जानी जाती है।
3. रिपल : अंतर्राष्ट्रीय भुगतान के लिए उपयोग।
4. लाइटकॉइन : बिटकॉइन का एक वैकल्पिक।
5. कार्डानो : शोध-आधारित ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म।

उपयोग

1. डिजिटल भुगतानः ऑनलाइन लेनदेन के लिए।
2. निवेशः कई लोग क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते हैं।
3. विकेंद्रीकृत अनुप्रयोग : एथेरियम जैसे प्लेटफॉर्म पर।
4. सीमापार लेनदेनः पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज और सस्ता।

जोखिम

1. अस्थिरताः कीमतें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।
2. सुरक्षा जोखिमः हैकिंग और चोरी का खतरा।
3. नियामक अनिश्चितताः विभिन्न देशों में नियम अलग-अलग हैं।
4. घोटालेः फ्रॉड और स्कैम का खतरा।
5. तकनीकी जोखिमः तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।

म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट प्लान या कर्ज चुकाने में लगाएं, जरूरतों के लिए 30%, इच्छाओं के लिए- 30%, वेल्थ बनाने के लिए-40% प्रयोग करें

दिवाली बोनस का करें सही इस्तेमाल कर सकते हैं अपने लिए बड़ी बचत

तोहफा | बिजनेस डेस्क

'बोनस को बांटने की प्रक्रिया में परिवार को जरूर शामिल करें, ताकि हर कोई मस्ती और अनुशासन के बीच बैलेंस समझे।' इस तरह समझदारी से खर्च और स्मार्ट निवेश के साथ आपका दिवाली बोनस न सिर्फ त्योहार को खास बनाएगा, बल्कि आपके भविष्य को भी बेहतर बनाने के काम आ सकता है।

दिवाली को महज कुछ दिन ही शेष बचे हैं। ऐसे में हर साल दिवाली पर ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को बोनस देती हैं। यह बोनस हमारे लिए खुशियों का तोहफा भी होता है, साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का मौका भी। हालांकि अक्सर होता यह है कि जैसे ही बोनस हाथ में आता है, हम शॉपिंग, नई चीजें खरीदने और शौक पूरे करने में पैसा खर्च कर देते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस पैसे का स्मार्ट उपयोग क्या हो सकता है। इसका आप कहां सही इस्तेमाल कर सकते हैं। कैसे अपनी वेल्थ बना सकते हैं या कर्ज उतार सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से बांटें : सही बैलेंस बनाएं

बोनस को खर्च करने का सबसे अच्छा तरीका ये है कि इसे दो हिस्सों में बांट लें-एक हिस्सा त्योहार मनाने के लिए और दूसरा भविष्य की जरूरतों के लिए। बाजार के जानकारों के अनुसार बोनस का 50% हिस्सा त्योहार और लाइफस्टाइल पर खर्च करें और बाकी 50% म्यूचुअल फंड्स, रिटायरमेंट या कर्ज चुकाने जैसे लॉन्ग-टर्म गोल्स के लिए रखें। अगर आपके ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां हैं, तो तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। जैसेः-

- जरूरतों के लिए- 30%
- इच्छाओं के लिए- 30%
- वेल्थ बनाने के लिए- 40%

जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें।

इसे बांटने का हर किसी का तरीका अलग हो सकता है। 'अपने बोनस को अपनी जिंदगी के स्टेज के हिसाब से बांटें। अगर आपके ऊपर हाई-इंटरेस्ट कर्ज है, तो 60-70% बोनस उसको चुकाने में लगाएं।'

सेलिब्रेशन के लिए बजट बनाएं

त्योहार की खुशी फाइनेंशियल टेंशन में न बदल जाए इसके लिए सही बजट बनाना जरूरी है। 'पहले अंदाजा लगाएं कि त्योहार में कितना खर्च होगा-गिफ्ट्स, घूमने-फिरने, सजावट, ट्रैवल और धार्मिक रस्मों पर।' इस खर्च को अपने बोनस और रेगुलर इनकम के साथ मिलाकर देखें। इससे आपको एक फिक्स्ड बजट मिलेगा और आप बाकी पैसों को पहले ही निवेश में डालकर अपने गोल्स को प्रायोरिटी दे सकते हैं।

स्मार्ट तरीके से सेलिब्रेट करें

त्योहारों में ओवरस्पेंडिंग का खतरा हमेशा रहता है। 'बोनस को 'एक्स्ट्रा' पैसा समझकर फूंक न दें।' क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन लेकर शॉपिंग करना तो बिल्कुल अवॉइड करें, क्योंकि इनके इंटरेस्ट रेट्स बहुत ज्यादा होते हैं और ये कर्ज के जाल में फंसा सकते हैं। बिना कर्ज के सेलिब्रेशन के लिए क्रिएटिव तरीके अपनाएं। 'पॉटलक गैदरिंग्स करें, दीया डेकोरेशन बनाएं या अर्ली-बर्ड ट्रैवल डील्स का फायदा उठाएं।'

हाई-इंटरेस्ट कर्ज चुकाएं

अपने बोनस का कुछ हिस्सा क्रेडिट कार्ड के बिल, पर्सनल लोन या किसी भी हाई-इंटरेस्ट कर्ज को चुकाने में लगाएं। इससे भविष्य में आपका पैसा बचेगा। 'सबसे पहले अपने कर्ज की लिस्ट बनाएं, सबसे ज्यादा इंटरेस्ट वाले कर्ज को पहले चुकाएं। यहां तक कि आंशिक पेमेंट भी लोन की अवधि और टोटल इंटरेस्ट को कम कर सकता है।' अगर आपके पास महंगा कर्ज है, तो नए निवेश से पहले इसे चुकाना प्रायोरिटी होनी चाहिए।

निवेश की स्ट्रैटजी

निवेश के लिए ऑप्शन्स आपकी जरूरतों पर निर्भर करते हैं। '3 साल से कम की अवधि के लिए लिक्विड फंड्स या रिकरिंग डिपॉजिट्स में निवेश करें। मीडियम से लॉन्ग-टर्म के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स चुनें।' अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या गोल्ड ईटीएफ भी जोड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण है कि रिटर्न और लिक्विडिटी में बैलेंस बनाएं, ताकि आपका शॉर्ट-टर्म पैसा रिस्क में न आए। दिवाली बोनस आपके फाइनेंशियल गोल्स को तेजी से पूरा करने का मौका है। 'बोनस या तो एक हफ्ते की शॉपिंग में खत्म हो सकता है या सालों तक आपके लिए काम कर सकता है। इसे फाइनेंशियल फिटनेस का बूस्टर समझें।'

'फंड ऑफ फंड्स' में करें निवेश, दोनों हाथों में रहेंगे लड्डू

बिजनेस डेस्क

सोना और चांदी की कीमत इस समय रॉकेट की रफ्तार से भाग रही है। वहीं, फेस्टिव सीजन के कारण इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है। अगर आप धनतेरस पर सोना और चांदी दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो ' कॉम्बो फंड ऑफ फंड्स ' एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं। दरअसल, इस समय म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को दोनों धातुओं में आसानी से निवेश करने का मौका दे रही हैं। इसके लिए वे डुअल-एसेट पैसिव फंड्स (ऐसे फंड जो सोने और चांदी दोनों में निवेश करते हैं) लॉन्च कर रही हैं। पिछले दो साल में सोने की कीमत करीब दोगुनी हो गई है। वहीं, औद्योगिक मांग और सप्लाई में कमी के कारण चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में निवेशक महंगाई से बचने और अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए गोल्ड और सिल्वर फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) की ओर रुख कर रहे हैं।

अलग-अलग निवेश की जरूरत नहीं

डुअल-एसेट पैसिव फंड्स में निवेश के बाद सोना और चांदी, दोनों में अलग-अलग निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी आप फिजिकल सोना-चांदी खरीदे या अलग-अलग ईटीएफ में निवेश किए बिना दोनों की तेजी का फायदा उठा सकते हैं। इस नई कैटेगरी में चार बड़े फंड्स सामने आए हैं। इनमें कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ और मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ शामिल हैं।

1. कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

- यह फंड 20 अक्टूबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। निवेशक सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं।
- इसका मकसद कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करके लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाना है।
- यह एफओएफ एक खास क्वांटिटेटिव मॉडल का इस्तेमाल करता है। यह मॉडल सोने और चांदी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के आधार पर अपने आप तय करता है कि किस धातु में कितना पैसा लगाना है।

2. मिराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ

इस फंड में शुरुआत में 50:50 का आवंटन होता है, लेकिन सोने-चांदी के अनुपात (गोल्ड-सिल्वर रेश्यो) व महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती जैसे बड़े आर्थिक संकेतकों के आधार पर यह अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएम (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट- फंड में कुल जमा राशि) 67 करोड़ रुपये था।

3. एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड सितंबर 2022 में लॉन्च हुआ था। यह भारत का सबसे पुराना डुअल-मेटल फंड है और हाल के दिनों में धातुओं की तेजी से इसने काफी फायदा उठाया है। इसमें 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह फंड सोने और चांदी में लगभग बराबर हिस्सेदारी रखता है यानी 49.98% सोने में और 49.83% चांदी में। फंड ने पिछले एक साल में 57.9% का रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में सालाना 31.97% का रिटर्न दिया है।

4. मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

यह फंड अक्टूबर 2022 में लॉन्च हुआ था और इसने पिछले दो सालों में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। यह फंड 69.34% आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ में और 30.17% निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ में निवेश करता है। इसका एयूएम 244.32 करोड़ रुपये है, एक्सपेंस रेशियो 0.15% है और कोई एग्जिट लोड नहीं है। फंड ने पिछले एक साल में 59.7% का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले दो सालों में सालाना 18.1% का सीएजीआर व पिछले तीन सालों में सालाना 11.6% का रिटर्न दिया है।

एफडी साइलेंट वेल्थ ट्रैप, सिर्फ इससे ही नहीं बन पाओगे अमीर

दूसरे विकल्पों पर भी दें ध्यान

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश को ही असली निवेश समझते हैं तो आप गलत हो सकते हैं। एक एक्सपर्ट ने एफडी में निवेश को 'साइलेंट वेल्थ ट्रैप' बताया है। यानी एक ऐसा जाल जिसमें आप अमीर बनने के लिए जाते हैं, लेकिन अंत में फंस जाते हैं। क्योंकि सिर्फ एफडी में निवेश करके अमीर नहीं बना जा सकता। एक्सपर्ट ने इसका कारण भी बताया है। जानकारों का कहना है कि बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ एफडी में निवेश करना सही नहीं है। उन्होंने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो एफडी में निवेश को ही असली निवेश समझ लेते हैं। वह बताते हैं कि यह जाल तब बनता है जब लोग अपना ज्यादातर पैसा एफडी में रखते हैं। वे महंगाई के असर और पैसे बढ़ाने के मौकों को नजरअंदाज कर देते हैं। एफडी में आपका पैसा तो सुरक्षित रहता है, लेकिन आपको रिटर्न बेहद कम मिलता है। इसलिए सिर्फ एफडी के भरोसे नहीं रहें। निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशे।

निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशें, तभी बढ़ा पाएंगे पैसा

यह मिलता है ब्याज

आज एफडी की सालाना दरें लगभग 6.3% से 7% हैं, जबकि महंगाई करीब 2.1% है। आपकी असली कमाई लगभग 4.2 से 4.9% प्रति वर्ष है।' अगर आप 10 लाख रुपये एफडी में रखते हैं, तो एक साल बाद उसकी असली खरीदने की ताकत सिर्फ 10.42 लाख रुपये ही रह जाती है। इसका मतलब है कि आपका पैसा असल में बहुत कम बढ़ता है।

लोगों को एफडी पर भरोसा क्यों

भारत के लगभग 70% परिवार अभी भी एफडी को ही अपनी बचत का मुख्य जरिया मानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों को इसमें पैसे की पूरी सुरक्षा का भरोसा मिलता है। साथ ही, उन्हें पैसे के लेन-देन की कम जानकारी होती है और वे बाजार के उतार-चढ़ाव से डरते हैं।

यह दी चेतावनी

उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा का यह भरोसा तभी तक सही है जब तक महंगाई कम रहती है। उन्होंने लिखा कि अगर महंगाई आपकी एफडी से मिलने वाले रिटर्न से ज्यादा हो जाती है तो आपकी असली दौलत कम होने लगती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्तीय सुरक्षा लापरवाही से नहीं, बल्कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से मिलती है।

निवेश का तरीका बताया

एक संतुलित निवेश का तरीका सुझाया। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट के साथ शेयर बाजार (जिसने पहले 12 से 15% सीएजीआर का रिटर्न दिया है), डेट फंड (6.5 से 8%) और महंगाई से बचाने वाले निवेश जैसे सोना या आरईआईटीएस को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि अपने निवेश को एक ही जगह न रखकर अलग-अलग जगह बांटें।

ये हैं निवेश के विकल्प

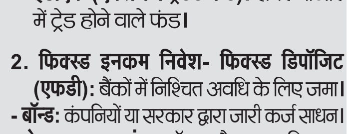

1. **शेयर बाजार (इक्विटी)- शेयर :** कंपनियों के हिस्सेदारी वाले शेयर।
   - **म्यूचुअल फंड :** पेशेवर प्रबंधन वाले फंड जो विविध शेयरों में निवेश करते हैं।
   - **ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड):** शेयर बाजार में ट्रेड होने वाले फंड।
2. **फिक्स्ड इनकम निवेश- फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी):** बैंकों में निश्चित अवधि के लिए जमा।
   - **बॉन्ड:** कंपनियों या सरकार द्वारा जारी कर्ज साधन।
   - **डेब्ट म्यूचुअल फंड:** बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।

ये हैं निवेश के विकल्प

3. **रियल एस्टेट- आवासीय संपत्ति :** घर या फ्लैट।
   - **वाणिज्यिक संपत्ति :** ऑफिस, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स।
   - **आरईआईटी (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट):** रियल एस्टेट में निवेश के लिए ट्रेडेबल यूनिट्स।
4. **सोना और कीमती धातुएं-भौतिक सोना :** सिक्के, बार।
   - **गोल्ड ईटीएफ :** सोने में निवेश के लिए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड।
   - **सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड:** सरकार द्वारा जारी।
5. **म्यूचुअल फंड- इक्विटी फंड:** शेयर बाजार में निवेश।
   - **हाइब्रिड फंड:** इक्विटी और डेट का मिश्रण।
   - **डेब्ट फंड:** फिक्स्ड इनकम साधनों में निवेश।
6. पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)- लंबी अवधि की बचत योजना जो कर लाभ देती है।
7. एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम)- रिटायरमेंट के लिए पेंशन योजना।
8. यूएलआईपी (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान)- निवेश और बीमा का मिश्रण।
9. क्रिप्टोकरेंसी- डिजिटल मुद्राएं जैसे बिटकॉइन, एथेरियम (उच्च जोखिम)।
10. एफडी और आरडी (रिकरिंग डिपॉजिट)- बैंकों में निश्चित आय के विकल्प।

साइवर-एक्लेस्टोन का शानदार प्रदर्शन इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हराया

भाषा ⏭ कोलंबो

कप्तान नटाली साइवर ब्रंट (117 रन) के आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में रिकॉर्ड पांचवें शतक के बाद बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन (17 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी से चार बार की चैंपियन इंग्लैंड ने शनिवार को यहां श्रीलंका को ग्रुप मैच में 89 रन से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। इंग्लैंड ने अपने पहले दो मैच में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को हराया था। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद साइवर ब्रंट ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 253 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में मदद की। इसके बाद साइवर ब्रंट ने एक्लेस्टोन के साथ गेंदबाजी में भी कमाल किया जिससे श्रीलंका की टीम 45.5 ओवर में 164 रन पर ढेर हो गई और उसे टूर्नामेंट में दूसरी हार झेलनी पड़ी। एक्लेस्टोन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में (तीन मेडन) 17 रन देकर चार विकेट लिए। वहीं साइवर ब्रंट ने पांच ओवर में 25 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए जिससे उनके हरफनमौला प्रदर्शन से उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। चार्ली डीन ने भी दो विकेट लिए जबकि लिन्से स्मिथ और एलिस कैप्से को एक एक विकेट मिला। श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही और कप्तान चामरी अटापट्टू रिटायर्ड हर्ट हो गईं, तब टीम का स्कोर 18 रन था। हालांकि वह बाद में खेलने उतरीं लेकिन एक्लेस्टोन का चौथा शिकार बनीं।

महिला वनडे वर्ल्ड कप में 47 साल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को मिली सिर्फ तीन जीत

एजेंसी ⏭ विशाखापत्तनम

भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप में पदार्पण के बाद से पिछले 47 साल में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलियाई टीम को महज तीन बार हरा सकी है और आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में हुए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मिली जीत की सूत्रधार 171 रन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर थी, जिनका बल्ला इस बार अभी तक खामोश है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच एक दिवसीय महिला विश्व कप में अब तक बारह मुकाबले खेले गए हैं जिनमे से नौ बार आस्ट्रेलिया (1978, 1982 में दो मैच, 1993, 1997, 2000, 2005, 2017 ,2022) ने जीत दर्ज की है जबकि भारत तीन बार (2009 में दो बार और 2017) ही जीत सका है।

महिला वनडे विश्व कप भारत ने 1978 में किया था पदार्पण

महिला वनडे विश्व कप की शुरुआत यूं तो 1973 में हुई लेकिन भारत ने पदार्पण 1978 में किया और आस्ट्रेलिया की टक्कर पहली बार इसी विश्व कप में पटना के मोईनुल हक स्टेडियम में हुई। यह विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में होना था लेकिन रंगभेद के चलते उसके बहिष्कार के कारण भारत को इसकी मेजबानी मिली। भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की भागीदारी के बीच खेले गए टूर्नामेंट में मार्गरेट जेनिंग्स की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम ने और डायना एडुल्जी की भारतीय टीम को 71 रन से हराया था। फिर 1982 में शांता रंगास्वामी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड में बदले हुए प्रारुप (राउंड रॉबिन और फाइनल) में खेले गए विश्व कप में राउंड रॉबिन चरण में बारह में से चार मैच जीते लेकिन उसे आस्ट्रेलिया के हाथों तीनों मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

फेनेस्टा ओपन : पार्थसारथी और तविश ने जीता खिताब

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त पार्थसारथी मुंधे और आठवीं वरीयता प्राप्त तविश पाहवा शनिवार को फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में क्रमशः लड़कियों और लड़कों के अंडर-16 वर्ग में चैंपियन बने। इन दोनों खिलाड़ियों ने युगल वर्ग में भी अपनी जोडियों के साथ जीत दर्ज की। लड़कियों के अंडर-16 एकल फाइनल में पार्थसारथी ने श्रीनिति चौधरी की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए तीन सेटों के मुकाबले में 6-0, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। तविश ने लड़कों के अंडर-16 एकल फाइनल में दमदार प्रदर्शन करते हुए मन्नान अशोक अग्रवाल को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया।

एस्पाना गोल्फ टूर्नामेंट में शुभंकर ने बनाई कट में जगह

मैड्रिड। शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया, जिससे वह ओपन डी एस्पाना गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रहे। शर्मा के 36 होल के संयुक्त कुल स्कोर ने उन्हें मार्च 2025 में हीरो इंडियन ओपन के बाद पहली बार किसी 72 होल की प्रतियोगिता में अपना पहला कट हासिल करने में मदद की। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी अगले सप्ताह डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भारत के शीर्ष दावेदारों में से एक होगा।

पार्थ-हिमांशु जीते, विश्व अंडर-20 क्वालीफाइंग मार्क किया हासिल

भुवनेश्वर। अंडर-20 पुरुष वर्ग में झारखंड के 100 मीटर चैंपियन पार्थ सिंह ने राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को लंबी कूद स्पर्धा में 7.82 मीटर से स्वर्ण पदक जीता जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और मीट रिकॉर्ड है। इससे पहले 7.79 मीटर का पिछला मीट रिकॉर्ड एस लोकेश के नाम था। झारखंड के एथलीट दूसरे दिन विश्व अंडर-20 क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करने वाले कई प्रतियोगियों में शामिल थे। लंबी कूद में क्वालीफिकेशन मार्क 7.58 मीटर है। हरियाणा के एशियाई युवा चैंपियन हिमांशु ने लड़कों की अंडर-18 भाला फेंक स्पर्धा में 80 मीटर का आंकड़ा पार करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.38 मीटर का था। हिमांशु ने इससे पहले अंडर-18 लड़कों के क्वालीफिकेशन राउंड में (700 ग्राम का) भाला 79.96 मीटर की दूरी तक फेंका जो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा द्वारा 2014 में विजयवाड़ा में बनाए गए 76.50 मीटर के मीट रिकॉर्ड से बेहतर था।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिसप्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

वेस्टइंडीज बैकफुट, टीम इंडिया ने खेली 500 प्लस की पारी, शुभमन का शतक

भारत ने पहली पारी 5 विकेट पर 518 रन पर की घोषित, वेस्टइंडीज 4 विकेट पर 140 रन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कप्तान शुभमन गिल के करियर के दसवें टेस्ट शतक और रविंद्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को बैकफुट पर भेजकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां एक और बड़ी जीत की उम्मीद जगा दी। भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर समाप्त घोषित की। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 140 रन बनाए हैं और वह भारत से अभी 378 रन पीछे है। भारत ने अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच पारी और 140 रन से जीता था और अगर यहां उसे फॉलोऑन देने का मौका मिलता है तो वह इससे नहीं हिचकिचाएगा।

गिल पारी समाप्ति की घोषणा करके पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वह जल्द से जल्द मैच समाप्त करना चाहते हैं। भारत की पारी के आकर्षण यशस्वी जायसवाल (258 गेंदों पर 175 रन) और कप्तान शुभमन गिल (196 गेंदों पर नाबाद 129 रन) के शतक रहे। इन दोनों के अलावा साई सुदर्शन (87) ने अर्धशतक बनाया। वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन (98 रन देकर तीन विकेट) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे।

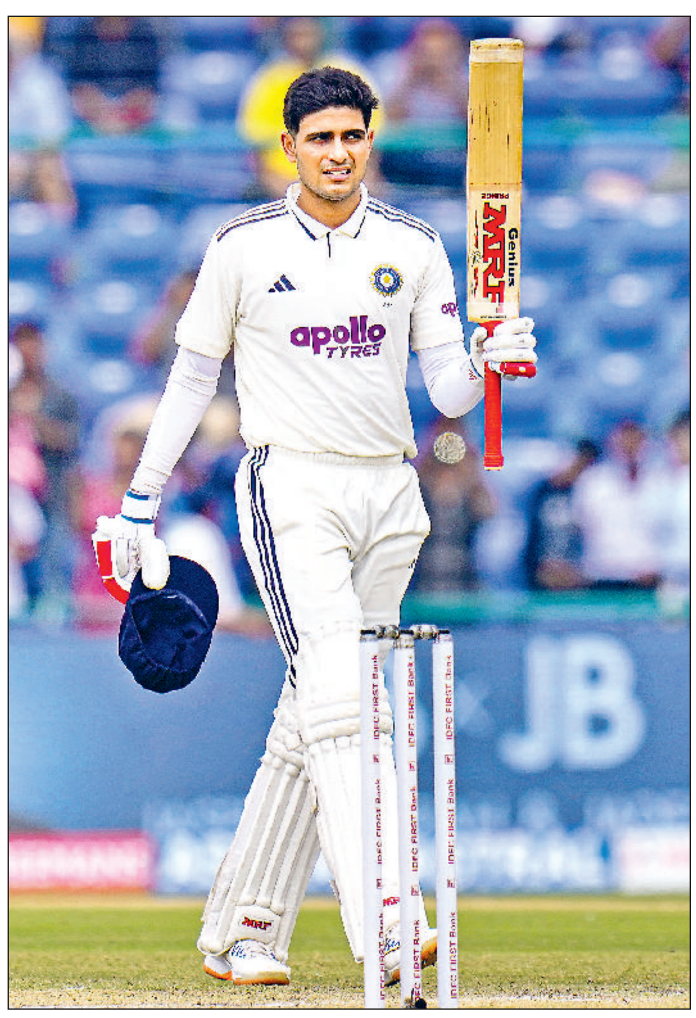

गिल ने ब्रेडमैन को पीछे छोड़ा

गिल ने दिल्ली के मैदान पर इंडीज के खिलाफ पहली पारी में अपना शतक 177 गेंदों पर पूरा किया। गिल ने पहली पारी में 129 रन बनाए और नाबाद रहे। ये उनके टेस्ट क्रिकेट करियर का 10वां साथ ही इंडीज के खिलाफ पहला शतक रहा। अपने इस शतक के दम पर गिल ने डॉन ब्रेडमैन को पीछे छोड़ दिया। दरअसल गिल ने बतौर कप्तान अपना 5वां टेस्ट शतक लगाया और वो सबसे कम पारियों में कप्तान के तौर पर ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने। गिल ने ये कमाल सिर्फ 12 पारियों में किया जबकि ब्रेडमैन ने ऐसा 13 पारियों में किया था।

कोहली के बराबर पहुंचे शुभमन

गिल ने भारतीय कप्तान के रूप में एक कैलेंडर साल में 5 टेस्ट शतक लगाने का कमाल किया और विराट कोहली की बराबरी कर ली। कोहली ने टेस्ट प्रारूप में भारतीय कप्तान के रूप में दो बार एक कैलेंडर वर्ष में 5 शतक लगाने का कमाल किया था। कोहली ने ऐसा साल 2017 और 2018 में किया था। शुभमन गिल अब इस मामले में कोहली की बराबरी पर आ गए। गिल ने अपनी कप्तानी के पहले ही साल में टेस्ट में 5 शतक लगाने का कमाल किया और ऐसा करने वाले पहले भारतीय भी बने।

जडेजा ने आखिरी सेशन में भारत को किया हावी

रविंद्र जडेजा ने ही भारत को दूसरी सफलता दिलाई। उन्होंने चंद्रपॉल (34) के बल्ले का बाहरी किनारा हासिल किया और पहली स्लिप में केएल राहुल के हाथों कैच कराया। कुछ देर बाद कुलदीप की गेंद पर आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश करते हुए अथानजे मिडविकेट पर जडेजा को आसान सा कैच दे बैठे। अगले ओवर में विंडीज कप्तान रोस्टन चेज बिना खाता खोले लौट गए। जडेजा ने उन्हें अपनी ही गेंद पर लपक लिया।

भारत ने टेस्ट क्रिकेट में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

दिल्ली टेस्ट मैच में जहां जायसवाल ने 175 रनों की पारी खेली तो वहीं कप्तान शुभमन गिल 129 रनों की नाबाद पारी खेली। टीम इंडिया ने जब दिल्ली टेस्ट मैच के दूसरे दिन के खेल में अपनी पहली पारी 518 रनों के स्कोर पर घोषित की तो उसी के साथ 7 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी चकनाचूर हो गया। भारतीय टीम की पहली पारी के दौरान एक भी लेग बाई और बाई का रन नहीं आया और टेस्ट क्रिकेट में ये बिना इस अतिरिक्त रन के एक पारी में सर्वाधिक रन हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड बांग्लादेश और श्रीलंका की टीम के बीच साल 2018 में चट्टोग्राम के मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच में बांग्लादेश के नाम था, जिन्होंने 513 रन अपनी पारी में बिना लेग बाई और बाई के बनाए थे। भारतीय टीम की दिल्ली टेस्ट मैच की पहली पारी को देखा जाए तो उसमें सिर्फ 2 अतिरिक्त रन देखने को मिले, जो वाइड से आए थे। टेस्ट क्रिकेट में ये 500 प्लस स्कोर की पारी में अब तक सिर्फ दूसरे सबसे कम एक्सट्रा रन देने का रिकॉर्ड है।

रोहित का रिकॉर्ड ब्रेक

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का 10वां शतक लगाया और ये डब्ल्यूटीसी में भी उनका 10वां शतक ही रहा। इस टेस्ट शतक के साथ गिल ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, जो इससे पहले डब्ल्यूटीसी में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर थे और इसकी संख्या 9 थी। गिल अब रोहित को पीछे छोड़कर डब्ल्यूटीसी में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर बन गए।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल रन आउट	175	258	22	0
राहुल स्टं इमलाच बो वारिकन	38	54	5	1
सुदर्शन एलबीडब्ल्यू बो वारिकन	87	165	12	0
शुभमन गिल नाबाद	129	196	16	2
रेड्डी कॉ जेडेन सील्स बो वारिकन	43	54	4	2
जुरेल बो रोस्टन चेज	44	79	5	0

अतिरिक्त: 02, कुल: 134.2 ओवर में 518/5 रन

गेंदबाजी : जेडन सील्स 22-2-88-0, एंडरसन फिलिप 17-2-71-0, जस्टिन ग्रीव्स 14-1-58-0, खैरी पियरे 30-2-120-0, जोमेल वारिकन 34-6-98-3, रोस्टन चेज 17.2-0-83-1

वेस्टइंडीज पहली पारी	रन	गेंद	4	6
कैंपबेल का सुदर्शन बो जडेजा	10	25	2	0
चंद्रपाल का राहुल बो जडेजा	34	67	4	0
अथांजे का जडेजा बो कुलदीप	41	84	5	1
शाई होप नाबाद	31	46	5	0
चेज का एवं बो जडेजा	00	7	0	0
इमलाच नाबाद	14	31	2	0

अतिरिक्त 10, कुल योग: 43 ओवर में 140/4 रन

गेंदबाजी : बुमराह 6-3-18-0, सिराज 4-0-9-0, जडेजा 14-3-37-3, कुलदीप 12-3-45-1, वाशिंगटन 7-1-23-0

क्लच शतरंज लीजेंड्स : कास्पारोव ने दोहराया इतिहास, दो गेम शेष रहते आनंद को हराया

एजेंसी ⏭ सेंट लुई

गैरी कास्परोव ने क्लच शतरंज लीजेंड्स प्रतियोगिता के 10वें गेम में विश्वनाथन आनंद को हराकर दो गेम शेष रहते मैच जीतकर 30 साल पहले का इतिहास दोहराया। वह 10 अक्टूबर 1995 का दिन था जब आनंद ने न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर कास्पारोव के खिलाफ 20 गेम वाले क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप मैच में 18वें गेम में ड्रॉ खेला और 7.5-10.5 से हार गए।

वर्तमान टूर्नामेंट में नियमों के अनुसार अंतिम दो बाजियां ब्लिट्ज टाइम कंट्रोल के तहत खेली गईं और आनंद ने दो जीत हासिल कीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और रूस के खिलाड़ी ने पहले ही अपनी जीत पक्की कर दी थी। आखिर में स्कोर 13-11 से कास्पारोव के पक्ष में रहा। उन्होंने इस तरह से 78,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि जीती, जबकि आनंद ने 1,44,000 डॉलर के मुकाबले में 66,000 डॉलर अपने नाम किए।

मैच के अंतिम दिन से पहले कास्पारोव ने पांच अंक की बढ़त ले रखी थी। आनंद के पास वापसी का मौका था, क्योंकि अंतिम दिन 12 अंक दांव पर लगे थे और प्रत्येक जीत तीन अंकों की थी। आनंद ने दिन की शुरुआत कड़े मुकाबले में ड्रॉ से की लेकिन अगला गेम हार गए। इससे कास्पारोव ने मैच अपने नाम कर लिया था, जबकि दो ब्लिट्ज गेम अभी भी बचे हुए थे। आनंद ने इन दोनों गेम में जीत हासिल की लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए।

जोहोर कप: भारत की शानदार शुरुआत, ब्रिटेन को हराया

जोहोर बाहरु। कप्तान रोहित के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन पर 3-2 से जीत के साथ सुल्तान जोहोर कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। रोहित (45वें और 52वें मिनट') और रवनीत सिंह (23) ने भारत के लिए गोल किए जबकि माइकल रॉयडेन (26) और कैडेन ड्रेसी (46) ने ग्रेट ब्रिटेन के लिए गोल किए। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने अंत तक रोमांचक हॉकी का प्रदर्शन किया लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारत को 13वें मिनट में दिन का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन ग्रेट ब्रिटेन ने यह खतरा टाल दिया। भारत ने गोल करने के अच्छे प्रयासों के साथ शानदार आक्रामक रुख दिखाया, लेकिन ग्रेट ब्रिटेन ने भी अपनी रक्षापंक्ति में मजबूती दिखाई। भारत को 16वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन ग्रेट ब्रिटेन के गोलकीपर ने बड़ी बहादुरी से उसे भी बचा दिया। भारत 22वें मिनट में गोल करने के करीब पहुंच गया था, लेकिन मनमीत सिंह के शॉट को ग्रेट ब्रिटेन के डिफेंस ने रोक दिया। भारत ने आखिरकार अगले ही मिनट में अपना पहला गोल कर दिया।

18 साल की अनमोल ने दी विश्व चैंपियन को चुनौती

■ खरब सेमीफाइनल में यामागुची से हारी

वंता (फिनलैंड)। उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब का आर्टिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर शनिवार को सेमीफाइनल में तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से हार के साथ खत्म हुआ। एशियाई टीम चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही फरीदाबाद की 18 साल की इस खिलाड़ी ने दोनों गेम की शुरुआत में जापान की दिग्गज खिलाड़ी को चुनौती दी लेकिन ज्यादा देर तक लय बरकरार नहीं रख सकी। यामागुची ने 29 मिनट तक चले मैच को आसानी से 21-10, 21-10 से जीता।

विश्व कप क्वालीफाइंग में फ्रांस ने अजरबैजान को 3-0 से हराया

चोट से उभरकर एमबाप्पे ने दिखाया जलवा, दिलाई फ्रांस को जीत

एजेंसी ⏭ पेरिस

काइलियन एम्बाप्पे ने हाल ही में लगी टखने की चोट से उबरते हुए फ्रांस की विश्व कप क्वालीफाइंग में अजरबैजान पर 3-0 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस स्टार फुटबॉलर ने एक गोल किया तथा एक अन्य गोल करने में मदद की, जिससे फ्रांस ने यूरोपीय क्वालीफाइंग में लगातार तीसरा मैच जीत कर अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा। एमबाप्पे ने इस तरह से फ्रांस की तरफ से 53 गोल कर लिए हैं और वह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्हें ओलिवियर गिरौड को पछाड़कर नंबर एक स्थान पर पहुंचने के लिए पांच गोल और करने की जरूरत है। एमबाप्पे को हालांकि मैच के अंतिम समय में विरोधी खिलाड़ी से टकराने के कारण लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर जाना पड़ा। एक अन्य मैच में जर्मनी ने लक्जमबर्ग पर 4-0 से जीत हासिल कर वापसी की।

फुटबॉल शिविर में शामिल हुए सीनियर डिफेंडर बोस और मिडफील्डर राल्टे

मडगांव। सीनियर डिफेंडर सुभाशीष बोस और मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे एशियाई कप क्वालीफायर में सिंगापुर के खिलाफ दूसरे चरण के अहम मैच से पहले शनिवार को भारतीय फुटबॉल टीम के शिविर में शामिल हुए। सिंगापुर में पहला चरण का मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा था। भारत दूसरे चरण की मेजबानी गोवा में करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा , 'सुभाशीष बोस और लालेंगमाविया राल्टे सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर के अंतिम दौर के मैच से पहले गोवा में राष्ट्रीय शिविर में शामिल हो रहे हैं और आज से ट्रेनिंग शुरू करेंगे। ''भारत अपने पहले दो मैचों (इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ और हांगकांग से 0-1 से हार) में सिर्फ एक अंक हासिल करने के बाद सिंगापुर के खिलाफ 'डबल हेडर' मुकाबला खेल रहा है और यह क्वालीफिकेशन के लिए देश का भाग्य तय कर सकता है। भारत पिछले महीने सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक जीतने के बाद सिंगापुर के खिलाफ मुकाबला खेल रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थितिः–	40-SRDEE-G-DLI-2025-26 बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली में द्वितीय तल पर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल के सुधार के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागतः–	रू० 2732084.00
कार्यालय का पता :–	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशिः–	रू० 54700.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय :–	03.11.2025, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय :–	03.11.2025, 16.00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्डः–	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली 3154/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शिव चंदर पुत्र श्री रमाम्य उर्फ रामाज्ञा कुमार**, निवासी **एफ-336, लाडो सराय, महरौली, दक्षिण, दिल्ली** दूसरा पता **ग्राम पिढ़ौली, थाना-तेघघरा, जिला-बेगूसराय, बिहार** तीसरा पता **एस-158, मंडी पहाड़ी शांति कैंप, छतरपुर, नई दिल्ली-110074** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 247/2020 भा.द.स. की धारा 376(ए)/376(बी) के तहत एण्ड 6 पॉक्सो एक्ट, थाना मैदान गढ़ी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शिव चंदर** मिल नही रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शिव चंदर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 247/2020 भा.द.सं. की धारा 376(ए)/376(बी) के तहत एण्ड 6 पॉक्सो एक्ट, थाना मैदान गढ़ी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शिव चंदर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **15.11.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अजय गर्ग
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट) (पॉक्सो), दक्षिण जिला
DP/13785/SD/2025 कमरा नं.805, छठी मंजिल, साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

— THE ALL NEW —
DESTINI 125

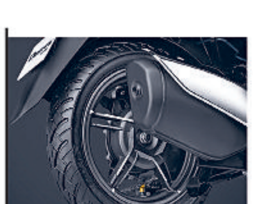
बड़े और चौड़े एलॉय व्हील्स

प्रीमियम क्रोम एक्सेंट्स

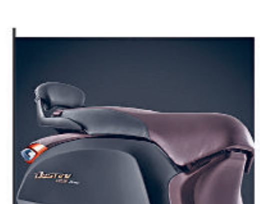
बड़ी और आरामदायक सीट 785mm

बेस्ट-इन क्लास माइलेज#

सेगमेंट में पहली बार ऑटो-कैंसल विंकर्स

पुराना एक्स-शोरूम	GST बेनिफिट्स	नया एक्स-शोरूम
₹82 266** से शुरू	₹6 428**	₹75 838** से शुरू

सीमित समय ऑफ़र

प्रतिदिन की EMI ₹75$ से शुरू

डाउन पेमेंट ₹1999$ से शुरू

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000$ तक
HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife
जीतने का मौका
100% कैशबैक | 24 कैरेट सोने का सिक्का
और भी बहुत सुनिश्चित बेनिफिट्स*

Also available on Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **Ex-showroom price of Destini 125 in Delhi and may change without any prior notice. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. #Based on the testing report of govt. Certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. *T&C apply.

TOLL FREE
1800 266 0018

Authorised Dealers: South Delhi: Pul Prahladpur Badarpur: Singla Hero - 9289922771, Lajpat Nagar: Sapphire Hero- 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road): Pashupati Hero - 9289922381, Okhla Phase II: ARC Hero- 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero- 9289922380, Pushta Kartar Nagar: Aman Hero- 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222, North Delhi: Azadpur: Shraman Hero- 9289923185, Pitampura:Shraman Hero – 9289924252,Rithala (Rohini): Metro Hero- 9289922597, Budh Vihar: JMD Autoworld Hero- 9289924188, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero- 9289922382, Upper India Hero- 9289924343, West Delhi: Roshan Vihar (Najafgarh): Avni Hero- 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero, 9289922530, Raja Puri: Singla Hero-7836078383, Samalkha:Singla Hero - 7836078484, Janak Puri:Singla Hero - 9911884416, Tilak Nagar: Khanna Hero- 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero- 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310;Ghaziabad: Meerut, Delhi Road: Globe Hero- 9289922073, Shiv Puri, Vijay Nagar: Aman Hero- 9289232123; Sahibabad: Sahib Hero- 9289922486; Noida: H-206A, Sector 63: Dhansri Hero- 9289923044, Sector 5, B 124: Uppal Hero - 9289922462, Sector-58 C-70: Singla Hero- 9289923059; BulandShahr:Delhi Road: Shri Durga Hero- 9289922504, RajeBabu Road: Krishna Hero- 9289922410, Hapur: Globe Hero- 9289923209,Gurugram: Sec–18, Noble Enclave: Globe Agencies- 9289233915, Himgiri Hero- 9289923046, Basai Road Sector 11: Sharma Hero- 9289923221, Autoneeds Hero- 9289922051, Jasodha Hero- 9289922495, Wazirabad: Himgiri Hero- 9289924247, Railway Road: Himgiri Hero- 9289924248; Sohna: No. 160/2 Delhi Road: Auto Links Hero- 9289924089; Faridabad: Sehgal Hero- 9289922419, NIT: Sehgal Hero- 7217627327.

RS/Hero/09/25